* *

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, मंगलवार 24 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 07 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 166 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

क्या झारखंड में आजसू पार्टी अपनी साख बचा पाएगी?

गोपाल कृष्ण महतो

झारखंड विधानसभा चुनाव

झारखंड विधानसभा की 81 सीटों पर नवंबर या दिसंबर में चुनाव होने हैं. लिहाजा सभी राजनीतिक दल व गठबंधन चुनाव रणनीति में जुट गयी है. इंडिया और एनडीए गठबंधन के घटक दलों के शीर्ष नेता सीट शेयरिंग को लेकर मंथन कर रहे हैं. झारखंड में एनडीए के घटक दल आजसू (ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन) है. 2019 के चुनाव में आजसू ने अकेले 53 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन केवल 2 सीटें ही जीत पाई. सिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से सुदेश महतो ने और गोमिया निर्वाचन क्षेत्र से लंबोदर महतो ने चुनाव जीता. बाद में हुए रामगढ़ उपचुनाव में आजसू को जीत मिली और सीटें बढ़ कर तीन हो गईं.

2014 का विधानसभा चुनाव आजसू और बीजेपी ने साथ मिल कर लड़ा था, उसका फ़ायदा उन्हे मिला. भाजपा ने 37 और आजसु पार्टी ने पांच सीटें जीतीं. गठबंधन ने कुल 42 सीटें जीतकर सरकार बनाया. वोट शेयर की बात करें तो आजसू को 2019 में 8.10% वोट मिले थे और दो सीट पर जीत हुई थी. वोट प्रतिशत के हिसाब से साल 2014 के तुलना में 4.42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई. लेकिन साल 2014 के चुनाव में आजसू आठ सीटों पर लड़कर पांच सीटों पर कामयाब हुई थी. आजसू जिन जगहों में अच्छी पकड़ रखती है, उनमें रामगढ़, गोमिया, जुगसुलाई, मांडु, बड़कागांव, टुंडी, सिंदरी, सिल्ली, तमाड़, लोहरदगा, चंदनक्यारी शामिल हैं. माना जाता रहा है की आजसू पार्टी की पकड़ कुड़मी बहुल इलाके में मजबूत है. लेकिन अब भी इन सीटों पर आजसू के लिए राह आसान है? शायद नहीं. बीते एक-दो साल से कुड़मी को एसटी में शामिल करने, झारखंड में 1932 खतियान आधारित मुद्दे, बाहरी भीतरी का मुद्दा गरमाया हुआ है. हाल ही में बनी पार्टी जेएलकेएम (झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा) आजसू के गढ़ माने जाने वाले इलाकों मे अपनी छवि बनाने में जुटी हुई है. आजसू के लिए ये मुश्किल है इन सारी सीटों पर बेहतर प्रदर्शन करना. तमाम अटकलें लगायी जा रही हैं कि आजसू पार्टी को छह से लेकर आठ सीट मिल सकती है. एनडीए गठबंधन में रहते हुए खतियान आधारित मुद्दे, ओबीसी आरक्षण, ग्रेटर झारखंड, युवा बेरोजगारी और अन्य मुद्दों को आजसू उठाती है. 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में आजसू को 4.3 प्रतिशत वोट के साथ एक सीट पर जीत तो हुई, पर आजसु के पकड़ वाले एरिया में जेएलकेएम पार्टी का उभार हुआ. हालांकि उस समय समिति के लोग इंडिपेंडेंट तौर पर खड़ा हुए थे. पहली बार बैनर तले चुनाव लड़ते हुए, जेएलकेएम के जयराम कुमार महतो ने आठ लोकसभा क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारे और 8.2 लाख से अधिक वोट हासिल किए. उन्होंने गिरिडीह के अलावा धनबाद, चतरा, हज़ारीबाग, दुमका, रांची, सिंहभूम और कोडरमा लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारे. पांच अन्य सीटें जहां जेबीकेएसएस (अब जेलकेएम) उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहे, वे हैं रांची में देवेन्द्र नाथ महतो. देवेंद्रनाथ महतो 1,32,647 वोटों के साथ, हज़ारीबाग में संजय कुमार मेहता 1,57,977 वोटों के साथ, धनबाद में मोहम्मद एकलाक अंसारी 79,653 वोटों के साथ, सिंहभूम में दामोदर सिंह हांसदा कोडरमा में 44,292 वोट और मनोज कुमार को 28,612 वोट मिले. इसी तरह, दुमका लोकसभा सीट पर बेबीलता टुडू 19,360 वोटों के साथ चौथे स्थान पर रहीं, जबकि चतरा सीट पर दीपक कुमार 12,565 वोटों के साथ सातवें स्थान पर रहे. इन अटकलों के बीच आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो लगातार अमित शाह से मिलने दिल्ली दौरा कर रहे. बीजेपी ने झारखंड चुनाव का जिम्मा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को सौंपा है. आजसु सुप्रिमो दोनों प्रभारियों से मिलकर सीट बंटवारे को लेकर पेंच भिड़ा रही है. 2024 के चुनाव में भाजपा-आजसू 2019 के गलती को दोहराना नही चाहती. एनडीए की राह इस बार आसान नही होगी. हालांकि चुनावी माहौल में कई दिग्गज भूमिका निभा रहें हैं.

(**नोट**: लेखक झारखंड के रहने वाले व हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के छात्र हैं और राज्य की राजनीतिक गतिविधियों पर पैनी नजर रखते हैं.)

मिया-बीवी और भईया ऊर्फ मउसा जी ... मोके ही चाही, दूसर मन से मतलब नखे

संजय सिंह

चुनावी चकल्लस

इन दिनों राजनीति में वंशवाद पर खूबे धमाचौकड़ी मचल रहता है. देश की एगो बड़की पार्टिया के नेताजी लोगन दूसरकी बड़की पार्टिया पर के दिग्गज नेता जी लोगन पर वंशवाद को बढ़ावा देवे का आरोप लगाईते हुए छींटाकशी कईले रहते हैं. छोटकी पार्टी, क्षेत्रीय पार्टी को भी मिया-बीबी, भाई-भौजाई की पार्टी बताईले कटाक्ष करे से तनिको परहेज न करते हैं. लेकिन अपन और सहयोगी पार्टिया में तेहतर गो छेदवा ई लोग के नजरे न आता है. बड़की पार्टिया की एगो सहयोगी क्षेत्रीय पार्टी भी है. चुनाउवा के मौका पर थोक के भाव में डेली मार्केटवा से केरवा के घवद लेले मौहाल बनावइत रहती है. लेकिन ईहो पार्टिया में मिया-बीवी और भईया जी के साथे साथ मुउसा-भतीजा वाली तिकड़िया-चौकड़िया खूबे रंग जमाईले रहती है. जईसे ही चुनाव आता है, ई लोग गांवे-गांवे देर रात तक मौहाल बनावे ला छिछिआईल रहता है. अब ई तिकड़िया में से एगो भईया जी हैं, केरवा प्रमुख जी के मउसा जी के नाम से फेमस हैं...हईयो हैं, लेकिन ऊ मलिकान जी किस्मतवा पता न काहें, केने जाके घुरमुरियाई के सुत गईल है, कहल नहीं जा सकता है. केरवा ब्रांडवाली पार्टिया के ई तीनों नेता-नेताईन मैडम सहिते इहे फेरा में रहते हैं कि पहिले अपना ढींढ़वा भर लीहल जाए, फिर दूसर नेता लोगन के बारे में सोचल जाएगा. साफे-साफे कहते हैं कि मोके ही चाही, दूसर मन से मौके मतलब नखे. वईसे भी ई नेताजी लोगन पीसा फेंको तमाशा दिखो गेम प्लान करके वोटवा के ठगी करे में ओस्ताद हैं. लेकतिन मउसा से लागतार फेले हो जा रहे हैं. पार्टिया के जे प्रमुख महोदय जी हैं, ऊ तो बड़िए मीठा बोलते बतियाते हैं. लेकिन मजाल न कि तिकड़िया के कुछ बोल सकें. आखिर ऊ में से तो एगो मउसा जी भी तो ही हैं. ई तीनों लोग के अपना टिकटवा कंफर्म चाही, बाकी और केकरा के देवे ला है, एकरा से ई लोग के कोई मतलबे न हैं. तीनों कहते हैं- टिकटाव मोके ही चाही, हमके दूसर मन से कोइयो मतलब नखे. अब रउरे मन ही देखू न... ई मउसाजी मन एगो खूबे बड़कावाला गांव से तीन-तीन दफा चुनावी रण में कूद पड़िन. मिया-बीवी और केरवा प्रमुख ने ढेरे जोर लगाईस, लेकिन मउसा मने हिसन पटकालख कि पूछ मत. अब फिरो से चुनाव सामने आईए गेलक तो केरवा ब्रांड पार्टी मन से ढेरे नेताजी मन लोगन के टिकट चाही. लेकिन बड़की वाली पार्टिया के नेताजी लोगन को ई बात हजमे न रहल है कि तीन-तीन दफा पटकाएवाले सहयोगी पार्टी के नेताजी को आखिर किस आधार पर टिकट दिया और दिलाया जाए. ईहां तो जबरदस्ते पेंचवा फसल है. बड़की पार्टी के् बड़का-बड़का नेताजी लोगन ई बड़ाका वाला गांव के कोइयो कीमत पर मउसा जी के देवे के तैयार न है. बड़की पार्टिया वाला नेताजी लोग कह रहिस है कि भाई दूसर सीट देख लो, ईहां न सकोगे. तीन-तीन बेर सीटवा के लूज मोशन हो गईस है, अब तो बख्श दो. लेकिन मउसा जी के न जाने काहे ईहे सीटवा से ढेरे पियार हो गईस है. ई सीटवा देने कोईला क्षेत्र भी है, शायद करिया-करिया कोइलवा में से चमकेवाला हीरवा ते तनिका ज्यादा मोह गईस है. इसलिए मउसा जी कहियो रहिन हैं कि ऊ तो हर हाल में ई सीटवा से लड़बे करेंगे. चाहे पार्टियावाले बड़का-बड़का नेताजी केतनो जोर लगा लें, ई सीटवा को केरवा ब्रांड का परंपरागत सीट बतावे में तनिको संकोच न कर रहिन हैं. मतलब साफे-साफ है मिया-बीवी और भईया ऊर्फ मउसा जी का. मउसा जी तीन-तीन बेर ई सीटवा से लड़ाई लड़ चुके हैं, तीनों बेर प्रतिद्वंद्वी से पिटा के मुंह-नाक फोरवावे के बाद भी ईहे से चुनाव लड़े ला लकलकाईल हैं. मउसा जी के पूरा भरोसा है कि बड़की पार्टिया के बइसाखी के सहारे अबकी बेड़ा पारे लगाईए लेंगे. बाकी तो गेटिंग-सेंटिग ला छोटकी बहू, भाई और भतीजवा तो हईए है. ई केरवा ब्रांड में मिया-बीवी, भईया यानी मउसा जी तो ढेरे दिन से राजनीति चमकाईले हैं. एगो महोदय) मिया जी) सांसद तो बनिए गिये, लेकिन उनको ऊहां मन न लग रहिस है. चाहत तो राज्य के राजनीति में ही सक्रिय रूप से सक्रिय रहे के हैं, लेकिन बेचारे करें तो करें का. सत्ता सुख भोगेवाला बेमारिया इनको भी लगे है. ई लोग तो सत्ता सुख लगी अईसन-अईसन खेला कीहिस है कि पूछिए मत. मेन केरवा कारोबारी यानी प्रमुख महोदय जी तो खुद सत्ता से दूर रहे का नाटक कईले यूपीए फोल्डर में तो नहीं गिये थे, लेकिन सत्ता सुख भोगे लगी छोटका मउसा जी के भेज दीहिन थे. झुठकौली वाला शो-कॉज के खेला कईले थे. ई लोग सोच रहीस था कि जनता-जनार्दन के अंखिया में धूल झोंक लेंगे, लेकिन जनता तो जनता है. इनका तिकड़मवा से वाकिफ थी. तो बेचारे प्रमुख लजवन पचावे लगी शो-कॉज नाटकवा का मंचन कईले थे. अब देखिए ई लोग बड़की पार्टिया से केतना सीटवा फरियाता है, मने केतना लगी मेल ब्लैक करे में सक्सेसफुल हो पाता है, या फिर बिगाईए जाता है, जइसन पिछलका दफा हुईस था.

मंत्री इरफान अंसारी की याचिका कोर्ट ने की खारिज

रांची । कांग्रेस के जामताड़ा विधायक और मंत्री इरफान अंसारी को सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है. अदालत ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने दो जुलाई 2022 को सुनीता देवी द्वारा जाति सूचक शब्द का इस्तेमाल करने को लेकर दर्ज करवाई गई प्राथमिकी निरस्त करने की मांग की थी. समेत अन्य गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायतवाद दर्ज कराई थी. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई.

सेवा मुक्त के खिलाफ याचिका पर हुई सुनवाई

रांची। झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव राजीव कुमार तिवारी को होमगार्ड मुख्यालय द्वारा बिना कोई जांच पड़ताल किए सेवा मुक्त करने के खिलाफ दायर याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार को छह सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रौशन की कोर्ट में हुई. बता दें कि इससे पहले भी राजीव कुमार तिवारी को होमगार्ड विभाग ने बिना कोई स्पष्टीकरण पूछे व बिना किसी जांच पड़ताल किए एक तरफा कार्रवाई कर सेवामुक्त कर दिया था. इस सेवामुक्ति के खिलाफ भी राजीव तिवारी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी.

झारखंड विस नियुक्ति घोटाला की जांच करेगी सीबीआई, हाईकोर्ट ने दिया आदेश

विधि संवाददाता । रांची

झारखंड विधानसभा में हुई अवैध नियुक्ति की जांच की मांग के लिए दाखिल जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है. सोमवार को अदालत ने इस पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दिया है. इस केस से जुड़े सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने 20 जून को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन और अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने अपनी बहस पूरी की. विधानसभा की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार ने बहस की. इस संबंध में शिव शंकर शर्मा ने जनहित याचिका दाखिल की थी. याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2005 से वर्ष 2007 के बीच में विधानसभा में हुई नियुक्ति में गड़बड़ी हुई है. मामले की जांच के लिए पहले जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद आयोग का गठन किया गया. आयोग ने जांच कर वर्ष 2018 में राज्यपाल को रिपोर्ट भी सौंपी थी. जिसके बाद राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष को कार्रवाई करने का निर्देश दिया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई.

दो पूर्व विधानसभा अध्यक्ष संदेह के घेरे में : उल्लेखनीय है कि विधानसभा जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद आयोग ने राज्यपाल को जो रिपोर्ट सौंपी है, वह करीब 7000 पन्नों की है. रिपोर्ट में कहा गया है कि झारखंड विधानसभा में पद नहीं थे, फिर भी नियुक्तियां कर ली गईं. रोस्टर का पालन नहीं किया गया. नियुक्ति में पीक एंड चूज का इस्तेमाल हुआ. विधानसभा कर्मचारियों के रिश्तेदारों की नियुक्तियां की गईं. तत्कालीन विधायक अपर्णा सेनगुप्ता के भाई की भी नियुक्ति हुई. रिपोर्ट में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष इंदरसिंह नामधारी और आलमगीर आलम के खिलाफ भी गंभीर आरोप हैं. दोनों स्पीकर की भूमिका संदेहास्पद बताया गया है. आयोग ने इन दोनों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज करने की अनुशंसा की थी. रिपोर्ट में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शशांक शेखर भोक्ता को भी प्रोन्नति देने में गड़बड़ी के लिए दोषी माना गया है.

नियमावली से छेड़छाड़ : आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि राज्यपाल से स्वीकृत झारखंड विधानसभा की नियुक्ति एवं प्रोन्नति नियमावली में भी छेड़छाड़ की गई. नियमावली में कुछ शब्दों को जोड़ कर दर्जनों कर्मचारियों को प्रोन्नति दे दी गई. सभी के खिलाफ कार्रवाई की जरुरत है.

18 लोगों के रिश्तेदारों की हुई थी नियुक्ति

आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि विधानसभा में 18 ऐसे लोगों की नियुक्ति की गई है, जो किसी न किसी प्रभावशाली व्यक्ति के रिश्तेदार हैं. कोई सहायक के पद पर नियुक्त हुआ तो उनके रिश्तेदारों की अन्य पदों पर नियुक्ति हुई. रिपोर्ट के मुताबिक पलामू जिला के 12 लोगों की नियुक्तियां गलत तरीके से की गई है. जिस दिन डाक से नियुक्ति पत्र भेजा गया, उसके दूसरे दिन अभ्यर्थियों को मिल गया और सभी ने योगदान भी कर लिया.

ब्लैंक आंसरशीट पर नियुक्ति : आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक विधानसभा में चतुर्थवर्गीय कर्मियों की नियुक्ति में नियमों को नजर अंदाज किया गया. इतनी ही नहीं जिल अभ्यर्थियों ने उत्तर पुस्तिका (आंसरशीट) को खाली छोड़ दिया था, उनकी भी नियुक्ति कर ली गई. सबसे अधिक गड़बड़ी ड्राइवरों की नियुक्ति में की गई. जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं थे, उनकी भी नियुक्ति कर ली गई.

बाहरियों की भी नियुक्ति : रिपोर्ट के मुताबिक अधिकतर बिहार के अभ्यर्थियों की नियुक्ति की गई. जिनमें बेगूसराय, मुंगेर, बाढ़ आदि जिले का जिक्र भी रिपोर्ट में है. आयोग ने यह सवाल उठाया है कि जिन अभ्यर्थियों के जाति प्रमाण पर पता बिहार का है, उनकी नियुक्ति झारखंड में कैसे कर ली गई.

25 सितंबर को शपथ लेंगे झारखंड हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव

रांची । झारखंड हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस एमएस राम चंद्र राव 25 सितंबर को शपथ लेंगे. राजभवन में राज्यपाल उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाएंगे. शनिवार को राष्ट्रपति ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में हुई कॉलेजियम की बैठक में लिए गए निर्णय पर मुहर लगाते हुए जस्टिस एमएस राम चन्द्र राव को झारखंड हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किए जाने की अधिसूचना जारी कर दी है. जिसके बाद अब उनके शपथ ग्रहण कार्यक्रम की तैयारी शुरू कर दी गई है.

मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ ईसीआई की याचिका स्वीकार

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने देवघर के पूर्व डीसी मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने और उन्हें चुनावी कार्यों से अलग रखने के आदेश के खिलाफ दायर अपील याचिका स्वीकार कर ली है. इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया-ईसीआई के आदेश के खिलाफ आईएएस मंजूनाथ भजंत्री के मामले में एकल पीठ के आदेश के खिलाफ दायर अपील याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. सोमवार को हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच ने यह फैसला सुनाया है. ईसीआई की ओर से अधिवक्ता राजीव सिन्हा ने पक्ष रखा.

सैकड़ों समर्थकों के साथ हम में शामिल हुए सुशील कुमार

अपने समर्थकों के साथ सुशील कुमार.

संवाददाता । रांची

रिपब्लिकन पार्टी आठवले के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार उर्फ डब्लू महतो सैकड़ों समर्थकों के साथ सोमवार को हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा- हम पार्टी में शामिल हो गए. वे झारखंड विधानसभा के विधायक क्लब में हम पार्टी की ओर से आयोजित मिलन समारोह में पार्टी की झारखंड इकाई में शामिल हो गये. मिलन समारोह के मौके पर हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार सरकार के मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने डब्लू महतो के पार्टी में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि झारखंड में पार्टी मजबूत हुई है. हम पार्टी में शामिल होने पर डब्लू महतो ने कहा कि केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी और हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संतोष कुमार सुमन ने राजनीति में हमेशा गरीबों, दबे कुचले, दलितों पिछड़ों की चिंता की है. हाशिये पर खड़े लोगों की पीड़ा का दर्द हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा समझती है. इसलिए ही उन्होंने हम पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है.

गृह मंत्री शाह से मिले सुदेश सीट बंटवारे की घोषणा जल्द

रांची । झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी और आजसू पार्टी के बीच सीट शेयरिंग का ऐलान नवरात्रि के दौरान हो सकता है. दोनों पार्टियों के बीच इसे लेकर चल रही बातचीत में आमतौर पर सहमति बनती दिख रही है. नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के साथ चुनाव से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के बाद सोमवार को रांची लौटे आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा, राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात पर सकारात्मक चर्चा हुई है. हम मजबूती के साथ चुनाव में उतरने को तैयार हैं. सीट शेयरिंग पर बातचीत जारी है. मुलाकात के दौरान हिमंत बिस्वा सरमा भी मौजूद रहे.

हाईकोर्ट से सांसद निशिकांत दुबे को राहत

रांची । झारखंड हाईकोर्ट ने गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ 30 सितंबर तक पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश दिया है. दरअसल देवघर स्थित परित्राण मेडिकल ट्रस्ट की सम्पति बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट द्वारा खरीदे जाने के मामले में शिवदत्त शर्मा ने निशिकांत दुबे के खिलाफ जालसाजी का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करवाई है. जिसे रद्द करने के लिए सांसद निशिकांत दुबे ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. निशिकांत दुबे की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पुलिस को उनके खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया है.

गढ़वा विस सीट 1980 के बाद 45 वर्षों से गढ़वा सीट के लिए तरस रही है कांग्रेस

मिथिलेश का जलवा या राजपरिवार लौटेगा?

समीर चक्रवर्ती । रांची

वर्ष 2019 में गढ़वा विधानसभा चुनाव का परिणाम

उम्मीदवार का नाम	पार्टी	प्राप्त मत
मिथिलेश ठाकुर	जेएमएम	1,06,681
सत्येंद्र नाथ तिवारी	भाजपा	83,159

झारखंड के गढ़वा में पिछले चार बार विधानसभा चुनाव में चार अलग-अलग पार्टियों ने जीत का परचम लहराया है. ऐसे में अभी से ही इस बात की चर्चा होने लगी है कि मंत्री मिथिलेश ठाकुर की फिर से वापसी होगी या या कोई अन्य बाजी मार ले जाएगा. झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी और सीएम हेमंत सोरेन के करीबी रहे मिथिलेश ठाकुर ने 2019 के चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर सभी को चौंका दिया था. लेकिन हाल के कुछ राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण संगठन में उनपर कई सवाल उठाये जाने लगे हैं. लोकसभा चुनाव 2024 में भी मिथिलेश ठाकुर के विधानसभा क्षेत्र में इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार को बढ़त नहीं मिली थी. ऐसे में गठबंधन ही नहीं, उनकी पार्टी में भी उनकी भूमिका को लेकर सवाल उठाये जाने लगे थे. अब तो लोकसभा चुनाव में गढ़वा विस क्षेत्र में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को मिले वोट व भाजपा को मिले वोट के आधार पर भी बार-जीत का आकलन होने लगा है.

ठाकुर को इंडिया अलायंस और भाजपा में भी मिलेगी चुनौती : 2019 के विधानसभा चुनाव में मिथिलेश ठाकुर ने 23 हजार से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की थी. लेकिन इस बार मिथिलेश ठाकुर को भाजपा के अलावा इंडिया अलायंस के अंदर भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. गढ़वा सीट पर रंका राजपरिवार के सदस्य राजद के वरिष्ठ नेता गिरिनाथ सिंह चार बार जीत हासिल कर चुके हैं और इस बार वे फिर अपनी राजनीतिक जमीन वापस पाने के प्रयास में जुटे हैं. उनके पिता गोपीनाथ सिंह भी दो बार गढ़वा के विधायक रह चुके हैं और राजपरिवार का इलाके में अब भी काफी प्रभाव माना जाता है. दूसरी ओर भाजपा नेता सत्येंद्रनाथ तिवारी भी कमर कस कर तैयार है. पिछले चुनाव में उन्होंने मिथिलेश ठाकुर को कड़ी टक्कर दी थी. हालांकि चुनाव हारने के बावजूद वे लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं.

1980 के बाद से गढ़वा में कांग्रेस को नहीं मिली जीत : गढ़वा विधानसभा सीट वर्ष 1952 में अस्तित्व में आई. इस सीट पर शुरुआती काल में सर्वाधिक समय 20 वर्षों तक कांग्रेस का कब्जा रहा, लेकिन 1980 के बाद से कांग्रेस इस सीट को जीतने के लिए तरसती रह गयी. करीब 45 वर्षों से कांग्रेस को जीत का इंतजार है. वहीं 2019 में पहली बार जेएमएम ने इस सीट पर जीत हासिल की. इससे पहले लंबे समय तक गढ़वा सीट पर भाजपा और राजद का कब्जा रहा है.

1990 में सिर्फ 300 वोट से कांग्रेस हार गयी थी: 1990 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी युगल किशोर पांडेय भाजपा उम्मीदवार गोपीनाथ सिंह से करीब 300 वोटों से हारे थे, लेकिन इसके बाद कांग्रेस पार्टी दिन प्रति दिन कमजोर होती चली गयी. और अब तो बदले राजनीतिक हालात में चुनाव लड़ने की जगह गठबंधन धर्म का पालन करने तक ही कांग्रेस सिमट कर रह गयी है.

गढ़वा सीट पर आरजेडी का चार बार रहा कब्जा : गढ़वा विधानसभा सीट पर सबसे अधिक चार बार आरजेडी का कब्जा रहा. आरजेडी ने 1993 में हुए उपचुनाव में जीत हासिल करने के बाद 1995, 2000 और 2005 के विधानसभा चुनाव में लगातार जीत दर्ज की. इसके बाद झाविमो, भाजपा और जेएमएम को जीत मिली.

30 वर्षों तक गिरिनाथ सिंह के परिवार का कब्जा रहा : गढ़वा विधानसभा सीट पर करीब 30 वर्षों तक गिरिनाथ सिंह के परिवार का कब्जा रहा है. 1985 और 1990 में गिरिनाथ सिंह के पिता गोपीनाथ सिंह विजयी हुए थे, जबकि 1993 से लेकर दिसंबर 2009 तक गिरिनाथ सिंह को गढ़वा का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला. 2009 के चुनाव में झाविमो के टिकट से चुनाव लड़े सत्येंद्रनाथ तिवारी ने सीट छीनी थी. इसके बाद उन्होंने 2014 के चुनाव में बतौर भाजपा प्रत्याशी जीत हासिल की. इसके साथ ही 1990 के बाद 2009 में भाजपा को गढ़वा में जीत मिली.

2019 में मिथिलेश ठाकुर ने जेएमएम को जीत दिलाई : गढ़वा विधानसभा सीट से 2019 के चुनाव में जेएमएम प्रत्याशी मिथिलेश ठाकुर ने जीत हासिल की. इस तरह से गढ़वा सीट पर जेएमएम को पहली बार जीत मिली. इसके बाद से फिलहाल इस सीट को लेकर भाजपा और झामुमो के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई चल रही है.आरजेडी और कांग्रेस की दावेदारी इस क्षेत्र में अब कमजोर मानी जा रही है और संभावना है कि मिथिलेश ठाकुर ही 2024 के चुनाव में इंडी अलायंस के उम्मीदवार होंगे.

1952 से 1972 तक कांग्रेस का दबदबा : 1952 से लेकर 1972 तक गढ़वा विधानसभा सीट पर कांग्रेस का दबदबा रहा था.। 1952 में पहली बार कांग्रेस के राजकिशोर सिन्हा विधायक बने थे. 1957 में कांग्रेस की राजेश्वरी सरोज दास इस सीट पर विजयी हुईं. 1962 के चुनाव में लक्ष्मी प्रसाद और 1972 में अवध किशोर तिवारी ने जीत दर्ज कर कांग्रेस की यह सीट बरकरार रखी. लेकिन 1977 में जनता पार्टी की लहर में यह सीट कांग्रेस से जनता पार्टी के विनोद नारायण दीक्षित ने छीन ली. इसके बाद 1980 में कांग्रेस की पुनर्वापसी हुई और युगल किशोर पांडेय विजयी रहे.

क्लासिफाइड

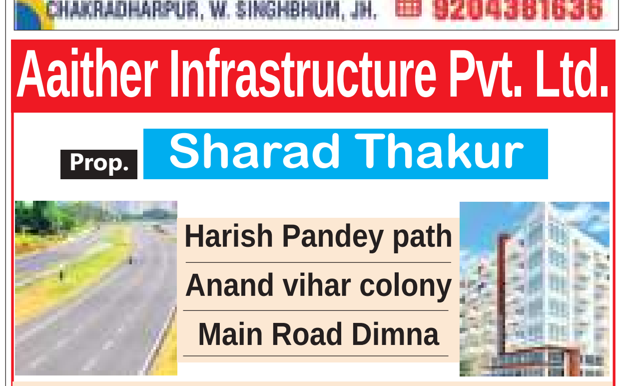

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, मंगलवार 24 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 07 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 166 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

कल्पना ने गढ़वा से भरी हुंकार, कहा-रोक सकते हो तो रोक लो

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान यात्रा का आगाज

आज पलामू के कई क्षेत्रों में होंगे कार्यक्रम

हेमंत ने बकाया मांगा, तो जेल में डाल दिया गया

कल्पना ने कहा कि झारखंड की माटी का लाल यहां की बेटियों-बहनों-माताओं को रोटी देने के लिए हमेशा से प्रतिबद्ध है. कुछ लोगों को ये सुहाता नहीं है कि हमारा झारखंड आगे बढ़े. हमारा खनिज हम भारत सरकार को देते हैं. हम अपना बकाया मांगते हैं, तो इनको तकलीफ हो जाती है. झारखंड के मुख्यमंत्री को जेल में डाल देते हैं. तो अब आप सब को सोचना है. झारखंड को अगर बचाना है, तो आपको अपने हेमंत दादा के साथ खड़े होना है. इस बार जवाब देना है. चाहे कुछ भी हो जाए, झारखंड में हेमंत की सरकार फिर बनाना है.

कौशल आनंद। रांची/गढ़वा

गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के नेतृत्व में सोमवार को गढ़वा जिले के वंशीधर नगर से झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान यात्रा का सोमवार को आगाज हो गया. यात्रा में गढ़वा के बाद रमना, मेराल में कार्यक्रम हुए. इस मौके पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर, बेबी देवी, दीपिका सिंह पांडेय आदि भी मौजूद थे. कई सभाएं हुईं.

कल्पना सोरेन ने अपने संबोधन में भाजपा को ललकारा और हुंकार भरी. कहा कि मैं जब पहली बार गढ़वा आई थी तो हेमंत जी जेल में थे. आज मैं यहां आई हूं, तब हेमंत जी आपके भाई, आपका बेटा बनकर मुख्यमंत्री बनकर हमारे सभी लोगों को मजबूती और सबको ताकत देने का काम कर रहे हैं. उनके जेल से बाहर आने के बाद तुरंत मंईयां योजना की शुरुआत हुई. विरोधी कहते हैं कि चुनाव का समय आ गया, इसलिए ये लोग योजनाएं शुरू कर दिए हैं. ऐसी योजनाएं मध्यप्रदेश, ओड़िशा, महाराष्ट्र में शुरू होती हैं, तो वो संवैधानिक हो जाती है. लेकिन जहां भाजपा की सरकार नहीं है, वहां का एक आदिवासी मुख्यमंत्री अपनी बेटी, दीदी, बहनों को मजबूत करने का काम करता है, तो वह असंवैधानिक हो जाती है. कोर्ट में पीआईएल हो जाती है. अब आपको सबक सिखाना है. उन्होंने ललकारते हुए कहा कि रोक सकते हो, तो रोक लो. ऐसे बिचौलिए सामने आएंगे जो एक तरफ से पीआईएल करेंगे और दूसरी तरफ से आपका वोट मांगेंगे. इनसे सावधान रहना है.

आपके आंसू पोंछने वाला सीएम आगे देखना है या नहीं, यह आप तय करें

कल्पना ने कहा कि चुनाव का समय निकट आ रहा है, आप थोड़ा-सा अपने हाथों को दिल पर रख कर सोचिएगा कि जिस व्यक्ति ने इस झारखंड को उसकी गरिमा लौटाने का काम किया. जिसने अपने बड़ों को पेंशन दी. जिस मुख्यमंत्री ने बच्चों को सावित्री बाई फुले योजना से जोड़ने का काम किया, आपका बिजली बिल माफ कराया, किसान भियों का कर्ज माफ किया,अबुआ आवास देने का काम किया,अपने झारखंडी बच्चों को विदेश में पढ़ने का मौका दिया, जिसने रोजगार सृजन योजना से हमारे भाइयों को जोड़ा है, उस मुख्यमंत्री को आगे देखना है कि नहीं है.

फिर हेमंत बाबू को लाएं पैसा बढ़ाएंगे : बेबी देवी

मुख्य अतिथि महिला, बाल, समाज कल्याण मंत्री बेबी ने खोरठा भाषा में अपना संक्षिप्त भाषण दिया. उन्होंने कहा कि हमलोगों ने देखा कि गरीब महिलाओं के पास अपने बच्चों के लिए पेन और पेंसिल खरीदने के भी पैसे नहीं होते थे. एक-एक रुपए के लिए तरसती थीं. तब हमारे मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना लाए. अगली बार सरकार बनी, तो यह पैसा और बढ़ेगा. आपलोग फिर से हेमंत को सरकार में लाएं.

आज और कल यहां होगी यात्रा : 24 सितंबर को गढ़वा, मझियांव, हैदरनगर, हुसैनाबाद, छतरपुर, नावा मोड़ पाटन, दलित छात्रावास से डाल्टनगंज तक. वहीं 25 सितंबर को मेदिनीनगर, सतबरवा, बकोरिया, लातेहार, चंदवा, बालूमाथ, हेरहंज और पांकी में मंईयां सम्मान यात्रा जारी रहेगी. -शेष पेज 11 पर

'ऑस्कर' में जाएगी 'लापता लेडीज'

नयी दिल्ली। किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म ''लापता लेडीज'' इस साल ऑस्कर पुरस्कारों में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी. फिल्म फेडरनेशन ऑफ इंडिया ने फिल्म को भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में ऑस्कर में भेजा है. किरण राव ने यह इच्छा जताई थी कि उनकी फिल्म को ऑस्कर में भेजा जाए. किरण राव ने कहा कि उनकी यह तमन्ना है कि फिल्म लापता लेडीज ऑस्कर की रेस में शामिल हो. और अब फिल्म फेडरेशन ने फिल्म को ऑस्कर में आधिकारिक एंट्री के रूप में भेजे जाने की पुष्टि कर दी है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	70,500
चांदी (किलो)	91,000

ब्रीफ खबरें

विस नियुक्ति घोटाले की जांच सीबीआई करेगी

रांची। झारखंड विधानसभा नियुक्ति गड़बड़ी मामले में दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने सोमवार को फैसला सुना दिया है. कोर्ट ने इस केस को सीबीआई को देने का आदेश दिया है. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यह सीबीआई को देने को लेकर उचित केस है. पूर्व में कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनवाई पूरी होने के बाद मामलों में सुरक्षित रखा था. - पूरी खबर पेज 2 पर देखें

बिहार के सभी लोग आयुष्मान से जुड़ेंगे

पटना। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने बिहार में सभी राशन कार्ड धारकों को आयुष्मान योजना से जोड़ने का ऐलान किया है. अब बिहार के लाखों राशन कार्ड धारक आयुष्मान योजना के तहत लाभ ले पाएंगे. साल 2018 में केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना शुरू की थी. इस योजना को इस महीने 6 साल पूरे हो चुके हैं. इसी के मौके पर पटना में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने योजना का शुभारंभ किया. उन्होंने योजना का आगाज करते हुए बताया कि बिहार में 58 लाख राशन कार्ड धारकों को आयुष्मान योजना के तहत जोड़ा जाएगा.

सरकार-आपके द्वार : खूंटी में गरजे सीएम हेमंत, कहा

ये लड़ाई व्यापारियों और गरीब आदिवासी के बीच

विशेष संवाददाता। रांची/खूंटी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड अंतर्गत एनएचपीसी मैदान में सोमवार को आयोजित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल हुए. सीएम ने खूंटी एवं सिमडेगा जिलों को लगभग 734 करोड़ 55 लाख रुपए की योजनाओं की सौगात दी. विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास एवं लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का किया वितरण. इस मौके पर उन्होंने भाजपा पर जम कर प्रहार किया और बड़ी घोषणाएं की.

उन्होंने कहा कि जिस दिन केंद्र से हमारा बकाया एक लाख 36 हजार करोड़ रूपए मिल गए, उसी दिन से मंईयां सम्मान योजना की राशि एक हजार से बढ़ा कर दो हजार रुपए कर देंगे. मैंने फिर केंद्र सरकार को पत्र लिखा है. हो सकता है कि यह पैसा लेने के लिए हमें लंबी लड़ाई भी लड़नी पड़ी. भाजपा वाले लोग बोलते हैं कि हम मंईयां सम्मान योजना वोट लेने के लिए लाए हैं. बेईमानों तुमने कभी गरीबों को कुछ दिया नहीं, और आज हम दे रहे हैं तो तकलीफ हो रही है. आज भी हमारे गांव के लोग छोटी-छोटी जरूरत के लिए कर्जा लेते हैं. लेकिन हम आपको यकीन दिलाते हैं कि आने वाले पांच साल में हम आपको इतना मजूबत कर देंगे कि आपको किसी के आगे हाथ फैलाने की जरूरत नहीं होगी. इसके अलावे पूर्व में घोषित अगली सरकार बनने पर सालाना एक लाख का वादा भी पूरा करेंगे.

उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि आदिवासी सीएम को हटाने के लिए एक दर्जन सीएम लगे हुए हैं. मुझे जेल में डाल दिया था ये लोग पांच महीने के लिए. मगर आप जैसी मां बहनों का आशीर्वाद जिसके ऊपर रहे, उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता. पूरे राज्य में बड़ा-बड़ा नेता आ रहा. हिंदू-मस्लिम, दलित -पिछड़ा, आदिवासी-सरना की लड़ाई लगवाने में ये लोग माहिर हो गया है. लेकिन हमारी एकता ही हमारी ताकत है. हमलोग बिरसा मुंडा के पद चिन्हों पर चलने वाले हैं. हम न कभी किसी से डरे हैं न किसी के सामने झुके हैं, न झुकेंगे. आप लोग हौंसला बुलंद रखिए. आपलोग मजबूती से खड़े रहिए. एक मुख्यमंत्री को हटाने के लिए एक दर्जन से अधिक मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री तक लगे हुए हैं. देखते हैं इन पूंजीपतियों के पास ज्यादा ताकत है या गरीब आदिवासी मुख्यमंत्री के पास.

आपकी योजना को ये लोग कानूनी पचड़े में उलझाते हैं : उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग हमारे कामों से जलने लगे हैं. तरह-तरह के झूठे आरोप लगा कर हमारे साथ चोर-पुलिस खेलने लगे. कोर्ट कचहरी करते रहे. हम आपको हक अधिकार देने का काम करते थे और ये लोग वो अधिकार कैसे आप तक नहीं पहुंचे, इसके लिए काम करते थे. ये लोग तरह-तरह का पचड़ा लगा कर काम नहीं होने देना चाहते थे. हम नौकरी देते हैं, तो कोर्ट कचहरी चले जाते हैं. मंईयां योजना चला रहे हैं, तो इसके लिए भी कोर्ट चला गया है.

उलिहातू जाते हैं, मगर आदिवासी दिवस पर पीएम शुभकामना नहीं देते : हेमंत ने सीधे पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री उलीहातू जाते हैं. भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थी जाते हैं. फर्जी मिट्टी का टीका लगाते हैं. योजना की शुरुआत करते हैं. लेकिन आदिवासी दिवस पर प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति शुभकामनाएं नहीं देते हैं. सरना धर्म कोड को लेकर कितनी जद्दोजहद कर रहे हैं, लेकिन ये लोग दे नहीं रहे हैं.

खुशियों के पल: खूंटी के तोरपा में लाभुक महिलाओं ने सीएम को सौंपी उनकी तस्वीर.

सीएम ने की बड़ी घोषणाएं

1. जिस दिन केंद्र से हमारा बकाया आ गया, उसी दिन से मंईयां सम्मान राशि दो हजार रुपए कर देंगे
2. एक आदिवासी मुख्यमंत्री को हराने के लिए पीएम, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, कई मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री जुटे हुए हैं
3. खूंटी के तोरपा में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में सीएम ने खूंटी और सिमडेगा जिले के लिए 734 करोड़ की दी सौगात

तुम खरीदते थक जाओगे, हम बिकेंगे नहीं : ये लोग बोलते हैं कि संथाल, बिहार, बंगाल का अलग राज्य बना दो. ये व्यापारी लोग यहां आकर इस राज्य को बांटने का प्रयास कर रहे हैं. धन बल से इनको लगता है कि ये सब कर लेंगे. साग सब्जी तो खरीदते हैं, आदमी भी खरीद लेंगे, ऐसा सोचते हैं. आप सुनते होंगे कि कभी इस नेता को खरीद लिया, कभी उस नेता को खरीद लिया. लेकिन हम लोग स्वाभिमानी हैं, तुम कितनों को खरीदोगे. तुम्हारे खरीदते-खरीदते जिंदगी खत्म हो जाएगी लेकिन झारखंडी खत्म नहीं होंगे और बिकेंगे भी नहीं. ये व्यापारियों और गरीबों की लड़ाई है.

परिवर्तन रैली : खूंटी में जेपी नड्डा ने भरी हुंकार, कहा

मां-बेटी-रोटी व आदिवासी अस्मिता की रक्षा की यात्रा

ब्यूरो प्रमुख। खूंटी/रांची

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि झामुमो, कांग्रेस और राजद ने झारखंड के विकास में ग्रहण लगाने का काम किया. हेमंत सोरेन ने भी कांग्रेस से सीखने में कोई कसर नहीं छोड़ी. जेएमएम भी भ्रष्टाचारी पार्टी बन गई. उन्होंने परिवारवाद को बढ़ावा दिया. भाई-भतीजावाद को पनाह दी. युवाओं के साथ छल किया और अपने ही परिवार में जो पराये दिखे उन्हें दरकिनार किया. नड्डा ने कहा कि झारखंड को कांग्रेस, जेएमएम और आरजेडी से मुक्ति दिलाने का काम करना होगा. उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन यात्रा मां, बेटी-रोटी और आदिवासी अस्मिता की रक्षा की यात्रा है. ये यात्रा आदिवासी की जमीन को हड़पने से बचाने की यात्रा है. जेपी नड्डा सोमवार को खूंटी में आयोजित भाजपा की परिवर्तन रैली को संबोधित कर रहे थे.

इससे पहले जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को जीत दिलाने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि आप सभी के आशीर्वाद से नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के पीएम बने हैं. मैं लोकसभा चुनाव के दौरान भी झारखंड आया था और चुनावी सभाएं की थीं. उस समय भी हमें मालूम था कि इंडी अलायंस द्वारा किस तरह से झूठ फैलाया जा रहा है, लोगों को बरगलाया जा रहा है. मैं झारखंड की जनता को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने इंडी अलायंस की एक नहीं सुनी और यहां से भाजपा को जीत दिलाई.

कांग्रेस को बताया महाभ्रष्ट पार्टी : जेपी नड्डा ने कांग्रेस को सबसे महाभ्रष्ट पार्टी बताया और कहा कि कांग्रेस राष्ट्र विरोधी तत्वों व अलगाववादी तत्वों की पोषक है. उन्होंने प्रदेश-देश को भाई भतीजावाद, तुष्टीकरण की राजनीति, भ्रष्टाचार, परिवार वाद से ग्रसित किया. ये कहते थे कि हम हर परिवार को एक-एक लाख रुपए देंगे. क्या आपको मिल गया? इन्होंने अपने घोषणा पत्र में कहा था कि हम चूल्हा भत्ता देंगे. पीएम मोदी ने घर-घर में गैस सिलिंडर पहुंचा दिया लेकिन इनका चूल्हा भत्ता नहीं मिला.

क्या चंपाई सोरेन और सीता सोरेन आदिवासी नहीं हैं: जेपी नड्डा ने पूछा कि क्या चंपाई सोरेन आदिवासी नहीं थे, क्या सीता सोरेन आदिवासी नहीं हैं, उन्हें अपमानित क्यों किया गया? उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जो भगवान बिरसा मुंडा के गांव गये. उनके गांव की मिट्टी को नमन किया. एक आदिवासी बेटी को देश का राष्ट्रपति बनाया गया.

आदिवासियों की रक्षक सिर्फ भाजपा : जेपी नड्डा ने कहा कि आदिवासियों की रक्षा यदि कोई कर सकता है तो भाजपा ही कर सकती है. झारखंड राज्य गठन का काम अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में हुआ. उन्होंने केंद्र की योजनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि हमने अपने इस 100 दिन के कार्यकाल में तीन करोड़ मकानो की स्वीकृति दी है. 100 दिन के अंदर 70 साल से अधिक के बुजुर्गों के लिए पांच लाख तक इलाज की सुविधा मुफ्त की है. अब 25 हजार गांवो में सड़क बनाने का काम हो रहा है.

झारखंड में लगा भाजपा के बड़े नेताओं का जमावड़ा: भाजपा की परिवर्तन यात्रा में सोमवार को दिग्गज नेताओं का जमावड़ा लगा. सीएम हेमंत सोरेन को घेरने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा खूंटी आए. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बहरागोड़ा पहुंचे. पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर हुसैनाबाद और मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव बरकट्ठा पहुंचे.

श्रद्धासुमन: खूंटी में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद नड्डा और हिमंता.

बोले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

1. झामुमो, कांग्रेस और राजद ने मिलकर राज्य के विकास पर लगा दिया है ग्रहण
2. कैसी सरकार है, यहां रोहिंग्याओं को बसाया जा रहा है.
3. जैसे लोकसभा चुनाव में जीत दिलाई, वैसे ही विधानसभा चुनाव में भी समर्थन दें

झारखंड में आदिवासियों की संख्या घटी : जेपी नड्डा ने कहा कि आज झारखंड में आदिवासियों की संख्या 44 प्रतिशत से घट कर 28 प्रतिशत रह गई है. उन्होंने पूछा कि ये कैसी सरकार है और प्रदेश का प्रशासन किस प्रकार से काम कर रहा है? रोहिंग्याओं को यहां बसाया जा रहा है. लोग गलत तरीके से शादियां कर रहे हैं. आदिवासियों की जमीनों को हड़पा जा रहा है. ये सब काम सुनियोजित तरीके से हो रहा है और यहां की सरकार ये होने दे रही है. इससे पहले खूंटी पहुंचने के बाद नड्डा ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. उनके साथ असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मंत्री अर्जुन मुंडा समेत कई अन्य नेता भी मौजूद थे.

खच्चर खाते-मनी लांड्रिंग के बारूद पर बैठे हैं बैंक

अंशुमान तिवारी

खाता, खाता फरेब... क्या बैंक मनी लॉड्रिंग के बारूद पर बैठे हैं? बैंकों के भीतर बेचैनी खौल रही है. पता नहीं किस खाते को, किसी खाते को, कोई तीसरा इस्तेमाल कर रहा है? किसका खाता, खच्चर यानी म्यूल एकाउंट बन गया है, किसी को पता नहीं. खच्चर खातों के सैलाब के आगे केवाईसी और डिजिटल पहरेदारी सर पीट रही है.ये क्या तिलिस्म है

बायोकैश ने बीते दिसंबर में भारत में 350 मिलियन बैंक संचालनों को खंगाला था. पता चला कि 55 फीसदी संचालन वास्तविक खाताधारक नहीं, बल्कि कोई तीसरा (थर्ड पार्टी) कर रहा था. आरबीआई ने बीती जुलाई में म्यूल एकाउंट्स को लेकर खतरे का सायरन बजाया. बात आई गई हो गई, मगर, इन खच्चर खातों का पानी गले तक आ गया है. बैंकों के सतर्कता तंत्र की सांस अटकी है.

म्यूट एकाउंट्स की दोनों किस्में भारत में फल-फूल रही हैं. तमाम लोगों के खाते खच्चर बना लिये गए हैं, जो भुगतानों को इधर-उधर करने के लिए इस्तेमाल हो रहे हैं. न बैंकों को पता है न खाताधारकों को. दूसरी किस्म ऐसे खातों की है ही जिन्हें जरायम इस्तेमाल के लिए खोला जा रहे हैं.

भारत साइबर अपराधियों का अभयारण्य है, जो म्यूल अकाउंट के रास्ते बैंकों के सिस्टम में पैठ गए हैं. इन खच्चर खातों का इस्तेमाल भ्रष्टाचार का पैसा लेने, बेनामी निवेश करने, नकदी को घुमा कर सफेद करने के लिए हो रहा है. एनएसडीक्यू ग्लोबल फाइनांसियल क्राइम की 2023 की रिपोर्ट ने बताया था कि दुनिया में इन खच्चर खातों के जरिए 3.1 ट्रिलियन डॉलर की मनी लॉड्रिंग हुई. 47 प्रतिशत वित्तीय अपराधों में इन्हीं खातों का इस्तेमाल हुआ.

फ्रॉड प्रिवेंशन प्लेटफार्म ब्यूरो ने बैंकों में करीब तीन लाख म्यूल अकाउंट पकडे. एजेंसी बता रही है कि केवल 10 फीसदी खच्चर खाते अभी रिपोर्ट हुए हैं. नए खातों के 50 फीसदी आवेदन म्यूल होने का खतरा है. बैंक खाते चुटकियों में खुलते हैं. खाते खोल कर बैंक बेफिक्र हो लेते हैं. बहुतेरे लोग यह माने बैठे हैं कि केवाईसी और डिजिटल संचालनों के कारण सब धतकरम बंद हो गए हैं. मगर आरबीआई को खुद लंबे समय के बाद यह अहसास हुआ कि उसके केवाइसी नियमों और डिजिटल किले में छेद नहीं बल्कि सुरंगे बन गईं हैं, जिनसे मनी लॉड्रिंग के कारवां गुजर रहे हैं.

खच्चर खाते पकड़ने के लिए आरबीआई ने कवायद (एआई) शुरू की है. नतीजे अभी दूर हैं. सतर्क रहिए, कहीं आपका खाता खच्चर न बन जाए !

उससे कहो खुलूस से लूटा करे मुझे
मेरी फरेब खाने की आदत नहीं गई – मुबारक सिद्दीकी...

नोटः लेखक वरिष्ठ पत्रकार और आर्थिक मामलों के जानकार हैं. यह लेख उनके सोशल मीडिया एकाउंट एक्स से लिया गया है.

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री अपने पास रखा, तो जाएंगे जेल

- चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखना और डाउनलोड करना दोनों अपराध

एजेंसियां। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़ी सामग्री डाउनलोड करना और उसे अपने पास रखना दोनों अपराध है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर कोई व्यक्ति इस तरह की सामग्री को मिटाता नहीं है या पुलिस को इसके बारे में सूचना नहीं देता, तो पॉक्सो एक्ट की धारा 15 इसे अपराध करार देती है.

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इस बारे में मद्रास हाईकोर्ट का फैसला पलट दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानूनन ऐसी सामग्री को रखना भी अपराध है. हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज केस यह कहते हुए निरस्त कर दिया था कि उसने चाइल्ड पोर्नोग्राफी सिर्फ डाउनलोड किया और अपने पास रखा. उसने इसे किसी और को नहीं भेजा.

पॉक्सो एक्ट में बदलाव की दी सलाह : सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को सलाह दी है कि वह पॉक्सो एक्ट में बदलाव कर चाइल्ड पोर्नोग्राफी शब्द की जगह चाइल्ड सेक्सुअली अब्यूसिव एंड एक्सप्लोसिव मटेरियल लिखे. चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के सदस्य जस्टिस जेबी पारदीवाला ने 200 पन्ने का फैसला लिखा है. कहा कि जब तक पॉक्सो एक्ट में बदलाव को संसद की मंजूरी नहीं मिलती है, तब तक के लिए एक अध्यादेश लाया जाए. कोर्ट ने देश भर की अदालतों को भी सलाह दी है कि वह अपने आदेशों में सीएसएईएम ही लिखें.

पॉक्सो एक्ट की उपधारा 1 अपने आप में पर्याप्त : पॉक्सो एक्ट की धारा 15 की उपधारा 1 बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री रखने को अपराध करार देती है. इसके लिए 5 हज़ार रुपए के जुर्माने से लेकर 3 साल तक की सज़ा का प्रावधान है. धारा 15 की उपधारा 2 में ऐसी सामग्री के प्रसारण और उपधारा 3 में व्यापारिक इस्तेमाल को अपराध कहा गया है. मद्रास हाई कोर्ट ने उपधारा 2 और 3 को आधार बनाते हुए आरोपी को राहत दी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि उपधारा 1 अपने आप में पर्याप्त है.

-शेष पेज 11 पर

किसी ने वॉट्सऐप पर भेजा तो क्या फंसेंगे

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ये जरूरी नहीं कि आपके फोन में अगर चाइल्ड पोर्न है, तो आप अपराधी हो जाएंगे. लेकिन यदि आपको कोई चाइल्ड पोर्न फॉर्वर्ड करता है और आप उसे डाउनलोड कर लेते हैं या फिर देखते हैं, तो आप अपराध की श्रेणी में आ जाएंगे. अदालत ने साफ किया कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और उसे देखना पॉस्को एक्ट के तहत अपराध की श्रेणी में रखा गया है.

ब्रीफ खबरें

कनहर प्रोजेक्ट के लिए बजट मिला या नहीं ?

रांची। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि प्रस्तावित कनहर बराज प्रोजेक्ट के लिए बजट आवंटित किया गया है या नहीं. कोर्ट ने मौखिक कहा की पलामू एवं गढ़वा सूखाग्रस्त इलाके हैं. कनहर प्रोजेक्ट को जल्द पूरा करें, ताकि किसानों के खेतों को पानी मिल सके. सोमवार को सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता सचिन कुमार ने शपथ पत्र दायर कर कोर्ट को बताया कि कनहर बराज प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण में 18 माह का समय लगेगा. बराज निर्माण पूरा होने में पांच साल का समय लगेगा. कोर्ट ने राज्य सरकार से जानना चाहा कि कनहर बराज के लिए 18 माह की जमीन अधिग्रहण एवं पांच साल का निर्माण पूरा होने की अवधि कब से मानी जाएगी.

भाजपा सुखदेवनगर मंडल की बैठक हुई

रांची । भाजपा सुखदेवनगर मंडल दक्षिणी भाग के अन्तर्गत आगामी 1 अक्टूबर को होने वाली परिवर्तन यात्रा की समापन सभा को सफल बनाने हेतु भाजपा रांची महानगर सुखदेव नगर मंडल (दक्षिणी) की कामकाजी बैठक मंडल के सम्मानित अध्यक्ष अशोक मिश्रा की अध्यक्षता में रांची महानगर कार्यालय स्वर्गीय गामा सिंह स्मृति सभागार में संपन्न हुई. बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए विधायक सीपी सिंह, भाजपा रांची महानगर के अध्यक्ष वरुण साहू, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजय कुमार जयसवाल, महानगर के महामंत्री एवं मण्डल के प्रभारी बलराम सिंह, महानगर के उपाध्यक्ष राजू सिंह, विनय सिंह, भीम प्रभाकर आदि उपस्थित रहे.

अरुण झारखंड जदयू के सह प्रभारी बने

रांची। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने तत्काल प्रभाव से अरुण कुमार को झारखंड प्रदेश जदयू का सह प्रभारी नियुक्त किया है. पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने सोमवार को बताया कि इस संबंध में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आफताब अहमद ख़ान ने अधिसूचना जारी कर दी है. अरुण कुमार पूर्व में भी झारखंड के सह प्रभारी रहे हैं. फिर से उनको सह प्रभारी बनाये जाने पर प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो, विधायक सरयू राय, पूर्व मंत्री सुधा चौधरी, पूर्व विधायक कामेश्वर दास, जदयू नेता आफताब जमिल, श्रवण कुमार, भगवान सिंह, मधुकर सिंह, सागर कुमार, रेणु गोपीनाथ, उपेंद्र सिंह, अशोक शर्मा एवं अन्य ने उन्हें बधाई दी.

कांग्रेस के चुनाव पर्यवेक्षक विकास उपाध्याय ने की मंत्रणा

हटिया से अजयनाथ शाहदेव टिकट के प्रबल दावेदार

- रांची से राजेश गुप्ता छोटू, कुमार राजा, रोहित सिन्हा आदि नेताओं ने दावा प्रस्तुत किया

संवाददाता। रांची

कांग्रेस के चुनाव पर्यवेक्षक विकास उपाध्याय के साथ पार्टी के नेता.

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी तैयारी जोर कर दी है. चुनाव को मजबूती से लड़ने के लिए कांग्रेस हर स्तर पर कार्य कर रही है. विधानसभा के लिए संभावित मजबूत उम्मीदवार के चयन के लिए बतौर रांची लोकसभा चुनाव पर्यवेक्षक, छत्तीसगढ़ के पूर्व संसदीय सचिव एवं पूर्व विधायक (रायपुर) विकास उपाध्याय ने कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चुनावी तैयारी पर मंत्रणा की. उन्होंने चुनाव को मजबूती से लड़ने के लिए कार्यकर्ताओं को कई तरह के टिप्स दिए. उपाध्याय ने कांग्रेस जनों से क्षेत्र और पार्टी की स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की.

उन्होंने कांग्रेस जनों को निर्देश दिया कि जिस क्षेत्र में पार्टी की स्थिति कमजोर है, वहां सभी नेता कार्यकर्ता एक जुटता से जोर लगाएं. उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता आम लोगों से मिले और उन्हें राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताएं. पिछले 5 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धि के बारे में जनता को अवगत कराएं, इसका लाभ हमें चुनाव में अवश्य मिलेगा. हटिया सीट से कांग्रेस नेता अजयनाथ शाहदेव प्रबल दावेदार बन कर उभरे हैं.

युवा कांग्रेस नेता रोहित सिन्हा ने भी रांची विधानसभा के लिए अपना दावा पर्यवेक्षक उपाध्याय के समक्ष प्रस्तुत किया एवं कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र मे किया जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा राजेश गुप्ता छोटू, कुमार राजा, उज्जवल प्रकाश तिवारी, राजेश सिन्हा सनी, राजीव रंजन प्रसाद,आदित्य विक्रम जायसवाल सहित कई लोगों ने टिकट के लिए अपना दावा प्रस्तुत किया. रांची लोकसभा के सभी विधानसभा सीट को लेकर चुनाव पर्यवेक्षक विकास उपाध्याय से दावेदारों की मुलाकात का दौर जारी है. सीटिंग विधायकों की सीट पर भी कई दावेदार, स्क्रीनिंग कमेटी के पास इन सीटों के दावेदार.

हटिया : अजय नाथ शाहदेव, प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव, लाल किशोर नाथ शाहदेव , अमरेन्द्र सिंह, आलोक दुबे, एनुल हक

कांके : सुरेश बैठा, कुलदीप कुमार रवि,निरंजन पासवान, इंदिरा देवी,मनीष, प्रेम पासवान, चंदन बैठा.

खिजरी : विधायक राजेश कच्छप, सुंदरी तिर्की, विपिन टोप्पो, अमूल्य नौरज खलखो, बेलस तिर्की.

कर्मचारियों ने बैंक प्रबंधक के खिलाफ हल्ला बोला

संवाददाता। रांची

कचहरी रोड स्थित जिला परिषद भवन के प्रधान कार्यालय परिसर में झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक कर्मचारी संघ और झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक एंप्लाइज एसोसिएशन के संयुक्त मोर्चा ने दो सूत्री मांग को लेकर सोमवार को एक दिवसीय धरना दिया. कर्मचारियों ने बैंक प्रबंधक हाय-हाय. तेरी मनमर्जी नही चलेगी जैसे नारे लगा रहे थे. प्रदर्शन में राज्य के लगभग 200 कर्मचारी शामिल हुए. झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक कर्मचारी संघ के महासचिव नितेश कुमार मिश्रा ने सम्बोधित किया. कहा कि बैंक प्रबंधन को मांग पूरी करनी होगी. छह दिन के अंदर मांग को पूरा करना होगा. नही तो 30 सितंबर से 1 अक्टूबर 2024 तक हड़ताल पर चले जाएंगे. मौके पर झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉक्टर कौशिक मलिक, झारखंड राज्य एम्पलाइज एसोसिएशन के महासचिव नवल किशोर वर्मा आदि उपस्थित थे.

झामुमो ने की दक्षिणी व उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के पदाधिकारियों संग बैठक

मंईयां सम्मान यात्रा को सफल बनाने में जुट जाएं कार्यकर्ता : विनोद पांडेय

विशेष संवाददाता। रांची

बैठक को संबोधित करते झामुमो महासचिव विनोद पांडेय.

सोमवार को झामुमो की प्रमंडल स्तरीय बैठक रांची के हरमू स्थित सोहराय भवन मे संपन्न हुई. जिसमें दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल से रांची, गुमला, लोहरदगा और उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल से गिरिडीह, हजारीबाग, रामगढ़ जिला से झामुमो के केंद्रीय के पदाधिकारी एवं सदस्य, जिला समिती के पदाधिकारी, नगर / महानगर समिती के पदाधिकारी, वर्ग संगठनों के जिला समिति के पदाधिकारी और प्रखंड के अध्यक्ष एवं सचिव शामिल हुये. बैठक के आरंभ होने के पूर्व स्व विनोद बिहारी महतो जी के जयंती के अवसर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया.

बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि राज्य सरकार ने मंईयां सम्मान यात्रा आरंभ किया है. झामुमो के एक-एक कार्यकर्ता इस यात्रा को सफल बनाने में जी-जान जुट जाये. मंत्री बेबी देवी नेतृत्व कर रही हैं. सोमवार से पलामू प्रमंडल से आरंभ हुआ है. कोल्हान प्रमंडल में यह समाप्त होगा. महिला विधायक कल्पना सोरेन व अन्य शामिल हो रहे हैं. भाजपा के नेता गिद्ध दृष्टि डाले हुए हैं. उनके हर कदम का करारा जवाब देना है. भाजपा की मंशा इस राज्य में सफल नहीं होगी. कार्यकर्ता उसे विफल बनायेंगे. पांडेय ने कहा कि झामुमो कार्यकर्ताओं की पार्टी है, किसी के जाने से यहां कोई फर्क नहीं पड़ता. संगठन में धार देना है.पांडेय ने कहा कि चुनाव में महिलाओं की बड़ी भागीदारी होगी. 51 लाख से अधिक महिलाओं को योजना का लाभ मिल रहा है. पांडेय ने कहा कि यह यात्रा किसी को जवाब देने के लिए नहीं है. समय आने पर जनता भाजपा को जवाब दे देगी. हम काम के बदौलत लोगों के बीच जा रहे हैं. भाजपा के लोग जिस तरह का माहौल बनाने का प्रयास प्रदेश में हो रहा है. झारखंड के चुनाव में बांग्लादेश की इंट्री हो गयी है. भाजपा विदेश के सहारे चुनाव जीतना चाहती है.

खास बातें
- कहा-झारखंड चुनाव में बंग्लादेश की इंट्री हो गयी
- बैठक से पूर्व स्व. विनोद बिहारी को श्रद्धांजलि दी गई

बैठक मे कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी के आगामी कार्यक्रमों के लिए सुझाव लिए गए एवं संगठन की मजबूती के लिए विस्तार से चर्चा हुई. साथ ही राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने मे कार्यकर्ताओं की भूमिका को लेकर दिशा निर्देश दिया गये.

बैठक में पार्टी के पार्टी के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य, राज्य सभा सांसद डॉ. महुआ माजी, केंद्रीय सचिव संजीव बेदिया, नंद किशोर मेहता, प्रो.अशोक कुमार सिंह, मनोज कुमार पांडेय, विधायक भूषण तिर्की, जीग्गा सुशरण होरो, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. कमल नयन सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ता शामिल हुए.

गौतम अडानी सबसे बड़े घुसपैठिए,बेचने लगे बांग्लादेश को बिजली : सुप्रियो

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने कहा कि झारखंड में सबसे बड़े घुसैपठिए तो आपके मित्र गौतम अडानी हैं, जिन्होंने हमारी जमीन से कोयला निकाला, हमारे पानी का इस्तेमाल किया और हमसे मजदूरी कराई, सीधे बांग्लादेश घुस गए और हमारे संसाधनों से उत्पादित बिजली बांग्लोदश को बेचने लगे. उक्त बातें पार्टी केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने यहां सोमवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में कही.

खूंटी में भाजपा की हार दोहराने आए थे नड्डा : उन्होंने कहा कि आप आदिवासी हितों की बात करते हैं, लेकिन आपके सीएम ने सीएनटी एक्ट को बदलने का काम और प्रयास किया. झारखंड में आज बीजेपी के ऐसे नेता का आगमन हुआ है, जो कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी अध्यक्ष के पद पर बने हुए हैं. खूंटी में उन्होंने परिवर्तन यात्रा की शुरुआत करते हुए कहा कि वे लोकसभा के चुनाव में भी यहां आये थे. वे खूंटी संसदीय क्षेत्र में आये थे. नड्डा जी ने बीजेपी के लिए ऐसा गड्ढा खोदा वहां पर कि खूंटी में अर्जुन मुंडा को यहां की जनता ने उसी गड्ढे में वोटो के बड़े अंतर से डाल दिया. इसी काम और इतिहास को फिर से दोहराने के लिए वे आज खूंटी आये थे.

आपके पार्टी में प्रदेश अध्यक्ष समेत कई हैं घुसपैठिए : सुप्रियो ने कहा कि नड्डा ने आदिवासी अस्मिता की बात की. उन्होंने नड्डा से सवाल करते हुए कहा, आप जिस पार्टी से संबंध रखते हैं, उसी पार्टी की झारखंड में पहली सरकार बनी.आपकी पार्टी में दूसरे दल के घुसपैठिए आज प्रदेश अध्यक्ष हैं. वे ही राज्य के पहले सीएम बने. इसके बाद अर्जुन मुंडा भी सीएम बने. उसके बाद सबसे प्रख्यात सीएम रहे, मधु कोड़ा.वो भी आज आपके दल में ही हैं. इसी तरह बीजेपी के रघुवर दास का भी यहां पांच साल का कार्यकाल रहा.

आदिवासी दिवस को याद करने में 22 साल क्यों लगे

सुप्रियो ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस को याद करने में को 22 साल क्यों लग गये. ऐसा तब है जब विश्व आदिवासी दिवस को राष्ट्र संघ मान्यता प्रदान कर चुका है. क्यों हेमंत सोरेन को आदिवासी दिवस मनाने की शुरुआत 2023 से करनी पड़ी. इससे पहले तो भाजपा की ही सरकार लंबे समय तक रही. लेकिन आज भाजपा के नेता आदिवासी अस्मिता की बात कर रहे हैं.

जन समस्याओं को दूर करने का प्रयास करूंगा : सांसद

संवाददाता। रांची/खूंटी

खूंटी प्रखंड की डाडीगुटू पंचायत के दुली खेल मैदान में सोमवार को आदिवासी कांग्रेस का गांव की ओर एक कदम सह सहायता शिविर का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि जीत के बाद मैं आपके पास अपनों का प्यार पाने को उत्सुक होकर आने को मजबूर हो गया. उन्होंने स्वागत के लिए ग्रामीणों को धन्यवाद दिया और आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो को जिम्मेदारी दी गई कि जितने समस्याओं से संबंधित आवेदन हैं, वे ग्रामीणों से लेकर सांसद के आवासीय कार्यालय में जमा करें. मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के कारण उन्होंने अधिक समय ग्रामीणों को नहीं दे पाने पर खेद व्यक्त किया और वादा किया कि अगली बार वे गांव-गांव जाकर अपनों से मुलाकात करेंगे.

लोकतंत्र बचाओ अभियान का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से मिला

झारखंड को नहीं चाहिए भाजपा राज

संवाददाता। रांची

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से मिलते लोकतंत्र बचाओ अभियान के सदस्य.

लोकतंत्र बचाओ अभियान का प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को कांग्रेस के राज्य अध्यक्ष केशव कमलेश महतो, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की समेत अन्य पदाधिकारियों से मिल कर विधानसभा चुनाव पर चर्चा की. इस दौरान प्रतिनिधिमंडल के लोगों ने कहा कि मोदी सरकार, आरएसएस व भाजपा झारखंड, लोकतंत्र, संविधान और मेहनतकश वर्ग के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं. डबल बुल्डोज़र भाजपा राज झारखंड के आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए घातक है. भाजपा आई, तो जल, जंगल औऱ ज़मीन की खुली लूट बढ़ जाएगी. .इसे रोकने के लिए झामुमो, कांग्रेस, राजद व वाम दलों को साथ देना होगा. इसके लिए प्रत्याशी को जल, जंगल, ज़मीन, अस्तित्व की लड़ाई में आदिवासी-मूलवासियों के साथ खड़ा होगा. गैर-आरक्षित सीटों पर बहुसंख्यक दलित, आदिवासी व पिछड़े समुदायों से प्रत्याशी चुनना होगा. अभियान ने ज़मीनी अनुभव को साझा किया. भाजपा इस बार सांप्रदायिक और विभाजनकारी एजेंडे के साथ चुनाव के पहले धर्मिक ध्रुवीकरण कर रही है.

विधानसभा चुनाव से पहले मांगें पूरी की जाएं
- लैंड बैंक रद्द करें.
- भूमि अधिग्रहण कानून (झारखंड) संशोधन, 2017 रद्द करें.
- लंबित व्यक्तिगत और सामुदायिक वन पट्टों का वितरण करें.
- ईचा-खरकाई डैम, लुगु बुरु पॉवर प्लांट समेत सभी जन विरोधी परियोजनाओं को रद्द करें.
- पेसा नियमावली को अधिसूचित कर कड़ाई से लागू करें.
- दलितों को जाति प्रमाण पत्र व भूमि पट्टा का आवंटन करें.
- आंगनबाड़ी व मध्याह्न भोजन में रोज़ अंडे दें.
- लम्बे समय से जेल में बंद विचाराधीन कैदियों को रिहा करें.

इंडिया ब्लॉक की मजबूती से भाजपा भयभीत: राजद

रांची। राजद के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने कहा कि इंडिया गठबंधन की एकता और मजबूती से भाजपा नेता भयभीत है. भाजपा नेताओं को झारखंड में हार का डर सता रहा है. भाजपा को अपने किए गए कार्यों पर इतना ही भरोसा और विश्वास है तो झारखंड में भाजपा के राष्ट्रीय नेता रात दिन पसीना क्यों बहा रहे है सिर्फ इसलिए कि झारखंड में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के जरिये कई उल्लेखनीय कार्यों से भाजपा नेताओं की नींद उड़ गई है. इससे भाजपा को अपने झारखंड के नेताओं पर भी विश्वास और भरोसा नहीं रहा है. इसलिए प्रधानमंत्री,गृह मंत्री, रक्षा मंत्री सहित कई केंद्रीय नेता झारखंड भ्रमण पर है. उन्होंने सोमवार को कहा कि तमाम सरीखे नेता केंद्र सरकार के जरिये किए गए कार्यों को नहीं बता कर सिर्फ और सिर्फ झारखंड सरकार एवं मुख्यमंत्री पर झूठा आरोप प्रत्यारोप लगाने का काम कर रहे हैं. देश के लिए और राज्य के लिए भाजपा सरकार जरिये क्या किया गया, आम जनता के लिए इनका विजन क्या है ये बताना चाहिए.

प्रोजेक्ट भवन का घेराव कर रहे कर्मियों को ग्रामीण विकास मंत्री डॉ अंसारी ने किया संबोधित

आउटसोर्स को हटाना सरकार की प्राथमिकता

संवाददाता। रांची

प्रोजेक्ट भवन का घेराव करने जाते ऊर्जा विकास श्रमिक संघ सदस्य.

पूरे राज्य को दीमक की तरह आउटसोर्स खा रही है .जिसे हटाना सरकार के प्राथमिकता है और ऐसे में ऊर्जा विकास श्रमिक संघ को हम आश्वस्त करते हैं. इसे मुख्यमंत्री से मिलकर हटायेंगे. राजकीय ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी सोमवार को झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ की ओर से प्रोजेक्ट भवन का घेराव कर रहे कर्मियों को संबोधित करते हुए कहीं. डॉ अंसारी मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के तौर पर श्रमिक संघ के धरना स्थल पर आकर उक्त आश्वासन दिए . वहीं उन्होंने कहा कि जो वर्तमान में विद्युत कर्मियों का मानदेय है. उसमें भी बढ़ोतरी को लेकर वह मुख्यमंत्री से बात करेंगे, साथ ही उन्होंने श्रमिक संघ के सभी मांगों को जांच बताते हुए कहा कि झारखंड की माटी में रहने वाले नौजवानों को उनका हक दिलाना सरकार की प्राथमिकता है.

इससे पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के बैनर तले हजारों विद्युतकर्मी संघ के अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में प्रोजेक्ट भवन घेराव करने के लिए धुर्वा सेक्टर 3 गोलचक्कर मैदान पहुंचे थे. घेराव कार्यक्रम को मौजूद पुलिस कर्मियों ने बलपूर्वक रोक कर रखा था.इस दौरान पुलिस कर्मियों के साथ कर्मियों की धक्का मुक्की भी हुई . मौके पर डीएसपी प्रमोद मिश्रा ने मामले को संभाला. श्रमिक संघ के सदस्यों ने गोल चक्कर मैदान प्रोजेक्ट भवन रास्ते में ही धरने पर बैठ गए और नारेबाजी शुरू कर दी. जिससे उसे रास्ते से आवागमन पूरी तरह बाधित रहा.

इस अवसर पर अजय राय ने बताया कि मंत्री डॉ इरफान अंसारी के आश्वासन के बाद धरना समाप्त किया गया. इस कमिटमेंट के साथ अगर समय रहते इस पर कार्रवाई नहीं होती है तो श्रमिक संघ आंदोलन के लिए स्वतंत्र होगा . जो भी कदम उठाना होगा उठाया जाएगा.

अमित शुक्ला , मुकेश साहू ने धीरेन्द्र पंडेय ,मोनू कुमार,अरुण गुप्ता ,बालो साव ,मंटू ठाकुर सतीश विश्वकर्मा ,तैयब अंसारी ,प्रिंस तिवारी ,सुनील सिंह ,रामलाल राम ,सरवन दास ,मनीष शर्मा ,पीकू दुबे ,बीरेंद्र यादव ,गुप्तानाथ यादव,अनिकेत सिंह ,विजय सिंह,शिवनारायण साहू, सूर्य देव सिंह, राजेंद्र राम, आयुष कुमार सिंह, अविनाश पूरी, आशीष पासवान ,समीर, दीपक, अकरम हुसैन, राधेश्याम सिंह, सुशील सोरेन, कुलदीप मिंज, सरवन प्रसाद, नवीन तिर्की, विल्सन मिंज, अत्यंत कुजूर, लोकनाथ अहीर, जॉनसन मिंज, दिनेश टोप्पो, सहित हजारों विद्युत कर्मी शामिल हुए.

खास बातें
- मंत्री के आश्वासन के बाद धरना समाप्त किया गया
- कहा-मानदेय में बढ़ोतरी को लेकर सीएम से बात करेंगे

मौसम — इस साल पांच जिलों को छोड़ पूरे झारखंड में झमाझम बरसे बदरा

धनबाद में सबसे अधिक और पाकुड़ में 51% कम बारिश

शुभम किशोर। रांची

झारखंड में तीन साल के बाद सामान्य बारिश हुई है. मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार 23 सितंबर तक झारखंड में 939.3 मिली मीटर बारिश हुई, जो सामान्य से 4 प्रतिशत कम है. पिछले दिनों साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण झारखंड के लगभग सभी जिलों में अच्छी बारिश हुई. हालांकि पांच जिलों में सामान्य से कम बारिश का आंकड़ा -20 से अधिक है. आंकड़ों के अनुसार पाकुड़ में सबसे कम बारिश हई है. 23 सितंबर तक पाकुड़ में 51 प्रतिशत कम बारिश हुई है. अब तक पाकुड़ में 552.4 मिमी बारिश हुई है, जबकि सामान्य बारिश 1134.4 मिमी है. वहीं देवघर, चतरा, साहिबगंज में भी सामान्य से कम बारिश हुई है.

धनबाद में सबसे अधिक बारिश : वर्ष 2024 में धनबाद जिला में जमकर बारिश हुई. 23 सितंबर तक धनबाद में 30 प्रतिशत अधिक बारिश हुई. अब तक धनबाद में 1322.4 मिमी बारिश हुई है, जबकि वहां 1016 मिमी सामान्य बारिश है. वहीं राजधानी रांची में सामान्य से 16 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है. अब तक रांची में 1155.4 मिमी बारिश हुई है. आने वाले दिनों में 28 सितंबर तक झारखंड में बारिश के आसार हैं.

राज्य के कुछ हिस्सों में 25 से भारी बारिश की संभावना

राज्य के लोगों को एक बार फिर उमस भरी गर्मी से राहत मिलने वाली है. राज्य में फिर मौसम बदलने वाला है और 25 सितंबर से फिर भारी बारिश होगी. इसका असर राज्य के कई जिलों में देखने को मिलेगा. इस बीच कुछ जगहों पर गर्जन और वज्रपात होगा. मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद कने अनुसार 25 सितंबर से भारी बारिश होने की संभावना है. 27 सितंबर तक कहीं-कहीं हल्की व मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है. इसका असर राज्य के कई जिलों में देखने को मिलेगा. इस बीच कुछ जगहों पर मेघगर्जन के साथ वज्रपात होने की भी संभावना जताई गई है. उन्होंने बताया कि राज्य में अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है. इसके बाद अगले दो दिनों में इसमें दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है. 26 सितंबर तक राज्य में कहीं कहीं मेघगर्जन और वज्रपात होने की आशंका है. राज्य के उत्तर-पूर्वी हिस्सों के अलावा अन्य जिलों में भी मौसम के इस बदलाव का असर देखने को मिलेगा. रांची समेत राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम दर्जे की वर्षा संभावित है. इस दौरान तापमान में कोई खास बदलाव की उम्मीद नहीं है. हालांकि, बारिश की वजह से मौसम थोड़ा ठंडा हो सकता है. इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है. साथ ही आमजनों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई है. राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्से यानी देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद और साहिबगंज में 25 और 26 सितंबर को कहीं कहीं भारी वर्षा हो सकती है जबकि इससे सटे अन्य जिलों में रुक रुक कर वर्षा होने की संभावना है.

आंगनबाड़ी सेविकाओं व सहियाओं का जुटान

संवाददाता। रांची

मोरहाबादी मैदान में जुटीं आंगनबाड़ी सेविकाएं और सहियाएं.

मोरहाबादी मैदान में सोमवार को राज्य भर की लगभग 10 हजार आंगनबाड़ी सेविका और सहियाएं एकजुट हुईं. यह रैली राजभवन के समक्ष होना था. आवश्यकता से ज्यादा भीड़ होने की वजह से रैली मोरहाबादी मैदान में ही किया गया. रैली में शामिल महिलाओं ने कहा कि केंद्र सरकार आंगनबाड़ी सहिया को 4500 देती है. जबकि राज्य सरकार 5 हजार रुपए भुगतान करती है. इसके लिए राज्य के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविकाएं छोटे बच्चों को एक साल से लेकर 6 साल तक के बच्चों को पढ़ाने और पोषाहार देने का काम करती हैं. रैली में शामिल कांके प्रखंड के खटंगा पंचायत के आंगन बाड़ी सहिया ने कहा कि राज्य में लगभग 50 हजार से अधिक सहिया और सहायिकाएं लगभग 60 हजार से अधिक हैं.

इनकी ये मांगें हैं
- आंगनबाड़ी सहिया का काम के दौरान मौत होती हैं, तो इसके स्थान पर परिवार वालों को अनुकंपा में रखा जाए.
- रिटायरमेंट के पेंशन भत्ता दिया जाए.
- सभी आंगनबाड़ी सहिया को सरकारी मान्यता दी जाए.
- सेविका सहायिकाओं को एक मुश्त रिटायरमेंट और पेंशन की व्यवस्था की जाए.
- वेतनमान और ग्रेड पे की घोषणा की जाए.
- सहायक अध्यापक के समान आंगनबाड़ी सेविका सहायिका को मानदेय/वेतनमान के साथ सभी सुविधाओं को स्वीकृति दी जाए.

तापमान
31.7° अधिकतम | 24.2° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, मंगलवार 24 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 07 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 166 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

स्टोन बोल्डर व स्टोन चिप्स पर पर राज्य सरकार के पक्ष में बड़ा फैसला

अलग-अलग रॉयल्टी चार्ज करने का सरकार को अधिकार : हाईकोर्ट

- अदालत ने राज्य सरकार के आदेश को सही ठहराया
- निर्णय को चुनौती देने वाली 120 याचिकाएं खारिज हुईं

विधि संवाददाता। रांची

खनन के बाद स्टोन बोल्डर एवं उसकी प्रकृति बदल कर स्टोन चिप्स बनाने पर दोनों की अलग-अलग रॉयल्टी लिए जाने के सरकार के आदेश को झारखंड हाईकोर्ट ने सही ठहराया है. सोमवार को इस मामले में फैसला सुनाते हुए अदालत ने इस निर्णय को चुनौती देने वाली 120 याचिकाएं खारिज कर दी. एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एके राय की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि खनन के बाद निकले खनिज की प्रकृति बदलने के बाद उसकी अलग-अलग रॉयल्टी चार्ज करने का अधिकार राज्य सरकार को है.

दरअसल, राज्य सरकार की ओर से स्टोन बोल्डर की रॉयल्टी 125 रुपये प्रति सीएफटी और स्टोन चिप्स के लिए रॉयल्टी 250 रुपये प्रति सीएफटी की दर निर्धारित की गई है. प्रार्थियों ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा था कि खनन के बाद निकले खनिज की प्रकृति या स्वरूप बदलने के बाद उसकी अलग-अलग रॉयल्टी निर्धारित करने का अधिकार राज्य सरकार को नहीं है. वहीं, राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया था कि स्टोन बोल्डर माइनर मिनरल है. माइनर मिनरल में राज्य सरकार का अधिकार असीमित है. संसद ही इसपर प्रतिबंध लगा सकती है. राज्य सरकार को एमएमडीआर एक्ट के तहत नियम बनाने का अधिकार है.

केंद्र ने स्टोन बोल्डर को माइनर एवं मिनरल घोषित किया है : राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि केंद्र सरकार ने स्टोन बोल्डर को माइनर एवं मिनरल नोटिफाई किया है. स्टोन बोल्डर को माइनर एवं मिनरल के रूप में केंद्र सरकार ने घोषित किया है. राज्य सरकार, खनन के बाद निकले खनिज को सब क्लासीफाइड कर अलग-अलग रॉयल्टी दर निर्धारित कर सकती है. वहीं प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि खनन के बाद जो खनिज निकलता है, राज्य सरकार उसपर रॉयल्टी चार्ज कर सकती है. लेकिन, खनन से निकले खनिज का स्वरूप या प्रवृत्ति बदलने के बाद उसकी अलग-अलग रॉयल्टी नहीं ली जा सकती है.

जगमग रोशनी से सजी उर्स की महफिल

हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार बाबा के पांच दिवसीय उर्स के अंतिम दिन मंगलवार की रात रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाता बाबा का दरगाह. **फोटो : रमीज**

ब्रीफ खबरें

शिक्षकों को ग्रेड सात में प्रोन्नति दें: हाईकोर्ट

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में प्राथमिक शिक्षकों को ग्रेड चार से ग्रेड सात में प्रोन्नति नहीं दिए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने कहा कि ग्रेड सात में प्रोन्नति वर्ष 1993 में बनी नियमावली के तहत होगी. इसके साथ ही सरकार को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द शिक्षकों को ग्रेड सात में प्रोन्नति दें. बता दें कि मामले में राकेश कुमार सिंह एवं अन्य की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है. अधिवक्ता सौरभ शेखर ने शिक्षकों का पक्ष रखा.

वाहन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

रांची/खूंटी। मुरहू पेट्रोल पंप के समीप रविवार रात अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल वृद्ध की देर रात सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई. मृतक की पहचान मुरहू के गोड़ाटोली निवासी मंगरा नायक (60) के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार रविवार शाम मंगरा नायक जब सड़क पार कर रहा था, उसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उसे चपेट में लिया और फरार हो गया. इस संबंध में मुरहू थानें में मामला दर्ज किया गया है. पुलिस फरार वाहन की तलाश में जुटी है. सोमवार को सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे स्वजनों को सौंप दिया गया.

रामप्यार भवन निर्माण के प्रभारी अभियंता बने

रांची। राज्य सरकार ने भवन निर्माण विभाग के 18 अभियंताओं का स्थानांतरण-पदस्थापन किया है. रामप्यार प्रसाद को प्रभारी अभियंता प्रमुख भवन निर्माण विभाग व देवाशीष लहरी को प्रभारी मुख्य अभियंता भवन निर्माण विभाग बनाया गया है. इस संबंध में भवन निर्माण विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

समीक्षा : मुख्य निर्वाचन आयुक्त की अगुवाई में चुनाव आयोग की मैराथन बैठक

सभी दल एक चरण में विस चुनाव कराने के पक्ष में, तारीख पर मदभेद

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा और राजनीतिक दलों के साथ विचार-विमर्श के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में भारत के निर्वाचन आयोग की 12 सदस्यीय टीम रांची में है. सोमवार सुबह दिल्ली से रांची पहुंची टीम में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह संधू, वरीय उप निर्वाचन आयुक्त धर्मेंद्र शर्मा, नितेश व्यास, मनीष गर्ग और उप निर्वाचन आयुक्त संजय कुमार शामिल थे.

सबसे पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त रांची के होटल रेडिशन ब्लू में राज्य के प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. इसमें छह राष्ट्रीय पार्टी भाजपा, कांग्रेस, सीपीआई (एम), आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और नेशनल पीपुल्स पार्टी के अलावा तीन क्षेत्रीय पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा, आजसू पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल के प्रतिनिधि शामिल रहे. प्रत्येक दल के प्रतिनिधि को अपनी बात रखने के लिए 12 मिनट का समय दिया गया था. सभी दलों ने चुनाव को लेकर अपनी-अपनी बातें रखीं.

इस दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने आगामी विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने तथा बेहतर मतदान प्रतिशत के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में सभी राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील की.

20 केंद्रीय व राज्य प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समीक्षा की : निर्वाचन आयोग की टीम ने दोपहर दो बजे के बाद करीब 20 केंद्रीय और राज्य प्रवर्तन एजेंसियों के साथ चुनाव तैयारियों की समीक्षा की. मौके पर सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमीश्नर धर्मेंद्र शर्मा, डिप्टी इलेक्शन कमीश्नर संजय कुमार, अशोक कुमार, पंकज श्रीवास्तव, अनुज चांडक, झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार मौजूद थे. इस दौरान मतदाता सूची, बूथों के निर्धारण, पोलिंग पार्टियों के गठन, आदर्श आचार संहिता के अनुपालन सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई.

एजेंसियों ने आयोग के समक्ष कार्ययोजना प्रस्तुत की : चुनाव आयोग की टीम ने चुनाव कार्य से जुड़ी प्रवर्तन एजेंसियों, यथा आयकर विभाग, उत्पाद विभाग, जीएसटी, रिजर्व बैंक, वन, परिवहन, नागरिक उड्डयन, नारकोटिक्स आदि के राज्य स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उनकी कार्य योजनाओं की समीक्षा की. सभी से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की अपील की गई. समीक्षा के क्रम में राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार, राज्य पुलिस नोडल पदाधिकारी एवी. होमकर तथा सीएपीएफ के नोडल पदाधिकारी की ओर से अपनी-अपनी कार्य योजना को प्रेजेंटेशन के माध्यम से रखा गया. समीक्षा के बाद आयोग द्वारा सभी को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये. वहीं, शाम 5:30 बजे राज्य के मुख्य सचिव व डीजीपी के साथ बैठक कर चुनाव आयोग की टीम ने चुनाव तैयारियों की समीक्षा की.

आईजी, आयुक्त, डीसी, एसपी के साथ बैठक आज : भारत निर्वाचन आयोग की टीम मंगलवार को राज्य के सभी जोनल आईजी, रेंज डीआईजी, प्रमंडलीय आयुक्तों, उपायुक्तों, एसएसपी और एसपी के साथ सुबह बैठक करेगी. अपने दो दिवसीय दौरे के के बाद निर्वाचन आयोग अक्टूबर महीने में किसी भी समय झारखंड में चुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता है.

रांची के होटल रेडिशन ब्लू में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर समीक्षा करते मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार व आयोग के अन्य पदाधिकारी.

दिसंबर में एक चरण में चुनाव कराया जाए और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण न हो : झामुमो

सत्ताधारी झामुमो के प्रतिनिधिमंडल ने वर्तमान हेमंत सरकार का कार्यकाल पूरा करने का अवसर देने और दिसंबर के पहले सप्ताह से एक चरण में चुनाव कराने की मांग की. साथ ही सभी राजनैतिक दलों को एक समान राजनीतिक प्रचार-प्रसार का अवसर देने की बात कही. कहा कि हमारे राजनीतिक प्रतिद्वंदी दलों को सुरक्षित फ्लाइंग जोन उपलब्ध करवा कर हमारे मुख्य स्टार प्रचारकों के फ्लाइंग जोन और समय में कोई बाधा न आए, यह भी चुनाव आयोग सुनिश्चित करे. झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य और विधायक सुदिव्य कुमार ने आयोग से चुनाव में न्यूनतम पारा मिलिट्री फोर्स की तैनाती की मांग की. सुप्रियो और सुदिव्य सोनू ने कहा कि बीते अगस्त माह से ही भाजपा के कई केंद्रीय स्तर के नेता झारखंड में धर्म-जाति के नाम पर चुनावी भाषण दे रहे हैं. आयोग का दायित्व है कि समाज में धार्मिक-सांस्कृतिक विभाजन कर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की स्थिति उत्पन्न न हो.

भाजपा ने बांग्लादेशी घुसपैठ व फर्जी वोटरों को चिह्नित कर नाम हटाने की मांगें रखी

भाजपा ने चुनाव आयोग के समक्ष एक चरण में विधानसभा चुनाव कराने का सुझाव दिया. साथ ही मांग की कि झारखंड की गृह सचिव को चुनाव कार्य से अलग रखा जाए. आयोग के साथ बैठक में भाजपा के प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद और विधि प्रकोष्ठ के सुधीर श्रीवास्तव शामिल थे. उन्होंने गृह सचिव वंदना दादेल द्वारा पार्टी के झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान और सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा पर लगाए गए सांप्रदायिकता फैलाने के आरोपों को गलत बताया. कहा कि गृह सचिव चुनाव आयोग को पत्र कैसे लिख सकती हैं. वंदना सत्ताधारी दल के लिए काम कर रही हैं. भाजपा नेताओं ने कहा कि चुनाव आयोग गृह सचिव को चुनाव से मुक्त रखे, तभी निष्पक्ष चुनाव हो सकता है. भाजपा ने बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा उठाते हुए कहा कि फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाकर वोटर कार्ड बनाए जा रहे हैं, इसकी जांच कर दोषी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए.

नवंबर के बाद एक ही चरण में चुनाव कराया जाए : कांग्रेस

कांग्रेस की ओर से वरीय नेता विनय सिन्हा 'दीपू' और शशिभूषण राय ने चुनाव आयोग की टीम के समक्ष अपनी बातें रखीं. कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने कुल 26 मांगों को रखा. इस दौरान झारखंड में समय पर और एक चरण में ही चुनाव कराने की मांग की गई. आयोग से हरियाणा की तर्ज पर झारखंड में भी एक ही चरण में चुनाव संपन्न कराने की मांग की गई, ताकि सामाजिक समरसता को बिगाड़ने की मंशा रखने वाले अलग-अलग चरणों में संपन्न होने वाले चुनाव में धार्मिक और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का रास्ता न अपना सकें. दीपू और राय ने कहा कि झारखंड में विधानसभा का कार्यकाल पांच जनवरी को समाप्त हो रहा है, तो समय पूर्व चुनाव कराने की कोई हड़बड़ी झारखंड में नहीं है. समय से पहले चुनाव कराने से चालू योजनाओं की गतिशीलता में कमी आएगी. साथ ही कहा कि अक्टूबर माह में झारखंड में दुर्गा पूजा, दिवाली, छठ जैसे बड़े त्योहार के कारण भी सामाजिक व राजनीतिक गतिविधियों के सामंजस्यता में कमी आएगी. त्योहारों के कारण लोकतंत्र के महापर्व में जनभागीदारी कम होने की संभावना है. इसलिए, चुनाव की तिथि नवंबर के बाद तय की जाए.

सुदूर बूथों तक जाने के लिए साधन उपलब्ध कराएं : राजद

बैठक में राजद की ओर से उपाध्यक्ष अनीता यादव और कार्यालय प्रभारी शालीग्राम पांडेय शामिल हुए. अनीता यादव ने कहा कि झारखंड में कई ऐसे बूथ हैं, जहां मतदान करने के लिए मतदाताओं को छह-सात किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है. ऐसे में मतदान कम होता है. मतदान केंद्र तक मतदाताओं के पहुंचने के लिए साधन मुहैया कराया जाए.

मोदी का सुरक्षा परिषद के लिए दावा, इशारों में चीन को सुनाया

एजेंसी। न्यूयॉर्क

- प्रधानमंत्री ने महासभा में 'समिट ऑफ फ्यूचर' को संबोधित किया
- कहा-भारत में हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में ''समिट ऑफ फ्यूचर'' को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने युद्ध, आतंकवाद, शांति, साइबर, समुद्र और अंतरिक्ष समेत कई मुद्दों पर दुनिया का ध्यान खींचा. प्रधानमंत्री ने इशारों ही इशारों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत का दावा भी ठोका. साथ ही अपने भाषण में चीन को भी कड़ा संदेश दिया. पीएम ने कहा, "भारत में हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है और भारत अपनी सफलता के इस अनुभव को पूरे 'ग्लोबल साउथ' के साथ साझा करने के लिए तैयार है."

पीएम मोदी ने अप्रत्यक्ष रूप से सुरक्षा परिषद में भारत की दावेदारी पेश करते हुए इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक शांति और विकास के लिए ग्लोबल संस्थाओं में रिफॉर्म जरूरी है. उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में जी-20 समिट में अफ्रीकन यूनियन को स्थायी सदस्यता देना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था.

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में विस्तार तथा इसकी कार्यप्रणाली में सुधार के भारत के दीर्घकालिक रुख का जापान ने भी समर्थन किया है. जापानी पीएम फूमियो किशिदा ने समकालीन विश्व की वास्तविकताओं के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय संगठन को ढालने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की. उन्होंने न्यूयॉर्क में ''भविष्य के शिखर सम्मेलन'' को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व एक ''ऐतिहासिक मोड़'' पर खड़ा है, मौजूदा और भावी पीढ़ियों के हितों की रक्षा के लिए सामूहिक रूप से कार्रवाई करने की तत्काल जरूरत है.

सीजीएल परीक्षा पास कराने वाले गिरोह का सदस्य धराया

संवाददाता। रांची/रामगढ़

- बिहार का गैंग रामगढ़ में परीक्षार्थियों को दे रहा था पास होने के टिप्स, 25 लाख की थी डिमांड

जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा में बिहार के प्रश्न पत्र लीक कराने वाले गैंग काफी सक्रिय थे. इसका खुलासा रामगढ़ पुलिस द्वारा गैंग के एक सदस्य की गिरफ्तारी के बाद हुआ. बिहार के ही कुछ लोग रामगढ़ में परीक्षार्थियों को परीक्षा पास कराने की टिप्स दे रहे थे. इसके बदले में 25 लाख रुपये की डिमांड थी. रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद ने सोमवार को बताया कि इस गिरोह के कई सदस्यों के नाम सामने आ चुके हैं.

गिरफ्तार सदस्य चंचल कुमार सिंह आरा जिले के चौरी थाना अंतर्गत बेरथ गांव का रहने वाला है. वह रामगढ़ में एक परीक्षार्थी बनकर ही आया था, लेकिन यह दिखावा मात्र था. वह परीक्षार्थियों को नौकरी दिलाने के नाम पर मोटी रकम की उगाही करने आया था. उसने परीक्षार्थियों के मैट्रिक से लेकर स्नातक तक के सारे ओरिजिनल सर्टिफिकेट भी जमा कर लिए थे, ताकि जब वे परीक्षा पास कर जाएं, तो बिना रकम दिए उनकी नौकरी न हो पाए. पुलिस ने चंचल को सोमवार को जेल भेज दिया है.

हर परीक्षार्थी से लिए गए थे पांच ब्लैंक चेक : जेएसएससी की परीक्षा पास करने के लिए चंचल ने परीक्षार्थियों से पांच ब्लैंक चेक लिया था, जिसमें दोनों तरफ हस्ताक्षर किए गए थे. ऐसे परीक्षार्थियों को किस पेन से ओएमआर शीट भरना है, उन्हें कैसे प्रश्नों के उत्तर देने हैं और प्रश्न पत्र लीक नहीं होने की स्थिति में कैसे अंदर की सेटिंग से उनके ओएमआर शीट पर प्रश्नों के सही उत्तर अंकित किए जाएंगे, इसके बारे में व्हाट्स ऐप चैट पर पूरी जानकारी दी गई थी.

फर्जी तरीके से नौकरी कर रहे दो और होमगार्ड जवान पकड़ाए

संवाददाता। रांची

- खुलासे के बाद से कंपनी कमांडर कैलाश यादव समेत अन्य आरोपियों की तलाश जारी

झारखंड होमगार्ड विभाग में फर्जी तरीके से नौकरी कर रहे दो और होमगार्ड का जवानों पकड़ा गया है. जिनमें अशोक टोप्पो और नौशाद कादरी शामिल है. इससे पहले झारखंड होमगार्ड विभाग में फर्जी तरीके से नौकरी करने के मामले में कंपनी कमांडर समेत पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था. यह मामला गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन विभाग के डीजी अनिल पालटा के निर्देश पर धुर्वा थाना में 20 सितंबर को दर्ज हुआ था. जिन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है, उसमें कंपनी कमांडर कैलाश यादव के अलावा फर्जी तरीके से होमगार्ड की नौकरी कर रहे आरिफ अंसारी, आसिफ अंसारी, जगदीश टोप्पो और निसाद अहमद का नाम शामिल है. फर्जी तरीके के नौकरी करने वाले सभी रांची के कांके, रातू और नामकुम के रहने वाले हैं. इस खुलासे के बाद से कंपनी कमांडर कैलाश यादव समेत अन्य आरोपियों की तलाश जारी है.

निर्देश : नगर विकास के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने फ्लाईओवर के कार्य का जायजा लिया

30 सितंबर तक पूरा करें कांटाटोली फ्लाईओवर का काम

संवाददाता। रांची

कांटाटोली फ्लाईओवर का निरीक्षण करते प्रधान सचिव सुनील कुमार.

- फ्लाईओवर पर 486 प्रीकास्ट सेगमेंटल बॉक्स चढ़ चुके हैं

नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने सोमवार को कांटाटोली फ्लाईओवर के कार्य का निरीक्षण किया. इस दौरान जुडको और कांटाटोली फ्लाईओवर का काम कर रही एजेंसी को हरहाल मे 30 सितंबर तक काम पूरा कर गतिमान बनाने का निर्देश दिया है. उन्होंने कार्यरत एजेंसी डीआरए के प्रतिनिधि को स्पष्ट रूप से कहा कि हरहाल में 30 सितंबर तक योगदा मठ बहु बाजार से शांतिनगर कोकर तक कांटाटोली फ्लाईओवर का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाए. फ्लाईओवर पर यातायात शुरू करने के लिए सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएं. फ्लाईओवर पर सभी 486 प्रीकास्ट सेगमेंटल बॉक्स चढ़ चुके हैं. सभी बाक्सों को केबल से बांधते हुये विशेष ग्लू (गोंद) से जोड़ा जा चुका हैं. सेगमेंटल बॉक्स को सड़क का रूप देने के लिए 50 एमएम का बिटुमिन का स्तर पर लगाया जा चुका है. बिटुमिन के उपर 25 एमएम मास्टिक अस्फाल्ट का लेयर चढाने का काम अंतिम चरण में है.

फ्लाईओवर पर लाइट के लिए लगभग 125 बिजली के खंभे लगाने का काम भी चल रहा है. शांतिनगर कोकर के पास माइनर ब्रिज को चौड़ा करने का काम तेजी से चल रहा है. सचिव को जुडको द्वारा आश्वस्त किया गया है कि 30 सितंबर तक माइनर ब्रिज का भी काम पूरा हो जायेगा. फ्लाईओवर के नीचे भी एलईडी बल्ब लगाये जा रहे हैं. मुख्य फ्लाईओवर पर यातायात शुरू कराने के बाद खादगढ़ा बस स्टैंड के प्रवेश द्वार के पास नामकुम एवं बस स्टैंड की ओर जाने के लिए रैंप बनेगा. इसी तरह लालपुर की ओर जाने के लिए पेट्रोल पंप के पास एक रैंप बनेगा.

मौके पर जुडको के पीडीटी गोपालजी, जीएम विनय कुमार, उप परियोजना प्रबंधक प्रत्युष आनंद, सहायक परियोजना प्रबंधक विनय शील एवं एजेंसी के प्रतिनिधि थे.

प्रोजेक्ट भवन घेरने जा रहे विद्युतकर्मियों को रोका

रांची। झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ की ओर से सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया गया. धुर्वा गोलचक्कर से निकले विद्युतकर्मियों को पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर रोक दिया. इस क्रम में विद्युतकर्मियों की पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की भी हुई. हालांकि विद्युतकर्मियों को बाद में समझा-बुझा कर शांत कराया. इसके बाद विद्युतकर्मियों ने गोलचक्कर के पास धरना दिया और नारेबाजी की. धरनास्थल पर आयोजित सभा को संगठन के अध्यक्ष अजय राय समेत अन्य ने संबोधित किया. धरनास्थल पर बाद में मंत्री डॉ इरफान अंसारी भी पहुंचे. उन्होंने कहा कि आउटसोर्सिंग सिस्टम पूरे राज्य को दीमक की तरह खा रहा है.

तिलावते पंचसुरह के साथ डोरंडा स्थित मजार शरीफ पर हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार बाबा के पांच दिवसीय 217वां सालाना उर्स का समापन

रिसालदार शाह बाबा के मजार पर लोगों ने की चादरपोशी, मांगी अमन चैन की दुआ

संवाददाता। रांची

डोरंडा स्थित मजार शरीफ पर हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार बाबा के पांच दिवसीय सालाना 217वां उर्स श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हो गया. दरगाह कमेटी के उपाध्यक्ष रिजवान हुसैन ने बताया कि अंतिम दिन सोमवार को असर की नमाज के बाद तिलावते पंचसुरह पढ़ कर हजरत बाबा रिसालदार रहमतुल्लाह अलैह की रूहे पाक को बख्शा गया. अंतिम दिन भी काफी संख्या में चादरपोशी की गई.

इस मौके पर लंगर मिलाद शरीफ व आम लंगर का आयोजन जोहर की नमाज के पूर्व किया गया. इसके पूर्व फज्र की नमाज के बाद कुल व फातेहाखानी की गई. अंतिम दिन हजारों की संख्या में अकीदतमंदों की भीड़ सुबह से ही मजार शरीफ पर पहुंचने लगी थी. मजार परिसर में लगे मेले में भी भीड़ ही भीड़

दिखाई दे रही थी. सोमवार को मेले में दिन के समय महिलाओं और बच्चों की तादात ज्यादा थी. पांच दिन दरगाह कमिटी के अध्यक्ष अयूब गद्दी, महासचिव जावेद अनवर, उपाध्यक्ष रिजवान हुसैन, बेलाल अहमद, उप सचिव जुल्फेकार अली, मो सादिक, कोषाध्यक्ष जैनुल आबेदीन, कार्यकारिणी सदस्य नसीम गद्दी उर्फ पप्पू गद्दी, सरफराज गद्दी (शंपा), अनीस गद्दी, अब्दुल खालीक गद्दी, सरफराज (उर्फ बबलू पंडित), सरफराज कुरैशी, शाहीन अहमद, नज्जू अंसारी, ऐजाज गद्दी, मो वसीम, साजिद उमर, आफताब आलम, असीम नईम, सहजाद बबलू, मो ईमामउद्दीन गद्दी, नसीर गद्दी उर्फ पप्पू, मो इकबाल, मुन्ना गद्दी, आशु गद्दी, सैय्यद हेजाजी (समीर), शाहिद खान,मुस्ताक गद्दी, बुश गद्दी, मो लड्डन रात दिन एक कर भीड़ को व्यवस्थित करने तथा व्यवस्था बनाने में लगे रहें.

रिसालदार बाबा के दर पर बहुत सुकूल मिलता है : जुनैद सुलतानी

उर्स के अंतिम दिन मुंबई से आए कव्वाल जुनैद सुलतानी व मुज्तबा अजीज नाजा ने एक से बढ़ कर एक नजम, नाते कलाम और कव्वाली पेश कर श्रुताओं की खूब वाहवाही बटोरी. कव्वाल जुनैद सुलतानी ने कहा कि यूपी के बदायु में 22 फरवरी 1992 में मेरा जन्म हुआ. शुरू से ही कव्वाली की ओर मेरा रुझान था, ऊपर वाले की दुआ से मेरी कव्वाली के लहजे व अंदाज को लोग पसंद भी करने लगे. इस तरह से 24 साल से मैं कव्वाली के पेशे में हूं. पिछले 10 साल से झारखंड उर्स के मौके पर आ रहा हूं. यहां रिसालदार बाबा के दर पर आ कर बहूत सुकूल मिलता है. झारखंड की फिजा बहूत अच्छी है.

हर जमाना मेरे हुसैना का है..., निर्धन को धनवान बना दे या अल्लाह, वहशी को इंसान बना दे या अल्लाह...मेरी यह कव्वाली लोगों ने खूब पसंद किया.

लालू यादव की सेहत के लिए चादरपोशी कर मांगी दुआ

प्रदेश राजद की ओर से रिसालदार शाह बाबा के दरगाह पर चादरपोशी की गई . राजद की ओर से हजरत कुतुबुद्दीन रिसलदार शाह बाबा के मजार पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के स्वस्थ्य और दीर्घायु होने की दुआ मांगी गई . मौके पर राजद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गौतम सागर राणा, प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव, महासचिव आबिद अली, शब्बर फातमी, संतोष प्रसाद, इम्तियाज हुसैन, वारसी, रमजान कुरैशी, अरशद अंसारी शामिल थे . जमशेदपूर के नगर आयुक्त ने भी हजरत कुतुबुद्दीन रिसलदार शाह बाबा के मजार पर चादरपोशी की .

ग्वाला टोली हिंदपीढ़ी से निकली चादर

गद्दी नवजवान पंचयात ,सेंट्रल मुहर्रम कमेटी की ओर से हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार शाह बाबा के मजार पर उर्स मोबारक के अवसर पर धूम धाम के साथ ग्वाला टोली हिंदपीढ़ी से निकल कर सेंट्रल स्ट्रीट मेन रोड ओवर ब्रिज होते हुए रिसालदार बाबा के अस्ताने में पहुचे और नारे रिसालत की सदा बुलंद करते हुए बाबा के अस्तने में चादर पेश की सलातो सलाम के बाद दुआ मांगी गई . जुलूस में इरफान गद्दी, रोजन गद्दी, हैदर गद्दी, कमेटी अध्यक्ष जावेद गद्दी, महासचिव अकीलुर्रहमान, लखन गद्दी, मुन्ना गद्दी, मालो गद्दी, बीतना गद्दी, अख्तर गद्दी आदि शामिल थे .

नामकोम में अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस का हुआ आयोजन

रांची। अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस सोमवार को नामकोम के सीआरसी में आयोजन हुआ.इसमें मुकेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, वाक् एवं भाषा विभाग सीआरसी ने कार्यक्रम शुरू किया. विशेष शिक्षा विभाग सीआर सी के सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रीति तिवारी ने संचालन किया. झारखंड एसोसिएशन ऑफ़ डीफ महासचिव रंजीत कुमार के सहयोग से आयोजन हुआ.

- सांकेतिक भाषा का प्रतिनिधित्व करने के लिए रीमा देवी सम्मानित

सांकेतिक भाषा का प्रतिनिधित्व करने के लिए रीमा देवी को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर मुकेश कुमार ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस बधिर लोगों के लिए होता है.इसके लिए सांकेतिक भाषा उपयोगकर्ताओं की भाषाई पहचान और सांस्कृतिक विविधता का समर्थन और सुरक्षा करने का एक अनूठा अवसर है.इसका उदेश्य 2024 में दुनिया एक बार फिर सांकेतिक भाषाओं द्वारा उत्पन्न एकता को उजागर करेगी.विश्व के नेताओं और अन्य सरकारी अधिकारियों को इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस की थीम “साइन अप फॉर साइन लैंग्वेज राइट्स” पर अपनी राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा में हस्ताक्षर करने के लिए आमंत्रित किया जाता है. सीआरसी निदेशक सूर्य मणि प्रसाद ने सांकेतिक भाषा के प्रयोग को विशेष तौर पर अपनाकर मूक बधिर दिव्यांगनों के साथ समावेशी समाज के निर्माण कार्य को करने पर बल दिया .

चैंबर की 21 सदस्यीय कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण दो दिनों में

मिल कर नये रूप में चैंबर को करेंगे और गतिमान : गट्टानी

रेहान अहमद। रांची

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सत्र 2024-25 के कार्यकारिणी समिति/क्षेत्रीय उपाध्यक्ष का चुनाव में परेश गट्टानी की टीम विजयी हुई है. कार्यकारणी की 21 सदस्य की टीम में एक निर्दलीय उम्मीदवार आस्था किरण ने भी जीत हासिल कर चैंबर में जगह बनाई है.

परेश गट्टानी ने कहा कि रविवार की रात चैंबर के चुनाव का परिणाम क्लीयर हुआ है. अगले दो दिनों में अपनी पूरी टीम का शपथ ग्रहण होगा. उसके बाद हम सभी मिल कर नये रूप में चैंबर को और गतिमान करेंगे. पूर्व के अनुभवी लोगों से बहुत कुछ सीखने को मिला है, उसे धरातल पर उतार कर व्यापारी जगत को आगे से आगे बढ़ाने की मेरी पूरी कोशिश होगी.

एक-दो दिन में होगा शपथ ग्रहण : ललित : चैंबर चुनाव समिति के चेयरमैन ललित केडिया ने कहा कि रविवार की रात की देर रात चुनाव के नतीजे सामने आये हैं. इस लिये शपथ ग्रहण मंगलवार एवं गुरुवार को तय किया गया है. 21 सदस्यीय कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा.

निर्दलीय उम्मीदवार आस्था किरण ने जीत हासिल कर चैंबर में बनाई जगह

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के कार्यकारिणी चुनाव की विजेता टीम के साथ परेश गट्टानी.

परेश गट्टानी.

युवाओं की मेहनत साथ जुटेगी तो विकास का कार्य रुकेगा नहीं चारों ओर दिखेगा : किशोर मंत्री

चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि नई टीम युवाओं की टीम है, उन्हें कहने की जरूरत नहीं है . मेरा बस यही कहना है कि चैंबर के अधूरे कार्य को पूरा करें, विकास कार्य को गतिमान करें, व्यापारियों के हितों की रक्षा करें . युवा ऐसे भी जोश से भरे होते हैं, सारे युवाओं की मेहनत जब साथ जुटेगी, तो विकास का कार्य रुकेगा नहीं चारों ओर दिखेगा .

समिति : परेश गट्टानी, आदित्य मल्होत्रा, अमित शर्मा, अनिल अग्रवाल, डॉ अभिषेक रामधानी, नवीन अग्रवाल, नवजोत अलंग, प्रवीण लोहिया, राहुल साबु, राम बागड़, रोहित अग्रवाल, रोहित संजय अखौरी, सुनील सरावगी, विकास विजयवर्गीय, विमल कुमार फोगला, आस्था किरण शमिल हैं.

ईएसआईसी कैंपस में स्वच्छता सेवा पखवाड़ा दिवस मनाया गया

स्वच्छ भारत के प्रति प्रतिबद्धता और जन जागरूकता को बढ़ाना होगा : अभिषेक मुंडू

- स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए स्वच्छता दौड़ की

संवाददाता । नामकुम

कर्मचारी राज्य बीमा निगम क्षेत्रीय कार्यालय एवं ईएसआईसी अस्पताल द्वारा स्वच्छता ही सेवा के तहत स्वच्छता दौड़ का आयोजन किया गया. इसका उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था. वहीं ईएसआईसी अस्पताल की ओर से भी स्वच्छता दौड़ में डॉक्टर्स एवं वहां के कर्मियों ने भाग लिया. चिकित्सा अधीक्षक डॉ नीरोज कुजूर ने कहा कि अपने आसपास की जगह को स्वच्छ रखने के साथ हमें हमारे चरित्र, स्वभाव एवं संस्कार को भी स्वच्छ रखने की आवश्यकता है, तभी हम एक सशक्त और स्वच्छ भारत का निर्माण करने में सफल हो पाएंगे. मौके पर ओपीडी इंचार्ज अभिषेक मुंडू ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वच्छता दौड़ का आयोजन किया गया था. इसका उद्देश्य स्वच्छ भारत के प्रति प्रतिबद्धता और जन जागरूकता को बढ़ाना था.

मौके पर आंचलिक चिकित्सा आयुक्त रचिता विश्वास, क्षेत्रीय निदेशक प्रभारी शशि शेखर, राज्य चिकित्सा अधिकारी अर्चना तिर्की, सुनीता मिंज सहित अन्य पदाधिकारी व कर्मी मौजूद थे.

स्मार्ट सिटी मिशन में और शहरों को भी मिले जगह

- मंत्री हफीजुल ने केंद्र से की मांग

रांची। नगर विकास मंत्री हफीजुल हसन ने राज्य के शहरों में संरचना विकास के लिए केंद्र से अतिरिक्त मदद मांगी है. साथ ही स्मार्ट सिटी मिशन शहरों की सूची में देवघर, जमशेदपुर, धनबाद को शामिल करने की मांग की है. हफीजुल सोमवार को होटल चाणक्य बीएनआर में स्मार्ट सिटी मिशन के पूर्वी जोन की बैठक में केंद्र और राज्यों के 19 शहरों के प्रतिनिधियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे. कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य विभाग में संयुक्त सचिव तथा स्मार्ट सिटी मिशन के निदेशक राहुल कपूर भी ऑनलाइन जुड़े थे. मंत्री ने कहा कि रांची को स्मार्ट सिटी बनाने के मिशन के अलावा राज्य सरकार अन्य योजनाओं पर खर्च कर रही है. कोशिश है कि स्मार्ट सिटी क्षेत्र को एजुकेशन हब बनाया जाए तथा लोगों को क्वालिटी लाइफ प्रदान की जाए. विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न शहरों में सड़क, फ्लाईओवर, ड्रेनेज व सीवरेज निर्माण पर कार्यकर रही है. स्मार्ट सिटी के अलावा केवल रांची में सड़क निर्माण पर 3,000 करोड़ से ज्यादा की योजनाएं चल रही हैं. शहर में इनर और आउटर रिंग रोड निर्माण की प्रक्रिया में है.

नवरात्र से पहले राजधानी की सड़कें होगी चकाचक

रांची। नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव के निर्देश पर शहर की सड़कों में दिख रहे गड्ढों का जल्द मरम्मतीकरण किया जाएगा. इसके लिए राजधानी के सड़कों को चिन्हित किया जा रहा है और अलग-अलग मरम्मत कार्य के लिए टेंडर भी जारी किया जा रहा है. लाइट को तुरंत बदलने को कहा गया है. जहां लाइट नही है वहां लाइट लगाया जाएगा. सचिव में निगम के अधिकारियों को कहां है कि सड़कों के किनारे फुटपाथ का प्रावधान जरूर रखें और निर्माण कराएं, ताकि पैदल चलनेवाले लोगों को परेशानी न हो.

सीआईपीईटी कौशल विकास प्रशिक्षण का पहला बैच सफल प्लेसमेंट के साथ संपन्न

संवाददाता। रांची

एनटीपीसी अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहलों के माध्यम से विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों को सक्रिय रूप से क्रियान्वित कर रही है, जिनका उद्देश्य वंचित समुदायों को सशक्त बनाना, स्वरोजगार को बढ़ावा देना और उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है. इस संदर्भ में रांची में एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) ने झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में अपने कोयला खनन परिचालन के आसपास के परियोजना प्रभावित क्षेत्रों से 80 युवाओं, जिनमें 25 लड़कियां भी शामिल हैं, के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण प्रायोजित किया है. यह पहल सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी), रांची के सहयोग से की गई है.

समापन समारोह में एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय के मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) रजनीश रस्तोगी और सीआईपीईटी, रांची के संयुक्त निदेशक एवं प्रमुख प्रवीण बच्छव ने छात्रों के साथ बातचीत की और एनटीपीसी कोयला खनन परियोजनाओं के ग्रामीण छात्रों और परियोजना प्रभावित व्यक्तियों (पीएपी) को प्रोत्साहित करने के लिए पाठ्यक्रम पूर्णता प्रमाण पत्र और नौकरी नियुक्ति पत्र वितरित किए. इस मौके पर रजनीश रस्तोगी ने छात्रों को पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर बधाई दी और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं.

दो प्रमुख पाठ्यक्रमों में नौकरी-उन्मुख प्रशिक्षण प्रदान किया

मशीन ऑपरेटर-प्लास्टिक प्रसंस्करण और मशीन ऑपरेटर-इंजेक्शन मोल्डिंग . हाल ही में मशीन ऑपरेटर-प्लास्टिक प्रसंस्करण पाठ्यक्रम का पहला बैच, जिसमें पकरी सहित विभिन्न एनटीपीसी कोयला खनन परियोजनाओं के 40 छात्र शामिल हैं, का आयोजन किया गया . बरवाडीह, चट्टी बरियाट्टू, केरेन्डारी, बादाम, बनारडीह, दुलंगा और तलाईपल्ली के छात्रों ने सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, जो 20 मार्च को शुरू हुआ और 19 सितंबर को नौकरी नियुक्ति के साथ समाप्त हुआ .

मीर, शेरान, शमीम, कुस्सू की जोड़ी सेमीफाइनल की दौड़ में

संवाददाता। रांची

मॉर्निंग ग्रुप के तत्वाधान में खेले जा रहे राहत इंदौरी मेमोरियल बैडमिंटन टूर्नामेंट में सोमवार को खेले गए मैच में कफील खान अपने पार्टनर नेशात अनवर के साथ खेलते हुए मो मीर और यूनुस खान की जोड़ी से हार कर सेमी फाइनल की राह मुश्किल कर ली. मैच में कफील खान की जोड़ी ने पहला सेट आसानी से जीत कर दूसरा सेट गवां बैठे तीसरा और निर्णायक सेट में भी कफील खान की जोड़ी आसानी से जीतती नजर आ रही थी और विरोधी टीम पर सात अंको की बढ़त बनाई हुई थी, फिर मो मीर ने अपने अनुभव का फायदा उठा कर तीसरा सेट भी अपने नाम कर मैच अपने नाम कर सेमी फाइनल की उम्मीद बरकरार रखी है. वहीं आज का दूसरा मैच अतीक अहमद कुस्सु अपने जोड़ीदार अकिलुर्रहमान के साथ खेलते हुए हसन सैफी प्रिंस और मुस्तकीम आलम की जोड़ी को सीधे दो सेटों में हराकर सेमी फाइनल की राह आसान कर ली. इसके पूर्व आज के मुख्य अतिथि समाज सेवी इकबाल अंसारी,अब्दुल मन्नान ने खिलाड़ियों का परिचय लेते हुए खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया जबकि अब्दुल खालिक नन्हू के साथ डॉ एजाज आलम ने मुख्य अंपायर की भूमिका निभाई.

सीनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप के तीसरे दिन हुए रोमांचक मुकाबले

संवाददाता । रांची

उत्तराखंड के राजपुर स्थित महराणा प्रताप स्टेडियम में आयोजित 33वीं सीनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप के तीसरे दिन रोमांचक मुकाबले खेले गए. खिलाड़ियों ने ताऊलु और सानसाउ वर्ग की प्रतिस्पर्धा में पदकों के लिए जोर आजमाइश की. इसके सानदा वर्ग की अलग अलग भार वर्ग में पुरुष और महिला की दूसरे दौर की प्रतियोगिता हुई. इसके साथ साथ ताऊलु में भी खिलाड़ियों ने अपनी विधा का प्रदर्शन किया. सोमवार को प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि वुशु एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के प्रेसिडेंट जितेंद्र सिंह बाजवा जबकि विशिष्ट अतिथि चाणक्य डिफेन्स कॉलेज के देवनागर मौजूद रहे.

ताऊलु की प्रतिस्पर्धा के परिणाम

नानक्वान पुरुष : गोल्ड-रवि सूर्यवंशी :यूपी
सिल्वर -गुरुमायूम देवेश शर्मा- मणिपुर
ब्रॉन्ज -मोहित थापा -उत्तर प्रदेश

ताईजीक्वान पुरुष : गोल्ड-सनमा ब्रह्मा -असम
सिल्वर -एच करंजीत शर्मा -सिल्वर
ब्रॉन्ज -के मोनिश सिंह -मणिपुर

नानक्वान महिला : गोल्ड-एच लंगलेटोम्बी देवी -साईं
सिल्वर - रेजिना तमंग -इन्कमटैक्स
ब्रॉन्ज -नीलम चौधरी -राजस्थान

ताईजीक्वान महिला : गोल्ड-चेरा लोकु -अरुणाचल प्रदेश
सिल्वर - प्रज्ञा यादव -मध्य प्रदेश
ब्रॉन्ज -के विद्याश्वरी चानू -एस एस बी

सम्मान

बिहार के तीन और झारखंड के छह साहित्यकार श्रीनाथद्वारा राजस्थान में सम्मानित हुए

शुभम संदेश के विनय पांडेय को हिंदी काव्य भूषण सम्मान

संवाददाता। रांची

हिंदी दिवस पर साहित्य मंडल श्रीनाथद्वारा (राजस्थान) के तत्वावधान में हिंदी लाओ देश बचाओ समारोह का आयोजन हुआ. इस वर्ष देश के विभिन्न हिस्सों के दो दर्जन विद्वान विभिन्न सम्मानों से सम्मानित किए गये. इस वर्ष झारखंड के 6 और बिहार के 3 साहित्य कार सम्मानित किए गये. झारखंड के जो साहित्यकार सम्मानित किये गये , उनमें दैनिक शुभम संदेश के वरिष्ठ पत्रकार और कवि डॉ. विनय कुमार पाण्डेय (हिंदी काव्य भूषण सम्मान), डॉ. प्रशांत गौरव (हिंदी काव्य भूषण सम्मान, प्राध्यापक हिन्दी विभाग, गोस्सनर कालेज रांची), डॉ. तारा मणि पाण्डेय (हिंदी काव्य भूषण सम्मान (कृतकार्य हिंदी शिक्षिका, महारानी प्रेम मंजरी प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय रातू रांची), डॉ. वीणा पाण्डेय भारती (सुंदर रानी लोढ़ा स्मृति सम्मान कवयित्री, जमशेदपुर), माधवी उपाध्याय (दुर्गावती शर्मा स्मृति सम्मान वरिष्ठ कवयित्री, जमशेदपुर) डॉ. ब्रजेंद्र नाथ मिश्र (चौथमल लोढ़ा स्मृति सम्मान सुप्रसिद्ध साहित्यकार, जमशेदपुर) शामिल हैं. बिहार से सम्मानित होने वाले साहित्यकारों के नाम हैं- सिद्धेश्वर (रवींद्रनाथ महर्षि सम्मान), विभा देवी (केशर देवी सम्मान), डॉ. राम सिंहासन सिंह (हिंदी साहित्य भूषण सम्मान.

साहित्य मंडल श्रीनाथ द्वारा की स्थापना 1937 में हिंदी पुरोधा भगवती प्रसाद देवपुरा ने की थी. यह राजस्थान प्रांत का एक अग्रणी साहित्यिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक प्रतिष्ठान है,जो राष्ट्र भाषा हिंदी के प्रचार प्रसार में अनुपम योगदान करने वाले साहित्यकारों को मानद् उपाधियों से सम्मानित करता रहा है. इसके साहित्य मंत्री श्याम प्रकाश देवपुरा ने बताया कि वे अपने स्व. पिता के सपने -हिंदी लाओ देश बचाओ को साकार करने में लगे हैं. सम्मानित होने वाले साहित्यकारों को रांची विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. जंग बहादुर पाण्डेय ने, श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल जमशेदपुर के अध्यक्ष डॉ. हरि वल्लभ सिंह आरसी ने, तुलसी भवन जमशेदपुर के मानद् सचिव डॉ. प्रसेनजीत तिवारी ने, जमशेदपुर के आशु कवि डॉ. यमुना तिवारी व्यथित ने और आरका जैन विश्वविद्यालय जमशेदपुर के वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ. अंगद तिवारी ने बधाइयां और शुभकामनाएं दी हैं और सबके उज्जवल भविष्य की कामना की है.

धूमधाम से मना सरला बिरला विवि का स्थापना दिवस

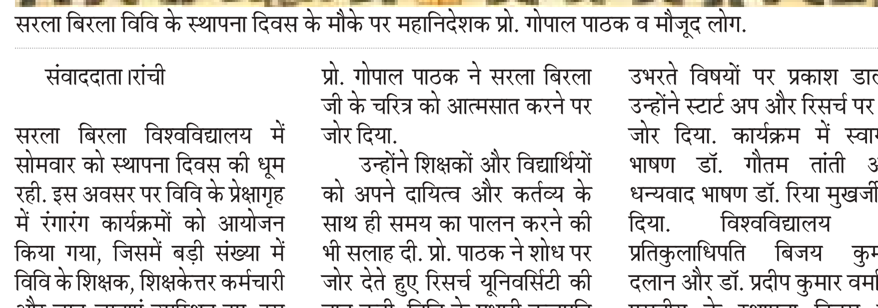

सरला बिरला विवि के स्थापना दिवस के मौके पर महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक व मौजूद लोग.

संवाददाता ।रांची

सरला बिरला विश्वविद्यालय में सोमवार को स्थापना दिवस की धूम रही. इस अवसर पर विवि के प्रेक्षागृह में रंगारंग कार्यक्रमों को आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विवि के शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए. इस अवसर पर एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने सरला बिरला जी के चरित्र को आत्मसात करने पर जोर दिया.

उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों को अपने दायित्व और कर्तव्य के साथ ही समय का पालन करने की भी सलाह दी. प्रो. पाठक ने शोध पर जोर देते हुए रिसर्च यूनिवर्सिटी की बात कही. विवि के प्रभारी कुलपति एस. बी. डांडीन ने एआई और दूसरे उभरते विषयों पर प्रकाश डाला. उन्होंने स्टार्ट अप और रिसर्च पर भी जोर दिया. कार्यक्रम में स्वागत भाषण डॉ. गौतम तांती और धन्यवाद भाषण डॉ. रिया मुखर्जी ने दिया. विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने एसबीयू के स्थापना दिवस पर अपनी शुभकामनाएं दी.

पुलिस ने ट्रक में लदे 37 गौवंशीय पशु को किया जब्त

संवाददाता।बेड़ो

ट्रक में लदा बरामद गौवंशीय .

गिरफ्तार आरोपी पशु तस्कर.

खास बातें

- एक आरोपी को गिरफ्तार चालक और खलासी फरार
- छत्तीसगढ़ से तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था नगड़ी

बेड़ो पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सोमवार को बेड़ो महावीर चौक के समीप करीब आठ बजे सुबह 12 चक्का वाले एक ट्रक में अवैध रूप से लोड कर ले जा रहे 37 गौवंशीय पशु को बरामद किया है. वहीं इस सिलसिले में पुलिस ने एक आरोपी को धर दबोचा और गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. इस संबंध में बेड़ो थाना में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है. वहीं इस संदर्भ में बेड़ो थाना प्रभारी नकुल साह ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली कि एक ट्रक में अवैध रूप से तस्करी के लिए गौवंशीय पशुओं को ठूंस कर ले जाया जा रहा है. इसी सूचना पर थाना प्रभारी नकुल साह के नेतृत्व में सदल बल सघन छापामारी अभियान चलाया गया. इसी दौरान रांची गुमला मुख्य मार्ग पर बेड़ो थाना क्षेत्र के महावीर चौक के समीप पुलिस ने छापामारी के क्रम में एक 12 चक्का वाले ट्रक को रोका और पूछताछ किया. इधर जांच के दौरान पुलिस ने इस ट्रक पर अवैध रूप से तश्करी के लिए ले जा रहे कुल 37 गौवंशीय पशुओं को बरामद कर ट्रक को जब्त कर लिया. वहीं पुलिस ने एक आरोपी मोजिद अंसारी पिता मोहिब अंसारी ग्राम पंडरी, थाना चान्हों, जिला रांची निवासी को धर दबोचा.

साथ ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. थाना प्रभारी ने बताया कि इस संदर्भ में कांड संख्या 99/2024 दिनांक 23-09-2024 धारा 317 (5)/3 (5) भारतीय न्याय संहिता एवं पशु क्रुरता अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है. थाना प्रभारी ने बताया कि पशुओं को तस्करी के लिए छत्तीसगढ़ के पत्थलगांव से रांची जिला के नगड़ी ले जाया जा रहा था. गोवंशीय पशु को बरामदगी की सूचना पर पशु चिकित्सक सभी पशुओं का परीक्षण किया. वहीं बेड़ो पुलिस पशु तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने में जुट गई है.

लोजपा (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने किया चुनावी शंखनाद, कहा

चुनाव में भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकना है

आशीष टैगोर।लातेहार

लातेहार की सभा में लोगों का अभिवादन करते चिराग.

लोजपा (रामविलास) जाति और धर्म से ऊपर उठकर विकास की बात करती है. हमलोग समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते है. केंद्र की मोदी सरकार को समाज के हर तबके के लोगों की चिंता है. ये बातें केंद्रीय मंत्री सह लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कही. वे सोमवार को जिला खेल स्टेडियम में लोजपा (रामविलास) की हुंकार रैली को संबोधित कर रहे थे.

चिराग ने अपने पूरे भाषण में झारखंड सरकार पर जमकर हमला बोला. कहा कि झारखंड एक ऐसा राज्य है, जहां का मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में जेल गया है. उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में झारखंड काफी पीछे चला गया है. बेरोजगारी और पलायन यहां की नियती बन गयी है. आज उच्च शिक्षा के लिए झारखंड के छात्र-छात्रों को दूसरे राज्यों में जाना पड़ता है. चिराग पासवान ने कहा कि झारखंड के आगामी विधानसभा चुनाव में इस सरकार को उखाड़ फेंकना है. उन्होंने जनता से एनडीए गठबंधन के प्रत्याशियों को जीता कर विधानसभा में भेजने की अपील की. इससे पहले झारखंड प्रभारी अरूण भारती व प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान ने भी सभा को संबोधित किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजेंद्र पासवान ने की.

ब्रीफ खबरें

गोल बचाने में गोल कीपर घायल, रिम्स रेफर

बेड़ो। बेड़ो के ऐतिहासिक महादानी मैदान में चल रहे दिवंगत मुकेश तिर्की मेमोरियल प्राइजमनी फुटबॉल प्रतियोगिता के दौरान सोमवार को दोपहर में गोल बचाने के दौरान गोलकीपर हुआ घायल. सरना नवयुवक संघ प्रयागो मांडर की टीम का गोलकीपर एवं इटकी निवासी अनुभव उरांव गांव इटकी निवासी गोल कीपिंग के दौरान विपक्षी टीम बबलू ब्रदर्स असरो के खिलाड़ी के द्वारा मारी गई शॉट को गोलपोस्ट में बचाने के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गया.

झूमर सह करम मिलन समारोह का आयोजन

अनगड़ा। ईईएफ मैदान टाटीसिलवे में पांच परगना क्षेत्र के लोगों द्वारा भादरिया झूमर सह करम मिलन समारोह मनाया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ हरिश्चंद्र महतो ने की. मुख्य अतिथि डॉ मानसिंह महतो ने कहा कि झूमर हमारी संस्कृति की पहचान है. उन्होंने झूमर के महत्व पर प्रकाश डाला. पांच परगना क्षेत्र के मशहूर कलाकार छुटू मुंडा, दिनेश कुमार महतो, बाल कलाकार अश्विनी कुमार महतो और सबिता कुमारी ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया.

नए एसडीओ क्रिस्टो बेसरा ने पदभार संभाला

बुंडू। बुंडू अनुमंडल कार्यालय में सोमवार को किस्टो कुमार बेसरा ने नए अनुमंडल पदाधिकारी बुंडू के रूप में पदभार संभाला. उन्होंने पूर्व अनुमंडल पदाधिकारी मोहनलाल मरांडी से पदभार लिया. नए अनुमंडल पदाधिकारी को पदाधिकारी एवं कर्मचारियों से कहा कि क्षेत्र के विकास शांति सद्भावना और सामने विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण करना मेरी प्रथम इच्छा है. जनता कोई भी शिकायत लेकर पहुंचे शीघ्र कार्रवाई करूंगा. अनुमंडल कार्यालय के सभागार में पूर्व अनुमंडल पदाधिकारी मोहनलाल मरांडी को एक सादा समारोह में विदाई दी गई.

ग्रामीणों ने युवक को चोरी करते रंगे हाथ पकड़ा

अनगड़ा। हेसल मेंरिंग रोड के पास एक घर में चोरी कर रहे अशरफ अंसारी को ग्रामीणों ने रंगे हाथ धर दबोचा. ग्रामीणों ने उसकी पिटाई कर अनगड़ा पुलिस के हवाले कर दिया. चोरी की घटना में शामिल इसके दो अन्य साथी मौके से भाग निकले. पुलिस उनकी खोज कर रही है. तीनों आरोपी हेसल गांव के निवासी बताए जातेहैं. पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया.

बहरागोड़ा के शाखा मैदान से भाजपा की परिवर्तन यात्रा का आगाज, केंद्रीय मंत्री शिवराज बोले

अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा

संवाददाता।बहरागोड़ा/रांची

प्रखंड क्षेत्र के शाखा मैदान से सोमवार को राजनीतिक परिवर्तन का शंखनाद करते हुए भाजपा की परिवर्तन यात्रा का शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री सह भाजपा के झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि झामुमो अब जुल्म, मर्डर और माफिया की सरकार बन कर रह गई है. हेमंत सरकार ने सत्ता में आने से पूर्व पांच लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी देने का किया गया अपना वादा भी पूरा नहीं किया. लेकिन भाजपा की सरकार बनते ही दो लाख 87 हजार लोगों को सरकारी नौकरी दी जाएगी. साथ ही झारखंड में घुसपैठ करने वाले विदेशी लोगों को निकाल फेंका जाएगा.

इस सरकार में माटी, रोटी और बेटी सुरक्षित नहीं : केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि इस राज्य में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में माटी, रोटी और बेटी सुरक्षित नहीं है. एक महिला द्वारा दी गई यहां की मिट्टी को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा इनकी रक्षा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी. भाजपा की सरकार बनी, तो गरीब लोगों के लिए बनने वाले तीन करोड़ प्रधानमंत्री आवास के लिए बालू फ्री में उपलब्ध कराएगी. जनसभा को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, जमशेदपुर के सांसद बिद्युत बरण महतो, डॉ दिनेशानंद गोस्वामी आदि नेताओं ने भी संबोधित किया.

सरकार बनते ही 2.87 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का वादा किया शिवराज सिंह चौहान

बहरागोड़ा के शाखा मैदान में जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान.

जय श्री राम के नारे से विपक्ष के सीने पर सांप लोटता है

हजारीबाग। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बरकट्ठा में परिवर्तन सभा को संबोधित किया. मोहन यादव ने कहा हेमंत सरकार ने बीजेपी सरकार की योजनाओं की नकल करने की कोशिश की है, लेकिन नकल के लिए अकल की जरूरत होती है. यादव ने कहा, "हेमंत सोरेन जेल से बाहर आने के बाद सत्ता के लोभ में एक सप्ताह भी बिना कुर्सी के नहीं रह सके. जनता अब सब जान चुकी है और वह उनके बहकावे में नहीं आने वाली है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, और अगर झारखंड में बीजेपी की सरकार बनती है, तो विकास की नई गाथा लिखी जाएगी. उन्होंने कहा, जब यहां जयश्री राम के नारे लगते हैं, तो विपक्ष के सीने पर सांप लोटने लगते हैं. झारखंड की जनता अब जाग चुकी है इस सरकार को जनता झाड़ू लगाकर साफ कर देगी

हिमंता बिस्वा ने मुड़मा शक्ति स्थल में की पूजा

मांडर। झारखंड में भाजपा के सह प्रभारी सह असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा सोमवार को मुड़मा पहुंचे थे. मूड़मा पहुंचकर उन्होंने शक्ति खूंटा की पूजा अर्चना की और देश की तरक्की और खुशहाली के लिए प्रार्थना भी किया. मौके पर उन्होंने राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के सदस्यों से मुलाकात किया और कहा कि झारखंड में बीजेपी गोगो दीदी योजना सहित 150 वादों का मेनिफेस्टो जल्द जारी करेगी.बीजेपी झारखंड में जल्द ही 150 पॉइंट का मेनिफेस्टो जारी करेगी. जिसमें 25 बड़ी घोषणाएं होंगी साथ ही पांच बुलेट योजना भी होगी. उन्होंने बताया कि इस वर्ष बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती है. इसलिए 150 पॉइंट का मैनिफेस्टो रहेगा. झारखंड का 25वां स्थापना दिवस है भी है, इसलिए 25 बड़ी घोषणा होगी. साथ ही 5 बुलेट टाइप योजना होगी. मौके पर भाजपा नेता सन्नी टोप्पो, अरुण उरांव, गंगोत्री कुजूर, रामनरायण भगत, अनिल उरांव, रांथु उरांव, जगराम उरांव, मनोज किसपोट्टा, जितेंद्र तिवारी , गंगू पहान, बिमल उरांव सहित अन्य मौजूद.

एनएच पर गड्ढे में फंसा केंद्रीय मंत्री का वाहन

बहरागोड़ा। प्रखंड क्षेत्र के एनएच 18 और 49 की बदहाल सर्विस रोड पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का वाहन फंस गया. आनन-फानन में प्रशासन ने दूसरे वाहन की व्यवस्था की. इसके बाद वे हेलीपैड के लिए रवाना हुए. स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएचएआई की गलत रोड डिजाइनिंग की वजह से बाईपास सड़क पर दौड़ते भारी वाहन दौड़ते हैं. इसके कारण सड़क निर्माण के कुछ दिनों बाद ही टूट जाता है और स्थानीय लोगों और वाहनों को इसी गड्ढे से होकर आना-जाना करना पड़ता है. जबकि, इस सड़क मार्ग पर प्रतिदिन टोल टैक्स के जरिए लाखों रुपये की वसूली होती है.

न्यूज अपडेट

ट्रस्ट ने गरीब बच्चों के साथ मनाया अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस

कांके। अंतराष्ट्रीय बिटिया दिवस पर मां केयर चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रविवार को कांके स्थित हथिया गोंदा बस्ती के बच्चियों के बीच बिटिया दिवस मनाया गया.ट्रस्ट के अध्यक्ष अभिषेक कुमार की अध्यक्षता में बच्चियों के बीच खुशियां बाटने का प्रयास किया गया. मौके पर ट्रस्ट के सचिव सह समाजसेविका वंदना उपाध्याय ने कहा कि बेटियां भारतीय संस्कृति की राजदूत हैं. भारतीय संस्कृति एवं उसके मूल्यों को बचाए रखने में बेटियों की बड़ी भूमिका है.इस कार्यक्रम में शैलेंद्र सिंह, अभिषेक कुमार,प्रियंका शर्मा, सावित्री देवी, वंदना उपाध्याय सहित अन्य सदस्य मौजूद थे.

आजसू ने बिनोद बिहारी महतो की जयंती मनाई

सिल्ली/मुरी। सिल्ली स्टेडियम परिसर में सोमवार को आजसू ने स्व बिनोद बिहारी महतो की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्टी के केंद्रीय संगठन सचिव जयपाल सिंह, केंद्रीय सचिव सुनील सिंह, प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक, लक्ष्मी नारायण महतो, प्रखंड अध्यक्ष रविन्द्र करमाली एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने स्टेडियम परिसर में स्थित स्व बिनोद बिहारी महतो के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया. जयपाल सिंह ने कहा कि बिनोद बाबू ने पढ़ो ओर लड़ो का नारा दिया था. इस मौके पर मनोज कोइरी, सुधीर महतो लखीराम नायक,कीर्तन कोइरी,पवन महतो आदि शामिल थे.

मनरेगा योजना के क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण शुरू

खलारी। खलारी प्रखंड कार्यालय के राजीव गांधी सेवा केंद्र सभागार में खलारी प्रखंड के सभी मुखिया सभी पंचायत सचिव एवं पंचायत के वीएलई का मनरेगा योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रखंड स्तरीय तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया. इस प्रशिक्षण के पहले दिन मास्टर ट्रेनर पंकज ठाकुर ने मनरेगा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी. खलारी के प्रखंड समन्वयक, अशीत कुमार, राजू कुमार, प्रवीण उरांव, मुखिया तेजी किस्पोट्टा, मुखिया संतोष महली, चूरी द पंचायत मुखिया मलका मुंडा, हुटाप पंचायत मुखिया शिवरात मुंडा, लपरा मुखिया पुतुल देवी, पंचायत सचिव रिशु कुमारी, महावीर महतो, पूषा मुंडा , हरकुलश साहू राजेंद्र नायक समेत अन्य लोग शामिल थे.

ट्रेलर और बाइक की टक्कर, तीन युवकों की मौत

रामगढ़। कुजू ओपी क्षेत्र अंतर्गत नया मोड़ के पास सोमवार को एनएच 33 मार्ग पर ट्रेलर और बाइक की टक्कर में बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई. घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने एनएच 33 सड़क को जाम कर दिया. जानकारी के मुताबिक, दिग्वार निवासी आदित्य कुमार, राजा मुंडा और चंदन मुंडा स्प्लेंडर बाइक पर सवार होकर रामगढ़ की ओर जा रहे थे. नया मोड़ पर हजारीबाग से रांची की ओर आ रहे ट्रेलर ने बाइक को अपने चपेट में ले लिया. हादसे में राजा मुंडा और आदित्य कुमार की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, गंभीर रूप से घायल चंदन मुंडा को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया. लेकिन, इलाज के दौरान चंदन मुंडा की भी मौत हो गई.

सिल्ली में पिकअप वैन ने युवक को कुचला, मौत

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत रविवार के दिन संध्या 6 बजे जुमला हाकेदाग निवासी सुधीर मुंडा को पिकअप वैन सवारी गाड़ी ने अपने चपेट में ले लिया . युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. पिकअप वैन जुमला के नया टोली से सवारी उतार कर जा रहा था. मृतक उसी रास्ते अपने घर वापस आ रहा था. परंतु रास्ता संकीर्ण होने के कारण युवक को अपने चपेट में ले लिया. जिससे उसकी मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलने पर सिल्ली पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले एवं पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु रिम्स भेज दिया.

जय सरना क्लब दमदमा ने जीता खिताब

चान्हो। संगम क्लब लुंडरी की ओर से आयोजित खस्सी फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जय सरना क्लब दमदमा ने जीत लिया है.सोमवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में दमदमा की टीम ने यंग हीरा नागपुर मुरुंगगढ़ा की टीम को हराकर खिताब पर कब्जा जमा लिया.मौके शिव उरांव ने विजेता और उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया.मौके पर शिव उरांव के खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और कहा कि खेलकूद से न सिर्फ हम शारीरिक रूप से फीट रहते है बल्कि इससे हम अपने कैरियर भी बना सकते है.दुर्भाग्य की बात है कि झारखंड में खिलाड़ियों में जबरदस्त प्रतिभा होने के बावजूद उन्हें उचित प्लेटफॉर्म सरकार उपलब्ध नहीं करा रही है.

बुढ़मू में हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया

बुढ़मू। प्रखंड क्षेत्र के सालहन व चैनगड़ा गांव में जंगली हाथियों के झुंड ने रविवार की रात्रि भी नुकसान पहुंचाया. इस क्रम में 22 जंगली हाथियों के झुंड ने सालहन निवासी गबेश्वर महतो के घर को क्षतिग्रस्त कर दिया. साथ ही बासमती देवी के खेत लगे मकई के फसल को पूरी तरह बर्बाद कर दिया. साथ ही चैनगड़ा गांव निवासी सोहन मुंडा, अजय पाहन,मालती देवी, अंजु देवी,पनेनाथ गंझु के धान को भी नुकसान किया. सोमवार की सुबह प्रमुख सत्यनारायण मुंडा ने पीड़ित परिवारों से मिलकर हरसंभव मदद का भरोसा दिया.

स्वास्थ्य केंद्र में डायलिसिस व अल्ट्रासोनोग्राफी सेंटर खुला

संवाददाता।रातू

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रातू में सोमवार को डायलिसिस यूनिट (हंस रीनल केयर) तथा अल्ट्रासोनोग्राफी कक्ष का उदघाटन विधायक नवीन जायसवाल ने फीता काट कर किया. इस अवसर पर अस्पताल परिसर में आयुष्मान आरोग्य शिविर भी लगाया गया था, डायलिसिस एवं अल्ट्रासोनोग्राफी चालू होने से मरीजों का निशुल्क जांच किया जायेगा. कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत, उप-प्रमुख रियाजुल अंसारी, जेम्स खलखो, क्षेत्रिय उप निदेशक डॉ बिनोद कुमार, सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुजीत कुमार कश्यप, डॉ आई.एस होरो, डॉ ज्योत्स्ना, जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण सिंह, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक वैशाली कृष्णा, लेखा पदाधिकारी अभिषेक कुमार तिवारी, शिव पूजन साहू , अमित कुमार, प्रकाश गोप, मो० सालिक, प्रभात रंजन, प्रवीण कुमार, समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे.

जेएसएलपीएस महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहा है:बीडीओ

- लापुंग में आजीविका महिला संकुल का वार्षिक आम सभा आयोजित
- महिलाओं के आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया

संवाददाता।लापुंग

कार्यक्रम के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी, मुखिया सहित अन्य.

लापुंग प्रखंड सापुकेरा आजीविका महिला संकुल स्तरीय स्वावलंबी सहकारिता समिति लिमिटेड का वार्षिक आमसभा का आयोजन महिला प्रशिक्षण भवन लापुंग में किया गया. इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी ऊषा मिंज ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. इस मौके पर महिला आजीविका संकुल की दीदियों को संबोधित करते हुए बीडीओ ऊषा मिंज ने कहा कि जेएसएलपीएस के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण अब गांवों में दिखने लगा है. महिलाएं पुरुषों को पीछे छोड़ आगे निकलकर स्वयं को न सिर्फ सिद्ध कर रहीं हैं बल्कि आत्मनिर्भर बनकर उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं . उन्होंने कहा कि महिला समूह के माध्यम से जुड़ कर महिलाएं स्वरोजगार से अपने और अपने परिवार का जीवन स्तर को ऊंचा उठा रही हैं वहीं सापुकेरा की मुखिया सविता उरांव ने कहा कि महिला समूहों का बचत खाता बैंक चौबीसों घंटा खुला रहता है. मुसीबत के समय कभी भी महिला समूह रुपया निकाल कर अपना काम चला सकती हैं और दूसरों को भी ऋण देकर मदद कर सकती हैं. इस मौके पर विशिष्ट अतिथि कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष सह पूर्व मुखिया जयंत बरला ने कहा कि जेएसएलपीएस ने महिलाओं के जीवन में आमूल चूल परिवर्तन किया है. इस मौके पर सापुकेरा संकुल के आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता बसंती देवी एवं संचालन मंजूरी तिर्की ने किया.

संज्ञान पीके राय कॉलेज की 71 डिसमिल जमीन पर कब्जा, राज्यपाल ने दिया जांच का आदेश

कॉलेज की जमीन पर आईआईटी-आइएसएम का कब्जा

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव

अमित सिन्हा।धनबाद

धनबाद स्थित आईआईटी-आईएसएम.

पीके राय कॉलेज की 71 डिसमिल जमीन आईआईटी-आइएसएम प्रबंधन द्वारा कब्जा करने का मामला राजभवन पहुंच गया है. राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने धनबाद डीसी माधवी मिश्रा को जांच के लिए लिखा है. इस मामले में पीके राय कॉलेज की प्राचार्य कविता सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा 2019 में उन्हें 71 डिसमिल जमीन दी गई थी. इस पर नई बिल्डिंग बनाने का प्रस्ताव है. मानव संसाधन विकास विभाग की ओर से 75 करोड़ की योजना भी स्वीकृत की जा चुकी है, जिसका कार्य आने वाले वर्ष की प्रथम तिमाही से शुरू होगा.

इसी बीच आईआईटी-आइएसएम द्वारा जमीन के आगे दीवार खड़ी कर दी गई थी. शिकायत करने पर दीवार तो हटा दी गई, लेकिन इसके बाद पूरी जमीन पर कब्जा करने की नीयत से पिलर गाड़ कर तार से घेराबंदी की जा रही है. इसकी शिकायत राज्यपाल से की गई थी. उन्होंने बताया कि 71 डिसमिल जमीन के साथ ही 7.64 एकड़ जमीन के आवंटन की प्रक्रिया भी चल रही है. उक्त 7.64 जमीन भागा माइनिंग स्कूल के प्राचार्य आवास के नाम पर थी, जो कि सरकारी जमीन है. उक्त जमीन को पीके राय कॉलेज को दिए जाने की प्रक्रिया अभी चल ही रही है.

रास्ते के लिए 10 फिट जमीन तक नहीं छोड़ रहा

पीके राय कॉलेज की प्राचार्य कविता सिंह ने बताया कि कॉलेज में घुसने का मुख्य मार्ग काफी संकरा है. कॉलेज परिसर में दाखिल होने का रास्ता मात्र 13 फिट चौड़ा है. कॉलेज में अगलगी या अन्य किसी तरह की अप्रिय घटना होने पर अग्निशमन विभाग की गाड़ी कॉलेज परिसर में दाखिल नहीं हो सकेगी. उन्होंने आईआईटी-आइएसएम प्रबंधन को कई बार पत्र लिख कर 10 फिट जमीन की मांग की है, ताकि रास्ते की चौड़ाई 20 फिट की जा सके. लेकिन, आईएसएम प्रबंधन द्वारा अब तक इसपर कोई पहल नहीं की गई है.

पूर्व में भी कॉलेज की जमीन पर कब्जा किया

प्राचार्य ने यह भी बताया कि पूर्व में भी कॉलेज की जमीन पर आईआईटी-आइएसएम ने कब्जा कर अपना भवन बना दिया है. उन्होंने बताया कि कॉलेज की साढ़े नौ एकड़ जमीन पर कब्जा कर बिल्डिंग खड़ी कर दी गई है. उक्त जमीन की भी जांच की जानी चाहिए. उन्होंने राज्यपाल से मांग की है कि जमीन की नापी करा कर सही हाथों में जमीन को सौंपा जाए. कविता सिंह ने कहा है कि आईआईटी-आइएसएम प्रबंधन से उनकी कोई शिकायत नहीं है. लेकिन जिसकी जमीन हो, उसे मिलनी चाहिए.

लॉरेंस गैंग के दो गुर्गे समेत चार धराए

- चंदवा में ठेकेदार की हत्या करने आए थे सभी अपराधी
- तीन अपराधी भागने में सफल रहे, तालाश में जुटी है पुलिस

संवाददाता।लातेहार

कार्रवाई के संबंध में जानकारी देते लातेहार व बालूमाथ के एसडीपीओ.

कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की अब लातेहार में भी एंट्री हो गई है. पुलिस ने लॉरेंस विश्नाई गैंग के दो गुर्गों समेत चार अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. चारों अपराधी चंदवा के एक प्रतिष्ठित ठेकेदार की हत्या करने आये थे. हालांकि, वारदात को अंजाम देने से पहले ही पुलिस ने चार अपराधियों को दबोच लिया. जबकि, तीन अपराधी भागने में सफल रहे.

गिरफ्तार अपराधियों में हरियाणा के कुरुक्षेत्र का रहनेवाला अश्विनी कुमार व प्रिंस कुमार के अलावा लातेहार के चंदवा थाना क्षेत्र के कीता गांव निवासी उमेश कुमार सिंह व आन गांव निवासी सर्वेश कुमार यादव शामिल है. वहीं फरार होने में सफल रहे अपराधियों की पहचान हेरहंज के कसमार गांव निवासी दिलीप टोप्पो, चंदवा निवासी कृष और लातेहार के सुकलकट्टा का रहनेवाला गणेश के रूप में की गई है. एसडीपीओ अरविंद कुमार व बालूमाथ एसडीपीओ आशुतोष कुमारसत्यम ने सोमवार को प्रेस वार्ता कर जानकारी दी. बताया कि उनके नेतृत्व में गठित टीम ने गुप्त सूचना पर सासंग स्थित रामपुर-बारी यात्री शेड के पास रविवार की शाम करीब 7:30 बजे छापेमारी की. इस क्रम में एक बाइक पर सवार तीन अपराधियों समेत चार को पकड़ा.

चेटर के राहुल सिंह ने दी थी हत्या की सुपारी : पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार अपराधियों ने बताया कि उनका संबंध गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के साथ है. चेटर के राहुल सिंह के कहने पर वे लोग एक ठेकेदार की हत्या करने आए थे. गिरफ्तार अपराधियों में अश्विनी कुमार का आपराधिक इतिहास रहा है. वह तीन बार जेल जा चुका है. पुलिस ने इन लोगों के पास से ढाई किलो गांजा, 25 ग्राम अफीम और दो मोबाइल जब्त किया है.

श्रीलंका में दिसानायके

नव उदारवादी आर्थिक नीतियों से बढ़ती असमानता के कारण आम लोगों के राजनीतिक रूझानों में तेजी से बदलाव हो रहा है. शासक समूहों को इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. श्रीलंका में कम्युनिस्ट नेता अनुरा कुमारा दिसानायके का राष्ट्रपति चुना जाना अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की शर्तों से पैदा होने वाली गरीब और मध्यवर्गीय जनता के रोष का नतीजा है. एक ओर दुनिया के चार बड़े देशों भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान का मंच क्वाड चीन को घेरने की रणनीति पर तेजी से कार्यरत हैं. दूसरी ओर श्रीलंका में चीन समर्थक दिसानायके की जीत का भारत और पश्चिमी दुनिया के साथ संबंधों पर पर असर को ले कर विशेषज्ञों का अनुमान सकारात्मक नहीं है. श्रीलंका में दो साल पहले जिस तरह जनता के विद्रोह के कारण तत्कालीन राष्ट्रपति राजपक्षे देश छोड़ कर भाग गए थे, उसके बाद विक्रमसिंघे ने दो सालों तक शासन किया और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास किया. विक्रमसिंघे ढाई प्रतिशत की विकास दर लाने में कामयाब तो हुए, लेकिन इस बीच आईएमएफ की शर्तों के कारण देश में आम लोगों का जीवन स्तर प्रभावित हुआ. मंहगाई की एक नई लहर श्रीलंका को घेरे हुए है. इस बीच दिसानायके ने नवउदारवादी आर्थिक नीतियों से अलग देश की जनता के हित में आर्थिक नीतियों का वायदा कर लोगों का दिल जीता . उनके वायदे में अडानी के प्रोजेक्ट का भी मामला है, जिसे वे रद्द करने की बात कर रहे है. चुनावों के समय दिसानायके की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें पिछले दिनों दिल्ली आमंत्रित किया गया था. भारत ने उनके रुख में नरमी लाने की कोशिश की है. चुनाव अभियान के दौरान भी दिसानायके की यह नरमी देखने को मिली. वे सभी पड़ोसी देशों के साथ बराबरी के स्तर पर दोस्ताना रिश्ते की बात कर रहे हैं. दिसनायके जनता विमुक्ति पेरामुना (पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट) के नेता हैं, जो श्रीलंका में एक मार्क्सवादी-लेनिनवादी कम्युनिस्ट पार्टी है. पार्टी पहले एक क्रांतिकारी आंदोलन थी और श्रीलंका सरकार के खिलाफ दो सशस्त्र विद्रोहों में शामिल थीः एक बार 1971 में (एसएलएफपी), और दूसरा 1987-89 में (यूएनपी). लेकिन इसके बाद से जविपे की नीतियों में बहुत बदलाव आया है. पिछले चुनाव में इस पार्टी को मात्र साढ़े तीन प्रतिशत वोट हासिल हुए थे. लेकिन नवउदारवादी आर्थिक नीतियों का परिणाम यह हुआ कि यह पार्टी सत्ता तक पहुंच गयी. अगले साल श्रीलंका में संसदीय चुनाव होने को हैं. दिसानायके को उसके पहले अपने वायदों के अनुरूप लोगों की जिंदगियों में मौजूद समस्याओं के हल की दिशा में तेज कदम उठाना होगा.

> चुनावों के समय दिसानायके की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें पिछले दिनों दिल्ली आमंत्रित किया गया था. भारत ने उनके रुख में नरमी लाने की कोशिश की है. चुनाव अभियान के दौरान भी दिसानायके की यह नरमी देखने को मिली.

सुभाषित

विद्या ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मं ततः सुखम्॥

सुखी होने के लिए विद्या की आवश्यकता अनिवार्य है भले ही वह किसी भी प्रकार की हो और उसके साथ ही विनय भी अति आवश्यक है. विनय हीन विद्या किसी काम की नही है. यदि आपके पास विद्या है तो उससे आपमें विनय आएगा और विनय से आप किसी योग्य बनेंगे आपमे पात्रता आएगी और पात्र होनेसे धन अपने आप ही आपके पास आएगा ओर धन होगा तो आप धर्म कार्य कर पाएंगे और कार्य से आपको आनंद स्वरूप सुख की प्राप्ति होगी तो इस तरह से विद्या अर्जन अति आवश्यक है.

चुनावी घोषणाएं और हमलोग

महाराष्ट्र और झारखंड राज्यों के लिए भी राजनीतिक दलों की राम रसोई में सुस्वादु सुमधुर और स्वरुचि के पकवान बन रहे होंगे, बस घोषणाओं की प्रतीक्षा है. यहां भी घोषणा पत्र बड़े दम-खम के साथ जारी किये जाएंगे. अभी पार्टियां इस बात का सुराग लगाने में परेशान है कि कोई मुद्दा विरोधी लपक मत लें, अन्यथा हाथ मलते रह जाएंगे! महत्वपूर्ण यह है कि नीति, सिद्धांत और कार्यक्रमों का संयोजन ऐसा हो कि जीवन का कोई कोना अछूता न रह जाए.

• देश-काल

अयोध्या नाथ मिश्र

चुनाव चाहे पंचायत के मुखिया सरपंच का हो या सर्वोच्च लोकसभा का, घोषणाओं, वादों, आश्वासनों, संकल्पों या प्रतिबद्धताओं (नाम जो चाहे रखिए) का महत्व बहुत बढ़ गया है! इस सर्वाधिक चुनावी महत्व के दस्तावेज की तैयारी में लोक भागीदारी की खूब चर्चा होती है तो बड़े-बड़े विशेषज्ञों की राय ली जाती है. राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, राज्य दलों की कौन कहे घोषणा पत्र की रेस में छुटभैया दलों और यहां तक कि निर्दलीय भी अब पीछे नहीं रहे हैं. स्वतंत्र भारत में चुनाव तो 1952 से होते हैं, पर उन दिनों राष्ट्रीय पार्टियां ही दलीय नीतियों, सिद्धांतों एवं कार्यक्रमों के आलोक में घोषणा पत्र को महत्व देती थीं. इस रेस में कुछ खास को छोड़कर राज्य स्तरीय पार्टियां आमतौर पर घोषणा पत्र जारी नहीं करती थीं. बाद में धीरे-धीरे प्रतिबद्धताएं बढ़ती गईं और चुनावी आश्वासनों ने आसमान छू लिया. खासकर लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव में तो घोषणा पत्र ब्रह्मास्त्र जैसे लगने लगे. इसे ऐसा दागा जाने लगा मानो वादों, आश्वासनों के बल-बूते ही वोट रूपी वृक्ष के सारे फल झोली में टपक पड़ेंगे!..और फिर पांच वर्षों का क्या कहना? यह मतदाताओं के बीच भरोसा जगाने वाला अद्भुत काल्पनिक मोदक है, जो सारी इच्छाओं, आकांक्षाओं, आवश्यकताओं और मनोकामनाओं को पूरा करने में सक्षम है! इसमें मतदाताओं अर्थात नागरिकों को कुछ नहीं करना है, सब कुछ सरकार में आने पर स्वतः दलों की सरकार कर देगी! आप हाथ पैर हाथ धरे बैठे रहिए, आपके घर में लक्ष्मी, सरस्वती सबको ये राजनीतिक दल स्वतः उतार देंगे.

अभी चार राज्यों में चुनाव की घड़ी आई है, जिनमें दो अर्थात जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में जनता अपने भाग्य विधाताओं के चुनाव में परेशान है. महाराष्ट्र और झारखंड चुनावी मैदान में कूदने के लिए कमर कस कर तैयार हैं. जम्मू कश्मीर और हरियाणा, जहां चुनाव हो रहे हैं, के मतदाताओं के सामने घोषणाओं के मोदक स्वर्णिम तश्तरियों में परोसे जा रहे हैं. महाराष्ट्र और झारखंड राज्यों के लिए भी राजनीतिक दलों की राम रसोई में सुस्वादु सुमधुर और स्वरुचि के पकवान बन रहे होंगे, बस घोषणाओं की प्रतीक्षा है. यहां भी घोषणा पत्र बड़े दम-खम के साथ जारी किये जाएंगे. अभी पार्टियां इस बात का सुराग लगाने में परेशान है कि कोई मुद्दा विरोधी लपक मत लें, अन्यथा हाथ मलते रह जाएंगे! महत्वपूर्ण यह है कि नीति, सिद्धांत और कार्यक्रमों का संयोजन ऐसा हो कि जीवन का कोई कोना अछूता न रह जाए. युवा शक्ति, महिला, कृषक, व्यवसाय, उद्यमी, कार्यरत, बेरोजगार, गरीब, अमीर, सभी सेवी वर्ग, सेवाएं अर्थात सामाजिक जीवन का कोई भी पक्ष छूटने न पाए.

प्रायः इस दौर में सत्ताधारी दल और विपक्ष अर्थात संभावित सरकार और प्रतिपक्ष पर लोगों की विशेष नजर रहती हैं. जम्मू कश्मीर में तो लंबे अरसे के बाद चुनाव हो रहे हैं. चुनाव में सीधे तौर पर दो मोर्चे नहीं हैं, पर भाजपा और कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस दो धड़े स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं .हां ,तीसरे चौथे तौर पर क्षेत्रीय दल और कुछ स्वतंत्र प्रत्याशी माहौल को ठंडे में गर्म कर रहे हैं. दूसरा महत्वपूर्ण राज्य, जहां चुनावी दौर जारी है, वह है हरियाणा. हरियाणा अपनी उद्यमशीलता, कृषि सेवाओं और उत्पादकता के लिए प्रसिद्ध है. यहां भारतीय जनता पार्टी लगातार दो बार सत्तारूढ़ हो चुकी है. दोनों ही राज्यों में घोषणा पत्रों का गर्जन-तर्जन जोर-जोर से सुनाई पड़ रहा है. 90 में से 31 सीटों पर चुनाव लड़ रही कांग्रेस पार्टी ने एक ओर जहां बेरोजगारों को 3500 बेरोजगारी भत्ता देने की बात की है तो सेब का समर्थन मूल्य 72 रुपये और किसानों को 4000 के अतिरिक्त वित्तीय सहायता, अल्पसंख्यक आयोग का गठन, सभी खेतों को सिंचाई, राज्य को पूर्ण दर्जा, 30 दिनों के अंदर एक लाख सरकारी नौकरियों के द्वार खोलने के साथ-साथ कई लाभों की घोषणाएं की हैं. तो दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी भी पीछे नहीं. उसने पांच लाख रोजगार, साल में दो एलपीजी मुक्त, कालेज छात्रों को तीन हजार महीना यातायात भत्ता और दसवीं के छात्रों को लैपटॉप तथा अटल आवास योजना के तहत बेघर को घर के लिए जमीन देने की घोषणा तक की है. इतना ही नहीं, हर परिवार की श्रेष्ठ महिला को सालाना 18 हजार रुपए सहायता के साथ-साथ पर्यटन, उद्योग व्यापार आदि क्षेत्रों में अनेक लोक लुभावनी घोषणाएं की हैं. हरियाणा भी इसमें पीछे नहीं है. देश में विकास की पहली पंक्ति में खड़ा हरियाणा किसी चुनावी समर्थन का मोहताज नहीं है, पर यहां भी घोषणाओं की झड़ी लगी हुई है. आखिर क्यों न हो, चुनाव का यह एक प्रमुख पहलू जो बन गया है.

पहले के चुनावों में राजनीतिक दल खासकर राष्ट्रीय राजनीतिक दल अपनी नीतियों, सिद्धांतों एवं उसपर आधारित कार्यक्रमों की पहुंच जनता तक बढ़ाने के लिए घोषणा पत्र जारी करते थे. बाद के वर्षों में कुछ राज्य स्तरीय दल भी घोषणा पत्र राज्य के परिप्रेक्ष्य में ही सही, जारी करने लगे. चुनावों में दलीय घोषणा पत्र जारी करना कहीं से भी गलत या अतिरेक नहीं है. समय-समय पर इसके प्रसंग में न्यायिक संदर्भ एवं चुनाव आयोग द्वारा सम्यक मार्गदर्शन के सिद्धांत जारी किए गए हैं और कहीं-कहीं निदेश भी दिये गये हैं, परंतु इसके लिए कोई हार्ड लाइन तय नहीं की गई है. यह दलों के विवेक एवं सैद्धांतिक-वैचारिक विमर्श पर अधिक निर्भर करता है कि वे इसे किस सीमा तक ले जाते हैं. लोकतंत्र में लोक ही सर्वोपरि होता है. जनता सभी बिंदुओं पर विचार कर प्रतिनिधि प्रणाली के तहत लोकसभा और विधानसभाओं के लिए अपने प्रतिनिधि का चयन करती है और एक दलीय या संयुक्त बहुमत के आधार पर सरकारों का गठन होता है. चुनाव में प्रायः राजनीतिक दल अपने मतदाताओं के अधिक करीब आते हैं. सुख-दुख में आत्मीय होने का प्रयत्न और व्यवहार करते हैं तथा तमाम व्यावहारिक-अव्यावहारिक घोषणाएं और आश्वासन की बातें करते हैं. आखिर ऐसा क्यों? लंबें अरसे तक भारतीय राजनीति को लोक सेवा के रूप में देखा जाता रहा है, परंतु सेवा से पेशा बनी राजनीति को बार-बार अपनी प्रतिबद्धताएं दुहरानी पड़ती हैं. एहसास करना पड़ता है कि हम तुम्हारे लिए कुछ कर रहे हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

अस्तित्व का शाश्वत नियम

जीवन रचना की सभी परवर्ती प्रक्रिया मूलतः अस्तित्व में पहले से विराजमान होती है. वह एक विचार या इच्छा के रूप में मौजूद होती हैं. अस्तित्व के सभी पदार्थ, परमाणु या पूरे ब्रह्मांड में सक्रियता और निष्क्रियता का भाव रहता है. हमारे सांसों के उतार-चढ़ाव, हृदय के आरोह-अवरोह, ऋतुओं के आगमन और प्रस्थान, दिन और रात, पूर्णिमा से घटते और अमावस्या से बढ़ते चंद्रमा की कलाओं में जड़ता और गतिशीलता का यह भाव कार्य करता है. यह अस्तित्व का शाश्वत नियम है, जो अविनाशी है. अस्तित्व के साथ जुड़े सभी चराचर तत्व शुरूआत में ऊर्जा या मानस भाव में परिव्याप्त होते हैं. उस जगत में व्यक्ति के विचार के अनुसार ही आकृति बन जाती है. ऊर्जा जगत में विचार शरीर के निर्माण पश्चात हम सूक्ष्म जगत यानी देह से निर्लिप्त इच्छा जगत में यात्रा करते हैं. यहां सूक्ष्म इच्छाओं की काया बनती है. फिर वही सूक्ष्म काया स्थूल जगत में ईथरीय काया धारण करती है. व्यक्ति एक साथ तीनों जगत में रहता है. स्थूल जगत में देह के साथ, सूक्ष्म जगत में अपनी इच्छाओं के साथ और मनस यानी ऊर्जा जगत में अपने विचारों के साथ. अस्तित्व के इस असीम नदी में हम सब बह रहे हैं. जिनके साथ संबंध रहे या जिनके साथ संबंध होंगे. निरंतर की इस यात्रा में हम कई बार देह के बिना ही अपने संवाद को पहुंचा देते हैं, कई बार देह के बिना ही संबंध जोड़ लेते हैं. मदद करते हैं. कई बार हम बिना किसी कारण के ही एक दूसरे को सहयोग करते हैं. यह केवल रक्त या संबंध का परिणाम नहीं होता है. बल्कि यह कुछ और भी होता है... जन्म-जन्मांतरों के संबंध. जिसके कारण अनायास ही करुणा, प्रेम और सहयोग करते हैं. इस कारण अस्तित्व में जीवन और मृत्यु जैसी कोई चीज नहीं होती है. अस्तित्व के केंद्र की ओर जाना ही जीवन का धर्म है. सूक्ष्म से विशालतम तत्व गतिमान है और अपने केंद्र की ओर गतिशील भी है. उनका एकमेव लक्ष्य उस परमगुरुत्व केंद्र की ओर गमन करना, जो सदैव एवं सभी को अपनी ओर आने का आमंत्रण दे रहा है. वह खींच रहा है. और हर पल अपने विविध सौंदर्य और गुणों से केंद्र की ओर आने के लिए आकर्षित कर रहा है. जीवन के रूप में ऊर्जा स्वतंत्र है कि वह अपने परम गुरुत्व केंद्र की ओर जाए, या इस अनंत अस्तित्व में भटकता रहे.

खेती के लिए घातक हैं जीएम फसलें

• कृषि क्षेत्र

भारत डोगरा

जेनेटिकली मोडीफाईड फसलें (जीएम) एक बड़े विवाद का विषय रही हैं. हाल ही में मैक्सिको की सरकार ने अपनी सबसे महत्वपूर्ण फसल मक्का को 'जीएम' से बचाने के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है. मैक्सिको पर पड़ोसी देश अमेरिका व वहां की कंपनियों का दबाव था कि वह 'जीएम' मक्का अपनाए, पर मैक्सिको की सरकार ने स्पष्ट कहा कि वह अपने देश की खाद्य-सुरक्षा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. इससे पहले फिलीपींस में वैज्ञानिकों, किसानों व कार्यकर्ताओं ने अदालत में 'जीएम' फसलों के विरुद्ध मुकदमा लड़ा था और उन्हें अदालत से 'जीएम' फसलों पर रोक का महत्वपूर्ण निर्णय भी प्राप्त हुआ था. इन दिनों भारत की खेती-किसानी कई स्तरों पर संकट के दौर से गुजर रही है. हालांकि इसके संतोषजनक समाधान भी कई स्तरों पर उपलब्ध हैं, पर इन समाधानों की ओर बढ़ने की बजाय कुछ सीमित स्वार्थों की ओर से ऐसे सुझाव दिए जा रहे हैं जिनसे यह संकट निश्चित तौर पर और उग्र होगा व असहनीय हद तक बढ़ सकता है. ऐसा ही एक सुझाव है 'जीएम' फसलों का प्रसार, जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बहुत शक्तिशाली तत्व जुड़े हैं. 'जेनेटिक इंजीनियरिंग' से बनने वाली 'जीएम' फसलों में किसी भी पौधे या जन्तु के 'जीन' या आनुवांशिक गुण का प्रवेश किसी अन्य पौधे या जीव में करवाया जाता है, जैसे - आलू के जीन का प्रवेश टमाटर में करवाना या सुअर के जीन का प्रवेश टमाटर में करवाना या मछली के जीन का प्रवेश सोयाबीन में करवाना या मनुष्य के जीन का प्रवेश सुअर में करवाना आदि. यह कार्य 'जीन' - बंदूक से पौधे की कोशिका पर बाहरी 'जीन' दागकर किया जाता है या किसी बैक्टीरिया में बाहरी 'जीन' का प्रवेश करवाकर उससे पौधे की कोशिका का संक्रमण किया जाता है.

'जेनेटिक इंजीनियरिंग' की तकनीक देश-विदेश में विवादग्रस्त क्यों बनी हुई है? 'जीएम' फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार रहा है कि ये फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा उनका असर जेनेटिक-प्रदूषण के माध्यम से अन्य गैर-जीएम फसलों व पौधों में फैल सकता है. इस विचार को 'इंडिपेंडेंट साईंस पैनल' ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है. इस पैनल में एकत्र हुए विश्व के अनेक देशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने 'जीएम' फसलों पर एक महत्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किया, जिसमें उन्होंने कहा कि- 'जीएम फसलों के बारे में जिन लाभों का वायदा किया गया था, वे प्राप्त नहीं हुए हैं, बल्कि ये फसलें खेतों में बढ़ती समस्याएं पैदा कर रही हैं. इस बारे में व्यापक सहमति है कि इन फसलों का प्रसार होने पर 'ट्रान्सजेनिक-प्रदूषण' से बचा नहीं जा सकता है.

> 'जेनेटिक इंजीनियरिंग' की तकनीक देश-विदेश में विवादग्रस्त क्यों बनी हुई है? 'जीएम' फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार रहा है कि ये फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा उनका असर जेनेटिक-प्रदूषण के माध्यम से अन्य गैर-जीएम फसलों व पौधों में फैल सकता है. इस विचार को 'इंडिपेंडेंट साईंस पैनल' ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है.

सन् 2009-10 में भारत में 'बीटी' बैंगन के संदर्भ में 'जीएम' के विवाद ने जोर पकड़ा तो विश्व के 17 विख्यात वैज्ञानिकों ने भारत के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस बारे में नवीनतम जानकारी उपलब्ध करवाई. पत्र में कहा गया कि 'जीएम' प्रक्रिया से गुजरने वाले पौधे का जैव-रसायन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाता है जिससे उसमें नए विषैले या एलर्जी उत्पन्न करने वाले तत्वों का प्रवेश हो सकता है व उसके पोषक गुण कम या बदल सकते हैं. जीव-जंतुओं को 'जीएम' खाद्य खिलाने पर आधारित अनेक अध्ययनों से गुर्दे (किडनी), यकृत(लिवर) पेट व निकट के अंगों (गट), रक्त-कोशिका, रक्त जैव-रसायन व प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) पर नकारात्मक असर सामने आ चुके हैं. इन वैज्ञानिकों ने बताया कि जिन जीव-जंतुओं को 'बीटी' मक्का खिलाया गया उनमें प्रत्यक्ष विषैलेपन का प्रभाव देखा गया. 'बीटी' मक्के पर 'मानसैंटो कंपनी' के अनुसंधान का जब पुनर्मूल्यांकन हुआ तो अल्प-कालीन अध्ययन में भी नकारात्मक स्वास्थ्य परिणाम दिखाई दिए. 'बीटी' के विषैलेपन से एलर्जी के रिएक्शन का खतरा जुड़ा हुआ है. 'बीटी' बैंगन खिलाने के अध्ययनों पर महको-मानसेंटो ने जो दस्तावेज तैयार किया, उससे जीव-जंतुओं पर, विशेषकर चूहे, खरगोश व बकरी के लिवर, किडनी, खून व पैंक्रियास पर नकारात्मक परिणाम नजर आते हैं. केवल 90 या उससे भी कम दिनों के, अल्पकालीन अध्ययन में ही ये प्रतिकूल परिणाम नजर आए तो जीवन-भर के अध्ययन से और कितने प्रतिकूल परिणाम सामने आते, इस पर प्रश्न खड़े हो गए हैं. एक 'जीएम' फसल 'बीटी' कपास या उसके अवशेष खाने के बाद या ऐसे खेत में चरने के बाद अनेक भेड़-बकरियों के मरने व पशुओं के बीमार होने के समाचार मिले हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

आरक्षण के भीतर आरक्षण कितना सही

• आरक्षण

संजीव

01 अगस्त 2024 को आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के सात सदस्यीय पीठ के द्वारा देविन्दर सिंह विरूद्ध पंजाब के बारे में फैसला आने के बाद अगड़ा दलित और पिछड़ा दलित के बीच द्वंद छिड़ गया है. दोनों ओर से अपने-अपने तर्क दिये जा रहे हैं. आज यह बहस राष्ट्रीय पटल पर हो रही है. अगड़े दलित उनको माना जाता है, जो आजादी के बाद से लगातार नौकरीपेशा में आ रहे हैं और इस जाति के काफी संख्या में लोग आरक्षण का लाभ लेकर उच्च पदों तक पहुंचे हैं. समृद्ध हुए हैं. जैसे जाटव, महार, अहिरवार, सतनामी आदि आदि. वहीं दूसरी ओर पिछड़े दलित उन्हें माना जाता है जिन्हें परिस्थितिवश या उनके अति पिछड़ापन होने के कारण आरक्षण का लाभ उस तरह से नहीं मिल पाया, जिस तरह से अगड़े दलितों को मिला है. जैसे वाल्मीकि, लालबेगी, मेहतर, डोमार, बंसोर, चुहड़ा, घसिया, देवार आदि आदि. इनमें प्रतिनिधित्व का बंटवारा बेहद असमान है. सफाई कामगारों में भी लाभ लेने में वाल्मीकि जाति सबसे आगे है. यहां यह बताना जरूरी है कि याचिकाकर्ता डॉ. ओपी शुक्ला जो कि दलित समाज से आते हैं, उनका कहना है कि आजादी के बाद से सफाई कामगार समाज का शोषण हुआ है. उनका प्रतिनिधित्व कहां गया? आखिर किसने उनका प्रतिनिधित्व खाया है? यह बता दें. वह कहते हैं कि मैंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका इसीलिए डाली, ताकि संविधान के अनुसार जो सबसे अंतिम व्यक्ति है, उसे इसका फायदा मिल सके. बहुत सारी ऐसी जातियां आज भी हैं, जिन्हें सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व नहीं मिला है. इस फैसले से दक्षिण भारत में खुशी का माहौल है तो उत्तर भारत में द्वंद छिड़ा है.

अगड़े दलित कहते हैं कि यह फैसला विधिसम्मत नहीं है. यह 'फूट डालो राज करो' जैसा है. इस फैसले से दलितों में दो फाड़ हो जायेगा, वैमनस्य बढ़ेगा. वे कहते हैं कि उन्होंने अपना गंदा पुश्तैनी पेशा बहुत पहले छोड़ दिया था. लेकिन पिछड़े दलित जाति के लोगों ने अपना गंदा पुश्तैनी पेशा नहीं छोड़ा. जबकि डॉ अंबेडकर ने 1930 में यह आह्वान किया था कि अछूत अपना गंदा पेशा छोड़ दें. पिछड़े दलित जातियों में बहुत बड़ी संख्या सफाई कामगार जातियों की है. यह सत्य है कि इन्होंने अपना पुश्तैनी गंदा पेशा नहीं छोड़ा. इसके कारण इनमें उत्थान नहीं हो पाया. यह थोड़ा बहुत जागरूक हुई तो भी इन्होंने उस गंदे पेशे में अधिक वेतन और सुविधा की मांग करने लगे. कई जगह ऐसा भी देखने मिला कि वे इन पेशों में 100 प्रतिशत आरक्षण की मांग करने लगे. ऐसे भी उदाहरण हैं जबकि इन पिछड़े दलित जातियों के कुछ लोगों ने अपने गंदे पेशे को छोड़कर अच्छे पेशे को अपनाया और वे आगे तरक्की कर गये. हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति-जनजाति में क्रीमीलेयर की बात की थी, जिसे प्रधानमंत्री ने लागू नहीं होगा-कहकर इस पर विराम लगा दिया, जो सही भी था. लेकिन सुप्रीम कोर्ट के दूसरे निर्देश जिसमें यह कहा गया कि पीछे रह गई जातियों में अलग से आरक्षण का बंटवारा भी किया जाएगा. यह सुप्रीम कोर्ट की एक सराहनीय पहल है. आखिर अतिपिछड़े दलित और आदिवासी को अलग से आरक्षण मिलेगा तो इससे किसे आपत्ति होगी? यह प्रश्न खड़ा होता है कि आजादी के 75 साल बाद भी दलित आदिवासी इतने पिछड़े क्यों हैं? आखिर इनमें विकास और उत्थान क्यों नहीं हो रहा है? आखिर क्या कमी रह गई? गंदे पेशे से छुटकारा दिलाने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए था. क्योंकि एक मानव के द्वारा अपमानजनक पेशे का किया जाना पूरे भारतवर्ष के लिए शर्म की बात है और संविधान के भी विरुद्ध है. चाहिए था कि जल्द से जल्द इन पेशे में लगे लोगों को हटाया जाए और मानव की जगह मशीन का उपयोग किया जाए. साथ-साथ इनका पुनर्वास किया जाना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट से यह अपेक्षा थी कि अजा और अजजा में जो आरक्षण दिया जाता है, वह आरक्षण बहुत मात्रा में 'नॉट फाउंड सूटेबल ' कहकर जनरल पोस्ट भर दिए जाते हैं. कई कई साल तक बैकलॉग की भर्तियां नहीं निकाली जाती हैं. निर्देश दिया जाना चाहिए था कि बैकलॉग की भर्तियां तुरंत करें और नॉट फाउंड सूटेबल को सामान्य में समायोजित न करके अगली भर्ती में उसकी वैकेंसी फिर से उसी केटेगरी में निकाली जाए. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> अगड़े दलित कहते हैं कि यह फैसला विधिसम्मत नहीं है. यह 'फूट डालो राज करो' जैसा है. इस फैसले से दलितों में दो फाड़ हो जायेगा, वैमनस्य बढ़ेगा. वे कहते हैं कि उन्होंने अपना गंदा पुश्तैनी पेशा बहुत पहले छोड़ दिया था. लेकिन पिछड़े दलित जाति के लोगों ने अपना गंदा पुश्तैनी पेशा नहीं छोड़ा. जबकि डॉ अंबेडकर ने 1930 में यह आह्वान किया था कि अछूत अपना गंदा पेशा छोड़ दें.

मीडिया में अन्यत्र

हिंद प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते भू-रानीतिक प्रभाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ पिछली व्यक्तिगत बैठक और उनकी अध्यक्षता वाली क्वाड सालाना शिखर बैठक के दौरान जी 7 देशों के साथ भारत के बढ़ते तालमेल को रेखांकित किया. बाइडन का कार्यकाल आगामी जनवरी में पूरा हो जाएगा. दोनों बैठकों में चीन की बढ़ती होड़ से मुकाबला करने के रास्ते तलाशने के प्रयास किए गए. इसकी पुष्टि बाइडन द्वारा क्वाड नेताओं को दिए हॉट माइक कमेंट से भी होती है, जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन, एशिया-प्रशांत के देशों का इम्तहान ले रहा है.इस संदर्भ में क्वाड नेताओं के साझा विलमिंग्टन घोषणापत्र में न केवल बढ़ी हुई भूराजनीतिक चिंताओं तथा उन्हें हल करने के लिए चुनिंदा पहलों को दर्शाया गया बल्कि इसमें वैश्विक सुरक्षा ढांचे के व्यापक पहलुओं पर संबंधों को गहरा बनाने का एजेंडा भी जारी रखा गया. इसमें स्वास्थ्य सहयोग से लेकर बुनियादी ढांचा क्षेत्र की संयुक्त परियोजनाएं और जलवायु परिवर्तन तक सभी पहलू शामिल थे. इनमें से कई कार्यक्रमों को 2025 में स्पष्ट आकार मिलेगा, जब भारत क्वाड शिखर बैठक की मेजबानी करेगा.इस संदर्भ में देखें तो प्रमुख परियोजनाओं में से एक है हिंद-प्रशांत में प्रशिक्षण की समुद्री पहल (मैत्री) जो 2022 की समुद्री क्षेत्र जागरूकता परियोजना पर आधारित है. यह साझेदार देशों को उनके विशिष्ट आर्थिक क्षेत्रों में गतिविधियों पर नजर रखने की सुविधा देती है. इसमें अतिक्रमण और गैरकानूनी गतिविधियां शामिल हैं. मैत्री का लक्ष्य है इन उपायों का अधिकतम इस्तेमाल करना.अगले वर्ष भारत में इसकी आरंभिक कार्यशाला आयोजित की जाएगी. मुंबई में भी क्वाड क्षेत्रीय बंदरगाह और परिवहन सम्मेलन आयोजित किया जाएगा ताकि समूह के उन प्रयासों को मजबूती दी जा सके जिनके तहत वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बंदरगाहों का टिकाऊ और मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करा सकता है.यह ऐसी पहल है, जिसे दक्षिण और पूर्वी चीन सागर के पड़ोसी देशों में चीन के अतिक्रमण को ध्यान में रखकर शुरू किया गया है. इससे संबंधित संयुक्त वक्तव्य को पढ़ें तो वह गंभीर चिंताओं की बात करता है. संयुक्त वक्तव्य कई अनुच्छेदों में बहुत मजबूती से चीन के सहयोगी उत्तर कोरिया के निरंतर परमाणु हथियार बनाने के प्रयासों की आलोचना करता है.दस्तावेज में सेमीकंडक्टर, कृषि शोध, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष शोध आदि सभी क्षेत्रों का उल्लेख है और क्वाड सहयोग की बढ़ती सार्वभौमिक प्रकृति को रेखांकित किया गया है. दुनिया के गरीब देशों तक भारत की पहुंच को स्वीकार करते हुए वक्तव्य ने यह इरादा प्रकट किया कि वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के जरिये उसे अधिक समावेशी बनाने का प्रयास करेगा. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उतर/उत्तर

आप छत से नीचे उतर जाइए. मैं आपके प्रश्न का उत्तर देने को तैयार हूं. इस वाक्य में एक जैसे लगनेवाले दो शब्दों का प्रयोग हुआ है. पहला उतर और दूसरा उत्तर. इन दोनों शब्दों के बीच मोटा-मोटी अंतर यह है कि उत्तर जहां संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है, वहीं उतर शब्द अकर्मक क्रिया है. श्रुतिसम भिन्नार्थक होने के कारण बहुत सारे लोग उत्तर को भी उतर ही लिख जाते हैं. इसके पीछे अज्ञानता से अधिक लापरवाही की ही भूमिका होती है. मेरे एक मित्र ने सवाल किया कि कुछ लोग उत्तर लिखते हैं तो कुछ लोग उतर. आखिर इन दोनों शब्दों में सही कौन है. मैंने उन्हें बताया-दोनों शब्द अपने स्थान पर सही हैं, लेकिन दोनों के मायने-मतलब अलग-अलग हैं. उतर का मतलब कहीं से उतर जाना. ऊपर से नीचे की ओर जाने का बोध करानेवाला शब्द है उतर. उत्तर का मतलब है किसी प्रश्न का उत्तर या फिर उत्तर दिशा. मतलब आप सीढ़ियों से उतर सकते हैं या किसी के प्रश्न का उत्तर दे सकते हैं. बच्चों को समझा सकते हैं कि हिमालय उत्तर दिशा में है. मतलब यह कि दोनों शब्द तबतक सही हैं, जबतक सही जगह पर प्रयोग में आ रहे हैं. एक दूसरे की जगह यदि प्रयोग किया जाता है तो उनका सटीक अर्थ नहीं निकल पाएगा और कहना पड़ेगा कि प्रयोग सही नहीं हुआ. उतरना का आशय ढलना, अवनति पर होना, ह्रासोन्मुख होना, कांति या स्वर का फीका होना, जैसे उसका चेहरा उतर गया है. शरीर में किसी जोड़, नस या हड्डी का अपनी जगह से हट जाना, किसी उग्र प्रभाव या उद्वेग का दूर होना, जैसे नशा का उतरना, विष उतरना, भूल जाना, जैसे कोई बात चित्त से उतर जाना. उत्तर शब्द के भी इसी प्रकार अनेक अर्थ हैं. जैसे दक्षिण दिशा के सामने की दिशा, ईशान और वायव्य कोण के बीच की दिशा, किसी बात को सुनकर उसके समाधान के लिए कही हुई बात, जवाब, पिछला, बाद का.

जब मैंने डॉक्टर को लाल आंखें दिखायीं!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

आज सुबह उठा तो आंख खुल नहीं रही थी. वैसे तो रोज़ ही उठते-उठाते कुछ समय लग ही जाता है. आंख खुलते खुलते ही खुलती है. लेकिन आज ऐसा लग रहा था कि मानों आंखों में कुछ पड़ गया हो. किरकिरा रही थीं. खैर जैसे-तैसे उठा, उठना ही पड़ा. देखते ही पत्नी बोली, अरे, ये आंखें लाल क्यों हो रही हैं,... मैंने तो कुछ बोला भी नहीं. "क्या बात करती हो?" मैंने कहा, "मेरी हिम्मत जो तुम्हारे सामने अपनी आंखें लाल कर सकूं?" "मज़ाक नहीं तुम्हारी दोनों ही आँखें लाल हैं. लगता है आ गईं हैं." "लेकिन वो 'गई' ही कब थीं, जो अब 'आ' गई हैं." मैंने कहा. बहरहाल वह मानी नहीं. मुझे आaख के अस्पताल जाना पडा. अब मैं और डाक्टर दोनों आमने सामने थे. दिन का वक्त था और डाक्टर के हाथ में टार्च थी. पता नहीं दिन के उजाले में वह टार्च से क्या देखना चाह रहा था. इससे पहले कि मैं अपनी तकलीफ के बारे में उसे कुछ बताऊं, वह बोला, "आंख दिखाइए". मुझे पहला व्यक्ति ऐसा मिला, जिसने कभी मुझसे कहा हो कि मुझे आंख दिखाओ. मैं, और वह भी एक डाक्टर को, आंख दिखाऊं, मेरी क्या मजाल ! मुझे याद है कि बचपन में कभी कोई गलती कर बैठता था तो मेरी मां मुझे जैसे ही आंख दिखाती थी, मैं डर जाता था. मां की आंख का वह डर आज भी मेरी आंखों में बदस्तूर कायम है. मुझे आज भी यह बड़ा ज़रूरी लगता है कि मां की तरह गलतियों पर आंख दिखा कर डराने-धमकाने वाला कोई तो हो. लेकिन आज की स्थितियां बिलकुल बदल गई हैं और बेमुरव्वत भी हो गई हैं. बात हो न हो, हर कोई हर किसी को कुछ इस तरह आंख दिखा रहा है, मानो खाने को दौड़ रहा हो. डाक्टर ने मेरी बाईं आंख के ऊपर और नीचे अपनी उंगलियों से आंख को चौड़ाकर पूरा खोल दिया और उसमें टॉर्च की रोशनी घुसेड़ दी. चकाचौंध से मेरी आंख बंद होने की कोशिश करने लगी, लेकिन डाक्टर की उंगलियों की जकड़ से वह खुली रहने के लिए मजबूर थी. आंख का मुआइना किया गया, और कहा अब आंखें बंद कर लीजिए. मेरी आंख में तकलीफ थी, सो मैंने झट से अपनी आंखें बंद कर लीं. वैसे भी, मैं ही क्या आप सब भी, जब भी कोई तकलीफ देखते है, आंखें बंद कर ही लेते हैं. कौन पचड़े में पड़े. सोच कर आगे बढ़ जाते हैं. किसी की भी तकलीफ को जान बूझ कर अनदेखा कर देना हम सबकी आदत में शुमार हो गया है. सो डाक्टर ने जब कहा, आंखें बंद कर लो तो मुझे इसके लिए कोई अलग से प्रयत्न नहीं करना पडा. आंख में तकलीफ थी और मैं चाह कर भी देखना चाह नहीं रहा था.

झारखंड में अलग है जितुआ परब का सौन्दर्य

वर्षा कालीन परब जितिया को जीवित्पुत्रिका, जीतवाहन, जीमूतवाहन, जितिया, जीउतिया, जितुआ, जितेन्द्रिय देव व अष्टमी पूजा के नाम से जाना जाता है. माताएं संतान के स्वास्थ्य, सुरक्षा और दीर्घायु होने की कामना के साथ जितिया व्रत करती हैं. इस पर्व को बंगाल, बिहार, उड़ीसा आदि राज्यों में बड़े ही धूम-धाम से मनाया जाता है. लेकिन झारखंड में इस पर्व का सौंदर्य कुछ और ही है. आइए, झारखंड में जितिया मनाने के खास तरीके से हों अवगत...

डा. हाराधन कोईरी

जितिया त्रि-दिवसीय पूजा है. सप्तमी के दिन संजत (नहाय-खाय) के साथ आरंभ होता है. उस दिन व्रती सुबह नाइन से (नाई की पत्नी) नाखून कटा कर पांव में महावर (आलता) लगवा कर नदी या सरोवर में स्नान करने समूह में जाती हैं. बांध घाट पहुंच कर सबसे पहले सियार-सुगनी को दातुन और पानी अर्पित करती हैं फिर स्वयं मुंह धोती हैं. नहा धोकर घर आती हैं. घर में अरवा चावल की गुड़ी से चौंक (रंगोली) फिरती हैं फिर आंकरी थापती हैं. आंकरी थापने के लिए चना, कुरथी और बटुरा का प्रयोग किया जाता है. अपने सामर्थ्य के हिसाब से कोई तीन अंजली चना, कुरथी और बटुरा को देती हैं, कोई पांच, कोई सात भी. आंकरी थापने (बीजों को अंकुरित होने के लिए देना) का नेग पूरा करने के बाद धूप-दीप जलाया जाता है. जिस जगह आंकरी थापतीं हैं उस जगह पर तीन खीरे रखे जाते हैं. उनमें एक बेटा खीरा दूसरा आंकरी ओगरा(पहरेदार) तीसरा अढ़ाई कामड़ का तब जाकर व्रती चिवड़ा और दही का भोग लगाकर परिवार के सभी सदस्यों के बीच बांटती हैं. फिर प्रसाद को ग्रहण करती हैं, पानी पीती हैं. उसके बाद और कुछ नहीं खाती हैं. केवल रात को बिना प्याज लहसून भोजन बनता है उसे ग्रहण करती हैं. वह भी पहले सियर-सुगनी को अर्पित करने के बाद ही. पांचपरगना क्षेत्र में जितिया पूजा के प्रत्येक नेगाचार में पहले सियार-सुगनी को अर्पित किया जाता है उसके बाद ही आगे का नेग किया जाता है. उपवास रख रही माताएं सप्तमी के दिन उस समय तक ही अन्न-जल ग्रहण करती हैं जब-तक सप्तमी है. अष्टमी के दिन अन्न-जल ग्रहण करना निषेध माना गया है. इसलिए तो जितिया को निर्जला व्रत कहा जाता है.

सुनतीं सियार- सुगनी की कथाएं

अष्टमी के दिन व्रती के पति ईख को अपने खेत से जड़ सहित उखाड़ लाता है या कहीं से खरीद कर. उसके बाद आंगन में गड्ढा खोद कर उसमें सुपारी और ताम्बे का सिक्का डाल कर जीतवाहन को गाड़ा जाता है. गाड़े गये ईख के नीचले भाग को पुआल की रस्सी से मोड़ दिया जाता है. फिर हल्दी से रंगा हुआ वस्त्र को चारों तरफ से घेर दिया जाता है. उसके बाद सभी उपासी (व्रती) नवीन वस्त्राभूषण पहन कर जितिया पूजन के लिए एकत्रित होती हैं. पंडित जी विधि-विधान से पूजन कराते हैं. पूजन के उपरांत पंडित जी सभी व्रतियों व श्रोताओं को सियार- सुगनी की कथायें सुनाते हैं. कथा के बाद जीतवाहन को धागा (तागा) बांधती हैं, गले मिलती हैं और पंडित जी को यथासंभव दान देती हैं, और कम से कम एक बार समूह में नेग के लिए नृत्य करती हुई जीतवाहन के चारों तरफ घुरती हैं जिसे प्रदक्षिणा करना कहते हैं. उसके बाद पंडित जी से दीप जलवा (जागर दीया) कर घर आती हैं. घर आकर तुलसी पूजन करती हैं. सबसे पहले बड़ा बेटा को धागा बांधती हैं फिर सभी बच्चों को. साथ-ही पड़ोस के बेटा-बेटी या पोता-पोती, नाता-नातिन सबंध वाले को. तागा बंधन के बाद पूरी रात निर्जला रहती हैं.

रात भर देसालाहिर नाच

रात को पारम्परिक वाद्य-यंत्र के साथ नृत्य और गीत का आयोजन होता है. कहीं- कहीं गांवों में महल नृत्य का आयोजन होता है जिसमें वाद्यकार और पुरुष वर्ग बाहर रहते हैं. कहीं - कहीं तो सामूहिक नृत्य जिसे देसालाहिर नाच कहते हैं वह होता. कहीं-कहीं शास्त्र का वाचन व भजन संगीत का आयोजन किया जाता है ताकि व्रती रात भर जागरण कर सके.

पारन के लिए बांध घाट

नवमी के दिन जितिया को उखाड़ कर सरोवर या नदी में विसर्जन घर के पुरुष करते हैं. फिर माताएं समूह में पारन के लिए बांध घाट जाती हैं. घाट पहुंच कर सबसे पहले सियार-सुगनी को दतुन पानी देती हैं फिर स्वयं मुंह धोती हैं. मुंह धोने के उपरांत अढ़ाई कामड़ (दो और आधा) का नेग करती हैं. इस नेग में माताएं अढ़ाई कामड़ वाले खीरे को दो टुकडा करती हैं. उसके ऊपर में घी, दही और गुड़ लगाती हैं और ढ़ाई बार मुंह से काटती हैं और खा जाती हैं. फिर पानी में हल्का बैठ कर पीछे तरफ अढ़ाई कामड़ वाले खीरा को फेंकती हैं जिसे व्रती का पुत्र पीछे से पकड़ लेता है और खाता है. उसके बाद माताएं स्नान कर दही-चिवड़ा वापस में बांटती हैं. तब स्वयं खाती हैं. खाने के बाद सुहागिन नारियाँ एक-दूसरे के मांग में सिंदूर डालती हैं.

जितिया विसर्जन के बाद अखड़ा में नृत्य-गीत

घर में उस दिन कुरथी और साग की सब्जी बनायी जाती है. पुरुष वर्ग डारी गाड़ने का काम को सम्पन्न करते हैं. यद्यपि डारी गाड़ने की प्रथा करम में है लेकिन जो जितिया गाड़ते हैं वह जितिया विसर्जन के बाद भी करते हैं. जितिया विसर्जन के दिन शाम को अखड़ा मेटा कार्यक्रम या नृत्य गीत का आयोजन होता है. जितिया पूजा में महुआ वृक्ष का विशेष महत्त्व है क्योंकि व्रती महुआ के दातुन से ही सप्तमी, अष्टमी और नवमी को मुंह धोती हैं तथा सियार-सुगनी को भोग लगाती हैं. पूजा के लिए दोना, पथरी आदि बनाती हैं. यदि तुलनात्मक दृष्टि से देखा जाए तो जिस प्रकार करम पर्व में करम वृक्ष का विशेष महत्त्व होता उसी प्रकार जितिया में महुआ का. जितिया पूजा पुत्र की सुरक्षा, स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि के लिए माताएं व्रत करती हैं. इसलिए पुत्र का कर्तव्य हो जाता है कि हर परिस्थित में माता-पिता की सेवा करना. यदि हम सच्चे मन से माता-पिता की सेवा कर पाने में सक्षम हैं तभी हमारा जीवित्पुत्रिका पूजन की सार्थकता है अन्यथा परम्परा का निर्वाह मात्र ही. जोहार जीतवाहन बाबा!

महाभारत काल से जुड़ी है जितिया की कथा

जीवित्पुत्रुका व्रत की कथा महाभारत कालीन है. कहा जाता है कि अश्वत्थामा पिता की हत्या का बदला लेने के लिए रात्रिकाल में पांडवों के शिविर में जाकर सोये हुए पांडु पुत्रों की निर्मम हत्या करता है. इा कारण अर्जुन अश्वत्थामा को बंदी बनाकर उसका मणि छीन लेता है. प्रतिशोध की आग में जल रहे अश्वत्थामा उत्तरा के गर्भ में पल रहे शिशु पर ब्रह्मास्त्र छोड़ देता है. फलत: मृत शिशु का जन्म हुआ. श्रीकृष्ण ने दिव्य शक्ति से मृत शिशु में प्राणत्व देकर उसे पुनर्जीवित किया जिसके कारण उनका नाम जीवित्पुत्रिका पड़ा जो आगे चल राजा परीक्षित के नाम से जाने गए. तब से जितिया का नाम जीवित्पुत्रिका पड़ा.

एक कथा यह भी

प्राचीन काल में जीमूतवाहन नाम के एक दयालु राजा थे. एक दिन वह वन में विहार करने के लिए गए तो अचानक एक नाग माता की रोने की आवाज सुनाई दी. राजा ने उस नाग माता से रोने का कारण पूछा तो पता चला कि उनके एकमात्र पुत्र को गरुड़ खाना चाहते हैं. इस भय से वह क्रंदन कर रही हैं. तब राजा जीमूतवाहन ने उन्हें चिंता नहीं करने को कहा. जब गरुड़ उस नाग पुत्र को खाने के लिए आया तब जीमूतवाहन ने कहा कि आप इसे मत खाइए! आप मुझे खा लीजिए. तब गरुड़ ने जीमूतवाहन की निष्ठा और त्याग को देखकर दोनों को छोड़ दिया. तब नागमाता ने राजा जीमूतवाहन की विधिवत पूजा अर्चना की. इसलिए जितिया को जीमूतवाहन के नाम से जाना जाता है.

जीवन नैया जब हिले, मां बनती पतवार...

बस उनके आशीष से, भवसागर हो पार

बिंदु प्रसाद रिद्धिमा

जिउतिया, जितिया, जीवित्पुत्रिका व्रत, यह सारे एक ही नाम हैं जो माताओं द्वारा निर्जला रहकर अपने संतान की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य, उन्नति और वंश वृद्धि के लिए किया जाता है. यह कठिन व्रत तीन दिनों का होता है. पहला दिन नहाए खाए, दूसरा व्रत का दिन और तीसरे दिन पारण. भारत के अनेक राज्यों में किसी और दूसरे महीने में, संतानों के खुशहाली और दीर्घायु के लिए माताएं कुछ और नाम से व्रत करती हैं. उत्तर भारत में जिसे अहोई अष्टमी के नाम से जाना जाता है.

जीवित्पुत्रिका व्रत हर साल आश्विन मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी को किया जाता है. इसी समय पितृपक्ष भी चलता रहता है. बहुत ही सादगी और नियम से किया जाने वाला यह व्रत गरीब से गरीब परिवेश की माताएं, स्त्रियां, महिलाएं भी कर सकती हैं क्योंकि इसके उपयोग में आने वाली सारी वस्तुएं हमारे कृषि प्रधान देश के परिवेश की ही उपज है.

व्रत से एक दिन पहले नहाए खाए में मडुआ की रोटी या व्यंजन, सतपुतिया, झींगे की सब्जी, नोनी का साग, कहीं-कहीं मछली का भी सेवन किया जाता है. मां अपने बच्चों के साथ बैठकर एक ही थाल में खाना खाती हैं और खिलाती हैं. बहुत ही सुंदर परिवारिक दृश्य बनता है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी से चला आ रहा है.

व्रत के दिन भी बड़ी सादगी से झींगे के पत्ते पर खीरा के साथ कुछ धागे जिसे बद्दी कहते हैं रखकर महिलाएं कथा सुनती हैं और निर्जला व्रत रखती हैं. स्त्रियां कुश से बनी जीमूतवाहन भगवान की प्रतिमा के समक्ष धूप, दीप, चावल और विधि विधान से पूजा करती हैं. साथ में गाय के गोबर और मिट्टी से चील, सियारिन की प्रतिमा भी बनाई जाती है. पूजा के बाद व्रत की कथा सुनी जाती है.

अगली सुबह सूर्य देव को अर्घ्य देकर माताएं अन्न जल ग्रहण करती हैं तथा व्रत का समापन कर पारण किया करती हैं. पारण में फिर से वही ग्रामीण परिवेश की वस्तुएं जैसे कुशी केराव की दाल, पोरों या पोंई के पत्ते की सब्जी, तरुवा, पकौड़ी, अरबी की सब्जी और भात की प्रधानता रहती है.

व्यक्तिगत तौर पर मैं खुद भी जितिया का व्रत करती हूं और हमारी 82 वर्षीया सासू मां, इस उम्र में भी निर्जला उपवास रखती हैं और हम दोनों घर परिवार, संतानों की खुशहाली संग अच्छे स्वास्थ्य की कामना भी करते हैं.हम सब खुशनसीब हैं कि महाभारत काल से आई परंपरा को अभी तक हम सब निभा रहे हैं और आगे की भी माताएं अपनी संतानों के लिए इस तरह की व्रत जरूर करेंगी, ऐसी हमारी कामना और विश्वास है.

व्रत करती हैं निर्जला, हो बच्चें दीर्घायु।
मां करती जब जीतिया, बच्चे स्वस्थ चिरायु।।

बुरी नजर से बचाता है बागुआ दर्पण

फेंगशुई में घर की नेगेटिविटी से छुटकारा पाने के लिए बागुआ दर्पण लगाना बेहद शुभ माना गया है. मान्यता है कि इससे सुख-समृद्धि व सौभाग्य में वृद्धि होती है. नजर दोष से बचाव होता है. जीवन में सकारात्मकता बढ़ती है. आइए जानें कि क्या होता है बागुआ दर्पण और क्या हैं इसके फेंगशुई टिप्स...

स्वामी विमलेश

- **क्या होता है बागुआ दर्पण ?**

बागुआ दर्पण एक प्रकार का मिरर होता है, जिसका आकार अष्टकोणीय यानी आठ कोण वाला होता है. इन आठ किनारों पर तीन-तीन लाइंस होती हैं, जिसमें से कुछ टूटी और कुछ पूरी होती है. पूरी रेखाओं को यांग और टूटी रेखाओं को यिन कहा जाता है. बागुआ दर्पण में कोई केंद्र नहीं होता है.

ये हैं फेंगशुई टिप्स

- मुख्यद्वार पर बीचोबीच पाकुआ दर्पण लगाएं. मान्यता है कि इससे वास्तु दोष समाप्त होता है.
- बागुआ मिरर को बेडरूम के द्वार पर लाल धागे से बांधकर लगाने पर कमरे में नेगेटिव एनर्जी नहीं आती है. घर में सकारात्मक माहौल रहता है.
- यदि घर तिराहे, चौराहे या दक्षिण दिशा में हो, तो बागुआ शीशा लगाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम रहता है.
- जिस घर में बगुआ दर्पण लगा होता है, वहां सदस्यों को नजर दोष नहीं लगती.

- **इस बात का रखें ध्यान :** बगुआ दर्पण लगाएं तो इसकी साफ-सफाई का ध्यान रखें. यह गंदा नहीं होना चाहिए. कहीं टूट-फूट नहीं हो, अगर हो तो तुरंत दुरुस्त कराएं. इसका फ्रेम काला, नीला, लाल या गुलाबी ना हो. कोशिश करें कि फ्रेम हरा, सफेद या आसमानी हो.

इस पक्ष में मिलता पितरों का आशीष

आचार्य अजय मिश्रा

आश्विन कृष्ण पक्ष को 'पितृपक्ष' के रूप में माना जाता है. भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से पितरों का समय शुरू हो जाता है, जो अमावस्या तक रहता है. शुक्लपक्ष को पितरों की रात कहा गया है. मनुस्मृति में कहा गया है कि मनुष्यों के एक मास के बराबर पितरों का एक अहोरात्र (दिन-रात) होता है. इस माह में दो पक्ष होते हैं : कृष्णपक्ष और शुक्लपक्ष. मनुष्यों का कृष्णपक्ष पितरों के कर्म का दिन होता है, जबकि शुक्लपक्ष पितरों के सोने का समय होता है. यही कारण है कि आश्विन माह के कृष्णपक्ष-पितृपक्ष में पितृश्राद्ध करने का विधान है. इस समय पितरों को प्रतिदिन भोजन मिलता है, जिससे उनकी आत्मा को तृप्ति मिलती है. शास्त्रों में पितृपक्ष में श्राद्ध करने की विशेष महिमा लिखी गई है. इस पक्ष में अपने पितरों का श्राद्ध-तर्पण कर उनकी आत्मा को तृप्त करना प्रत्येक सनातन धर्मी के लिए अनिवार्य है.

- **श्राद्ध का महत्व और विधि**

पितृपक्ष में मृत्यु के दिन जो तिथि आती है, उस तिथि पर मुख्य रूप से तर्पण और पार्वणश्राद्ध करने का विधान है. यह एक प्राकृतिक जिज्ञासा है कि श्राद्ध में दी गई सामग्री पितरों को कैसे मिलती है, क्योंकि मृत्यु के बाद जीव को अलग-अलग योनियों में भेजा जाता है. कुछ देवता बन जाते हैं, कुछ पितर, कुछ प्रेत, कुछ हाथी, कुछ चींटी, कुछ चिनार के वृक्ष और कुछ तृण बन जाते हैं. इस संदर्भ में प्रश्न उठता है कि एक छोटे से पिण्ड से हाथी का पेट कैसे भर सकता है. या एक बड़ी चींटी इतनी बड़े पिण्ड को कैसे खा सकती है? देवता अमृत से तृप्त होते हैं, पिण्ड से उन्हें कैसे तृप्ति मिलेगी? शास्त्रों ने इस प्रश्न का स्पष्ट उत्तर दिया है कि नाम और गोत्र के आधार पर विश्वेदेव और अग्निष्वात्त जैसे दिव्य पितर हव्य-कव्य को पितरों तक पहुंचाते हैं. यदि पितर देवयोनिक हैं, तो दिया गया अन्न उन्हें अमृत के रूप में प्राप्त होता है. मनुष्य योनि में अन्न के रूप में और पशु योनि में तृण के रूप में उन्हें प्राप्ति होती है. नाग आदि योनियों में वायु के रूप में, यक्ष योनि में पान के रूप में, और अन्य योनियों में श्राद्धीय वस्तुएं भोगजनक तृप्ति प्रदान करती हैं. जैसे गोशाला में बछड़ा अपनी मां को ढूंढ ही लेता है, वैसे ही मंत्र द्वारा सामग्री जीव के पास पहुंच जाती है. नाम, गोत्र, श्रद्धा और उचित संकल्प से दिए गए पदार्थ मंत्रों द्वारा जीव के पास पहुँच जाते हैं. जीव चाहे कितनी भी योनियों में चला गया हो, तृप्ति तो उसके पास पहुंच ही जाती है.

- **पितरों के श्राद्ध का समय**

मृत्युतिथि और पितृपक्ष में तर्पण और श्राद्ध करना आवश्यक है. वर्तमान समय में अधिकांश लोग श्राद्ध को व्यर्थ समझते हैं और नहीं करते. जो लोग श्राद्ध करते हैं, उनमें से कुछ विधिपूर्वक और श्रद्धा के साथ श्राद्ध करते हैं, जबकि अधिकांश लोग इसे रस्म-रिवाज के रूप में करते हैं. वास्तव में, शास्त्रोक्त विधि से किया गया श्राद्ध ही सभी प्रकार के कल्याण को प्रदान करता है. अतः प्रत्येक व्यक्ति को श्रद्धापूर्वक और समय पर सभी श्राद्धों को करना चाहिए. जो लोग सभी श्राद्ध नहीं कर सकते, उन्हें कम से कम मरणतिथि पर और आश्विन माह के पितृपक्ष में अपने मृत पितरों के लिए श्राद्ध अवश्य करना चाहिए.

- **पितृपक्ष के अंतर्गत आने वाले श्राद्ध**

पितृपक्ष में श्राद्ध करने की प्रक्रिया में पिता, पितामह (दादा), प्रपितामह (परदादा) और उनके साथ माता, दादी और परदादी जैसे कुल 6 व्यक्तियों का श्राद्ध किया जाता है. इसके अलावा, मातामह (नाना), प्रमातामह (परनाना), और वृद्ध प्रमातामह (वृद्ध परनाना) जैसे 6 और लोगों का श्राद्ध होता है. इसके अतिरिक्त, एक पीढ़ी और जोड़ी जाती है, जिसमें निकटतम संबंधियों के लिए तर्पण पिण्डदान किया जाता है. इसके साथ ही दो विश्वेदेव के भी खुट लगते हैं. इस प्रकार, नौ चट लगाकर पार्वणश्राद्ध सम्पन्न होता है. पार्वणश्राद्ध में नौ ब्राह्मणों को भोजन कराना चाहिए. यदि केवल तीन ब्राह्मण उपलब्ध हों तो उन्हें भोजन कराया जा सकता है. अगर अच्छे ब्राह्मण न मिलें, तो कम से कम एक सन्ध्यावन्दन करने वाले सात्त्विक ब्राह्मण को भोजन कराना चाहिए.

- **श्राद्ध करने के लाभ**

जो प्राणी विधिपूर्वक और शांत मन से श्राद्ध करता है, वह सभी पापों से रहित होकर मोक्ष प्राप्त करता है और संसार के चक्र में वापस नहीं आता. इसलिए, प्राणी को पितरों की संतुष्टि और अपने कल्याण के लिए श्राद्ध अवश्य करना चाहिए. इस संसार में श्राद्ध से श्रेष्ठ कोई अन्य उपाय नहीं है. महर्षि सुमन्तु ने भी कहा है कि इस जगत में श्राद्ध से श्रेष्ठ कोई कल्याणकारी उपाय नहीं है, इसलिए बुद्धिमान व्यक्ति को यत्नपूर्वक श्राद्ध करना चाहिए. श्राद्ध न केवल जीवन को सुखमय बनाता है, बल्कि यह मुक्ति भी प्रदान करता है. यह पितरों को दीर्घ आयु, संतान, धन, विद्या, सुख, स्वर्ग और मोक्ष प्रदान करता है.

अत्रिसंहिता के अनुसार, जो भी व्यक्ति पितृकार्य में संलग्न रहता है, वह निश्चित रूप से परमगति को प्राप्त होता है.

- **श्राद्ध न करने की हानि**

शास्त्रों ने श्राद्ध न करने की हानि को स्पष्ट रूप से बताया है, जिससे जानकर कोई भी व्यक्ति चिंतित हो सकता है. मृत व्यक्ति अपने साथ कोई स्थूल शरीर या पाथेय (अन्न-जल) नहीं ले जा सकता है. इसलिए, जो कुछ उसके सगे- संबंधी श्राद्धविधि से उसे देते हैं, वही उसे मिलता है. शास्त्रों ने मरणोपरांत पिण्डदान की व्यवस्था की है.

- **ब्राह्मण-भोजन से श्राद्ध की पूर्ति**

श्राद्ध की प्रक्रिया में दो मुख्य बातें हैं - पिण्डदान और ब्राह्मण भोजन. मृत्यु के बाद जो लोग देवलोक या पितृलोक में पहुंचते हैं, वे मंत्रों के माध्यम से बुलाए जाने पर उन लोकों से आकर निमंत्रित ब्राह्मणों के माध्यम से भोजन करते हैं. चूंकि वे सूक्ष्मग्राही होते हैं, भोजन के सूक्ष्म कणों के आघ्राण से उनका पेट भर जाता है. वेदों ने बताया है कि ब्राह्मणों को भोजन कराने से पितरों को यह भोजन प्राप्त हो जाता है. कम से कम एक सन्ध्यावन्दन करने वाले सात्त्विक ब्राह्मण को भोजन अवश्य कराना चाहिए.

- **धन की कमी में श्राद्ध की व्यवस्था**

धन की कमी के कारण श्राद्ध का अनुष्ठान नहीं कर पाना एक सामान्य समस्या हो सकती है. ऐसी स्थिति में शास्त्रों ने कुछ व्यवस्था की है. यदि अन्न या वस्त्र खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं, तो शाक से श्राद्ध कर सकते हैं. अगर शाक खरीदने के लिए भी पैसे नहीं हैं, तो तृण और लकड़ी बेचकर पैसे इकट्ठा करें और उन पैसों से श्राद्ध करें. अधिक श्रम से किया गया श्राद्ध अधिक फलदायी होता है. अगर लकड़ियां भी उपलब्ध नहीं हैं, तो घास से श्राद्ध किया जा सकता है. घास काटकर गायों को खिलाने का प्रावधान है, जैसा कि पद्मपुराण ने बताया है.

- **पितृश्राद्ध का अधिकार**

पितृश्राद्ध का अधिकार मुख्य रूप से पुत्र को होता है. कई पुत्र होने पर, अन्त्येष्टि से लेकर एकादशाह और द्वादशाह तक की सभी क्रियाएं ज्येष्ठ पुत्र को करनी चाहिए. विशेष परिस्थितियों में बड़े भाई की आज्ञा से छोटा भाई भी श्राद्ध कर सकता है. यदि सभी भाई संयुक्त परिवार में रहते हैं, तो वार्षिक श्राद्ध भी ज्येष्ठ पुत्र के द्वारा एक ही स्थान पर सम्पन्न हो सकता है. अलग- अलग परिवारों में, वार्षिक और अन्य श्राद्ध अलग-अलग करना चाहिए. यदि पुत्र नहीं हैं, तो शास्त्रों में श्राद्ध करने के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं दी गई हैं.

- **संक्षिप्त विधि**

सामान्यतः वर्ष में कम से कम दो बार श्राद्ध करना अनिवार्य होता है. इसके अतिरिक्त अमावस्या, व्यतीपात, संक्रान्ति आदि पर्वों के दिन भी श्राद्ध करने की विधि है. श्राद्ध की यह विस्तृत और महत्वपूर्ण विधि केवल पितरों के लिए ही नहीं, बल्कि अपने जीवन और परलोक की भलाई के लिए भी अत्यंत आवश्यक है. पितरों की आत्मा को शांति और तृप्ति प्रदान करने के साथ-साथ, यह स्वयं की आत्मा के कल्याण का भी मार्ग प्रशस्त करता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

चेस ओलंपियाड में भारत का जलवा, पुरुष व महिला दोनों वर्गों में जीता गोल्ड

भारत ने इतिहास रचते हुए पहली बार चेस ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीते हैं. भारत की पुरुष और महिला टीमों ने 45वें शतरंज ओलंपियाड में अंतिम दौर में अपने अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराकर इस प्रतियोगिता में पहली बार स्वर्ण पदक जीता है. 45वां फिडे चेस ओलंपियाड हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में खेला गया, जिसमें 195 देशों की 197 टीमें पुरुष वर्ग में और महिला वर्ग में 181 देश की 183 टीमों ने हिस्सा लिया.

सचिन तेंदुलकर, प्रियंका गांधी ने भारतीय टीम को दी शुभकामनाएं

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) शतरंज ओलंपियाड में पुरुष और महिला दोनों स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक हासिल करने पर भारतीय टीम को शुभकामनाएं दीं. भारत ने बुडापेस्ट में फिडे शतरंज ओलंपियाड में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए रविवार को पुरुष और महिला दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक हासिल किए. सचिन ने भारतीय टीम को शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर लिखा, दो स्वर्ण, एक राष्ट्र! शतरंज ओलंपियाड 2024 में पहला स्थान हासिल करने के लिए हमारी पुरुष और महिला दोनों टीमों को बधाई. कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी भारतीय टीम को शुभकामनाएं दीं और कहा कि पूरे देश को उन पर गर्व है.

प्रियंका ने एक्स पर लिखा, शतरंज ओलंपियाड में भारतीय खिलाड़ियों ने इतिहास रच दिया. पुरुष टीम ने ओपन वर्ग में पहली बार स्वर्ण पदक जीता। महिला वर्ग में भी भारतीय टीम ने पहली बार स्वर्ण पदक जीता है. सभी खिलाड़ियों और टीम के सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई. पूरे देश को आप सभी पर गर्व है. जय हिंद. डी गुकेश, आर प्रज्ञानानंद, अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती और पेंटाला हरिकृष्णा की भारतीय पुरुष टीम ने स्लोवेनिया को हराकर स्वर्ण पदक जीता. गुकेश और एरिगैसी की जीत ने भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई और प्रज्ञानानंद की बाद की जीत और विदित के ड्रॉ ने 3.5-0.5 की जीत के साथ स्वर्ण पदक पक्का कर दिया. इस बीच, हरिका द्रोणावल्ली, आर वैशाली, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और तानिया सचदेव की भारतीय महिला टीम ने अजरबैजान को 3.5-0.5 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया. हरिका, दिव्या और वंतिका ने अपने-अपने मैच जीते, जबकि वैशाली ने अपना मैच ड्रॉ किया. महिला टीम ने 2022 में चेन्नई ओलंपियाड से अपने कांस्य पदक में सुधार किया. शतरंज ओलंपियाड में भारत के पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में 2014 और 2022 में दो कांस्य पदक शामिल हैं. हालांकि, कोविड-19 के दौरान 2020 में एक ऑनलाइन ओलंपियाड में भारत ने रूस के साथ स्वर्ण पदक साझा किया था.

भारत आने से पहले न्यूजीलैंड को झटका, रचिन का टूटा दिल, पांचवें दिन 29 गेंदों में ही सिमटी कीवी टीम

न्यूजीलैंड चित्त, श्रीलंका ने पहले टेस्ट में हराया

एजेंसी। गाले

श्रीलंका ने स्पिनर प्रभात जयसूर्या की खतरनाक बॉलिंग की मदद से न्यूजीलैंड को 63 रन से हरा दिया. गाले में लंकाई टीम ने मैच को जीतकर दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली. कीवी टीम 275 रन के टारगेट के सामने 211 रनों पर सिमट गई. अगले महीने भारत में दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने से पहले टिम साउदी की टीम के लिए यह हार चिंताजनक है. न्यूजीलैंड की हवा स्पिन पिच पर निकल गई है. अब दूसरा मुकाबला गाले में ही 26 सितंबर से खेला जाएगा. न्यूजीलैंड को मैच के आखिरी दिन 68 रनों की आवश्यकता थी, लेकिन उसकी आशाएं जल्द ही समाप्त हो गईं. लंकाई टीम ने न्यूजीलैंड के के प्रमुख खिलाड़ी रचिन रवींद्र को जल्दी ही आउट कर दिया. श्रीलंका ने मैच को समेटने में अंतिम दिन केवल 29 गेंदों का समय लिया. मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. उसने पहली पारी में 305 रन बनाए. न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 340 रन बनाकर 35 रन की लीड हासिल की. श्रीलंका ने दूसरी पारी में 309 रन बना दिए और न्यूजीलैंड को 275 रन का टारगेट दिया. जवाब में कीवी टीम 211 रनों पर ही सिमट गई.

रचिन रवींद्र की हुई पारी बेकार : दूसरी पारी में न्यूजीलैंड को बड़ी साझेदारी की आवश्यकता थी, लेकिन उसके खिलाड़ी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए. केन विलियमसन (30), टॉम लाथम (28) और टॉम ब्लंडेल (30) ने टीम को निराश किया. एक छोर पर रचिन रवींद्र टिके रहे. वह 92 रन बनाकर आउट हुए. उनकी यह पारी टीम के लिए पर्याप्त नहीं थी. श्रीलंका के लिए जयसूर्या ने पांच विकेट लिए. उनके साथी स्पिनर रमेश मेंडिस ने तीन विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई.

भारत में तीन टेस्ट खेलेगी न्यूजीलैंड की टीम

न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी. पहला मुकाबला 16 अक्टूबर से बेंगलुरु में खेला जाएगा. दूसरा टेस्ट मैच पुणे में 24 अक्टूबर से होगा. सीरीज का तीसरा और आखिरी टेस्ट मैच एक नवंबर से मुंबई में होगा.

डब्ल्यूटीसी प्वॉइंट्स टेबल में श्रीलंका का धमाल, टॉप थ्री में पहुंची

- 2025 के जून में खेला जाएगा डब्ल्यूटीसी का फाइनल
- खिताब के लिए नौ टीमों के बीच टक्कर जारी

एजेंसी। नयी दिल्ली

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप-डब्ल्यूटीसी 2023-25 का फाइनल मैच अगले साल जून में खेला जाएगा. इस खिताब के लिए नौ टीमों के बीच टक्कर जारी है. टीम इंडिया इस समय बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है. सीरीज का पहला मैच जीतकर टीम इंडिया फिलहाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की प्वॉइंट्स टेबल में टॉप पर बनी हुई है. वहीं, श्रीलंका की टीम अपने घर पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही है. इस सीरीज का पहला मैच जीतकर श्रीलंकाई टीम ने डब्ल्यूटीसी की प्वॉइंट्स टेबल में उथल-पुथल मचा दी है.श्रीलंका और न्यूजीलैंड की टीम के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है. श्रीलंका ने गॉल टेस्ट में न्यूजीलैंड को 63 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है. दोनों टीमों के बीच एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिला और खेल के आखिरी दिन विजेता का फैसला हुआ. गॉल टेस्ट में श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के सामने जीत के लिए 275 रन का लक्ष्य रखा था, लेकिन वह इसके जवाब में 211 रन ही बना सकी. इस जीत का फायदा श्रीलंका की टीम को आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की प्वॉइंट्स टेबल में हुआ है. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की प्वॉइंट्स टेबल में श्रीलंका की टीम अब टॉप-3 में पहुंच गई है. श्रीलंका का जीत प्रतिशत अब 50 फीसदी हो गया है और वह चौथे से तीसरे नंबर पर आ गई है. वहीं, इस श्रीलंका की इस जीत के बाद न्यूजीलैंड की टीम टॉप-3 से बाहर हो गई है. न्यूजीलैंड की टीम का जीत प्रतिशत 50 फीसदी था, जो अब घटकर 42.86 हो गया है. श्रीलंका की टीम अब सिर्फ भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमों से पीछे है. टीम इंडिया पहले नंबर पर बनी हुई है, वहीं ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर बरकरार है.

टीम इंडिया फाइनल में पहुंचने की बड़ी दावेदार

टीम इंडिया का जीत प्रतिशत इस समय 71.67 है. उसने 10 टेस्ट मैच खेले हैं और 7 मुकाबले में जीत भी हासिल की है. वहीं, दो मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है और एक मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ है. टीम इंडिया के पास अभी भी 9 टेस्ट मैच बचे हुए हैं, इसमें से 4 मैच तो उसे अपने घर पर ही खेलने है. ऐसे में टीम इंडिया के पास लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाने का बड़ा मौका है. वहीं, ऑस्ट्रेलिया की टीम का जीत प्रतिशत 62.50 है. उसने 12 मैचों में से आठ मैचों में जीत हासिल की है. ऐसे में वह भी लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाने की दावेदार है. हालांकि इस साल के अंत में उसे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया की मेजबानी करनी है. इस सीरीज से बाद ही फाइनल की टीमों का फैसला हो पाएगा. दूसरी ओर पाकिस्तान और वेस्टइंडीज फाइनल की रेस से लगभग बाहर हो चुकी हैं.

ऑस्ट्रेलियाई पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच नियुक्त हुए टोनी पोपोविक

एजेंसी। मेलबर्न

फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को टोनी पोपोविक को पुरुष राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है. वह तत्काल प्रभाव से यह जिम्मेदारी संभालेंगे. 51 वर्षीय पोपोविक का पहला काम 2026 फीफा विश्व कप के लिए एएफसी एशियाई क्वालीफायर का महत्वपूर्ण तीसरा दौर होगा. ऑस्ट्रेलिया अपने अगले विश्व कप क्वालीफायर में 10 अक्टूबर को एडिलेड में चीन की मेज़बानी करेगा. पोपोविक ने एक बयान में कहा, मैं मुख्य कोच के रूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम का नेतृत्व करने का अवसर पाकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं. यह एक ऐसी भूमिका है जो बड़ी जिम्मेदारी के साथ आती है, और मैं इस अवसर के लिए बहुत आभारी हूं. यह निस्संदेह मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत गर्व का क्षण है.

स्पिनर शोएब कांगा ने लिए सभी 10 के 10 विकेट

मुंबई। मुंबई की प्रतिष्ठित कांगा लीग में बाएं हाथ के स्पिनर शोएब ने एक पारी में 10 के 10 विकेट ले लिए. कांगा लीग ई-डिवीजन में गौड़ सारस्वत क्रिकेट क्लब के लिए खेल रहे थे. गवर्नमेंट लॉ कॉलेज की पिच पर शोएब ने बिना ब्रेक के लगातार 17.4 ओवर गेंदबाजी की और जौली क्रिकेटर्स के सभी 10 बल्लेबाजों को आउट किया. टेस्ट क्रिकेट में जिम लेकर, अनिल कुंबले और एजाज पटेल ऐसा कर चुके हैं.

वोल्फ्सबर्ग को 4-3 से हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा बेयर लीवरकुसेन

एजेंसी। बर्लिन

बेयर लीवरकुसेन रविवार को बुन्देसलीगा में वोल्फ्सबर्ग को 4-3 से हराकर दूसरे स्थान पर पहुंच गया. लीवरकुसेन ने शानदार शुरुआत की, लेकिन पांच मिनट बाद ही वह 1-0 से पीछे हो गया, जब डिफेंडर नॉर्डी मुकीले ने मोहम्मद अमौरा के खतरनाक हेडर को अपनी ही गोल पोस्ट में डाल दिया. हालांकि मैच के 14वें मिनट में फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने गोल कर लीवरकुसेन को 1-1 से बराबरी दिला दी. कुछ ही क्षणों बाद लीवरकुसेन ने वापसी की जब जोनाथन ताह ने एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो के पास पर हेडर से गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया. सेबेस्टियन बोर्नो ने 37वें मिनट में हेडर के जरिये गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया. मैथियास स्वानबर्ग ने 18 मीटर की दूरी से गोल कर वोल्फ्सबर्ग को हाफटाइम के पहले 3-2 की बढ़त दिला दी. खेल पुनः शुरू होने के बाद, लेवरकुसेन के कोच ने पिएरो हिनकापी को मैदान में उतारा, जिन्होंने तुरंत दूसरे हाफ के चौथे मिनट में गोल कर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया.

कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 : टी20 क्रिकेट में निकोलस पूरन ने किया नया कारनामा

एक साल में लगाए 150 छक्के, बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी। कैनबरा

वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज निकोलस पूरन इस समय कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 में त्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर से खेल रहे हैं. इस लीग में उनका बल्ला जमकर चल रहा है. सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट के खिलाफ खेले गए मैच में भी उनके बल्ले से एक मैच विनिंग पारी देखने को मिली. इस पारी के दौरान निकोलस पूरन ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया. उन्होंने एक ऐसा कारनामा करके दिखाया है जो टी20 क्रिकेट में इससे पहले कोई भी बल्लेबाज नहीं कर सका था. निकोलस पूरन ने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट के खिलाफ खेले गए मैच में 43 गेंदों पर नाबाद 93 रनों की पारी खेली. इस पारी के दम पर उनकी टीम 194 रन का टारगेट चेज करके मुकाबला जीतने में कामयाब रही. निकोलस पूरन ने इस मुकाबले के दौरान 6 चौके और 7 छक्के जड़े. इसी के साथ उन्होंने इस साल टी20 क्रिकेट में अपने 150 छक्के भी पूरे किए. बता दें, निकोलस पूरन टी20 क्रिकेट के इतिहास में पहले ऐसे बल्लेबाज बने हैं, जिसने एक साल में 150 छक्के लगाए हैं, इससे पहले कोई भी बल्लेबाज इस आंकड़ा के करीब नहीं पहुंच सका था.

सीपीएल 2024 में जमकर चल रहा बल्ला

कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 में निकोलस पूरन का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है. वह फिलहाल अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. उन्होंने 7 मैचों में 45.83 की औसत से 275 रन बनाए हैं. इस दौरान निकोलस पूरन के बल्ले से 2 अर्धशतक देखने को मिले हैं. उन्होंने ये रन 176.28 की स्ट्राइक रेट से बनाए हैं. इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर 97 रन रहा है. वह इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने की लिस्ट में तीसरे नंबर पर बने हुए हैं. वहीं, उनकी टीम की बात की जाए तो त्रिनबागो नाइट राइडर्स 7 मैचों में 5 जीत के साथ चौथे नंबर पर है.

दिल की बात | यादगार कमबैक पर ऋषभ पंत ने किया अपनी भावनाओं का इजहार

मैं नर्वस था पर मुझे खुद को साबित करना था : पंत

एजेंसी। नयी दिल्ली

चेन्नई टेस्ट में भारत की शानदार जीत में ऋषभ पंत ने न केवल अपनी बल्लेबाजी से सबका दिल जीता, बल्कि अपनी भावनाओं को भी खुलकर बयां किया. मैच के बाद उन्होंने बताया कि बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में वापसी करते हुए वह नर्वस महसूस कर रहे थे. लेकिन उनके अंदर खुद को साबित करने की आग धधक रही थी. दिसंबर 2022 में जानलेवा कार एक्सीडेंट का शिकार हुए ऋषभ पंत की टेस्ट क्रिकेट में वापसी शानदार रही. बांग्लादेश के खिलाफ दूसरी पारी में उन्होंने 109 रनों की शतकीय पारी खेली. बीसीसीआई ने पंत का एक वीडियो एक्स पर शेयर किया.

इसमें पंत ने कहा, मैं बहुत घबराया हुआ था. लेकिन मेरे अंदर एक जज्बा और विश्वास था कि मुझे खुद को साबित करना है. पहली पारी में भी उन्होंने 39 रन जोड़े लेकिन वे इससे खुश नहीं दिखे. हालांकि, पंत ने दूसरी पारी में इसकी भरपाई कर दी और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के साथ 167 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की. पंत ने दूसरी पारी के दौरान 128 गेंदों का सामना किया और कुल 109 रन बनाए. इस पारी के दौरान उन्होंने 13 चौके और चार गगनचुंबी सिक्सर भी लगाए. उन्होंने कहा, यह शतक मेरे लिए काफी खास है. मुझे चेन्नई में खेलना बहुत पसंद है. चोट के बाद मैं तीनों फॉर्मेट में खेलना चाहता था और यह मेरी वापसी के बाद पहला टेस्ट मैच था. मैं हर दिन इसका आनंद ले रहा हूं.

शतक लगाने के बाद अपने जश्न के बारे में बात करते हुए पंत ने कहा, यह भावुक पल था. मैं हर मैच में रन बनाना चाहता हूं. टेस्ट क्रिकेट में वापस आकर काफी अच्छा महसूस हुआ. मैंने बस बल्लेबाजी का आनंद लिया लेकिन, शतक बनाने के बाद भावुक भी हो गया था. इसके साथ एक बात यह भी है कि मैदान पर मेरी मौजूदगी, हमेशा मुझे खुशी देती है. पंत के विस्फोटक प्रदर्शन और गिल की धैर्यपूर्ण पारी ने भारत की 280 रनों की विशाल जीत की नींव रखी, जिससे वह दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 1-0 से आगे है. इस जीत की लय को कायम रखते हुए भारत शुक्रवार से कानपुर में शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच को जीतकर श्रृंखला अपने नाम करना चाहेगा.

कानपुर में खिलाड़ियों का रुद्राक्ष माला पहनाकर होगा स्वागत

- ग्रीन पार्क स्टेडियम में 27 सितंबर से एक अक्टूबर तक खेला जाएगा टेस्ट मैच

एजेंसी। कानपुर

ग्रीन पार्क स्टेडियम में 27 सितंबर से एक अक्टूबर तक भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट मैच खेला जाएगा. इसको लेकर ग्रीन पार्क स्टेडियम से लेकर होटल लैंडमार्क तक तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, क्योंकि दोनों टीमों के खिलाड़ी होटल लैंडमार्क में ठहरेंगे. होटल प्रशासन ने खिलाड़ियों के स्वागत और आरामदायक ठहराव के लिए विशेष इंतजाम किए हैं. मैच की शुरुआत 27 सितंबर से होनी है, और दोनों टीमें 24 सितंबर को कानपुर पहुंचेंगी. खिलाड़ियों के ठहरने का इंतजाम होटल लैंडमार्क में किया गया है. भारतीय टीम का स्वागत पारंपरिक तरीके से किया जाएगा, जिसमें राम धुन, शंख ध्वनि, रुद्राक्ष की माला, पटका, हल्दी और चंदन से तिलक लगाया जाएगा. वहीं, बांग्लादेश टीम का भी तिलक और पटका पहनाकर स्वागत किया जाएगा.

खिलाड़ियों की सुविधा के लिए खास व्यवस्थाएं: होटल लैंडमार्क में भारतीय और बांग्लादेशी खिलाड़ियों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं. खिलाड़ियों के स्वागत के दौरान उन्हें खास बेवरेज और ठंडे तौलिए प्रदान किए जाएंगे ताकि गर्मी से राहत मिल सके. खिलाड़ियों के आराम और फिटनेस का ख्याल रखते हुए जिम की व्यवस्था भी की गई है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से तीसरा चंद्र है. मानसिक तनाव वाला दिन है. किसी से बहस से चिड़चिड़ापन बढ़ेगा. कार्यस्थल पर जो लोग आपको पसंद नहीं करते थे, वे आपके कार्यों की तारीफ करेंगे. कार्य पूर्ण करने के लिए किसी की मदद लेनी होगी.

वृष कार्य और प्रयास सफल होगा. तनाव लगातार बढ़ता जाएगा. बेहतर होगा कहीं घूमने चले जाएं. आपके अपनों को आपकी जरूरत है. मौज-मस्ती पर खर्च होगा. पिता के व्यवहार में परिवर्तन से चिंतित रहेंगे. अन्न का दान करें.

मिथुन समय उत्तम है. धन का आगमन होगा. खर्च अधिक होगा. साथ धन का आगमन होगा. मानसिकता को बदलने की बेहद जरूरत है. उन्नति में बाधा आयेगी. कोई खुशखबरी सुन सकते हैं. गुड़ का दान शिव मंदिर में करें.

कर्क समय अनुकूल है. कोई बड़ा कार्य करने के लिए समय अनुकूल है. किसी की सिफारिश से कार्य हो सकता है. संचित धन का निवेश लाभप्रद रहेगा. किसी के बहकावे में आने से रिश्ते कमजोर होंगे. संतान सुख की प्राप्ति संभव.

सिंह नेत्र रोग से बचें. खर्च संभाल कर करना चाहिए. किसी विषय को समझने की जिज्ञासा रहेगी. अपने अधिनस्थों के किये कार्यों की सराहना करें, लाभ होगा. विदेश से शुभ समाचार मिलेगा. योग का सहारा लिया जा सकता है.

कन्या किसी अजनबी का कुछ नया सीखने को मिलेगा. जिंदगी से जुड़ी निजी बातें आज सामने आ सकती हैं. नौकरी में उत्साह की कमी रहेगी. कोई बिगड़ा कार्य बनने से मन में खुशी होगा. गणेश जी का पूजन ध्यान करें.

तुला किसी बड़े कार्य होने से मन खुश रहेगा. साथ ही प्रतियोगिता में सफल होंगे. जीवनसाथी के साथ मतभेद संभव है. मेहनत ज्यादा करें और अपने कार्य के प्रति ईमानदार रहें. मनचाहा जवाब न मिलने से निराश रहेंगे.

वृश्चिक ससुराल से कोई बड़ा लाभ या कार्यक्रम का योग है. समय बहुत अनुकूल होगा. भाग्य साथ है, पर स्वयं अपने आप पर से नियंत्रण खो देंगे. मित्रों से मतभेद हो सकते हैं. कार्य स्थल पर धन लाभ के योग है. इष्ट बल मजबूत करें.

धनु कोई मानसिक तनाव हो सकता है. किसी से विवाद से मानहानि हो सकता है. समय के साथ स्थिति आपके अनुकूल बनेगी. जीवनसाथी का व्यवहार मनोबल बढ़ाएगा. कर्ज लेने की स्थिति निर्मित हो सकती है.

मकर किसी से कोई विवाद हो सकता है. मानहानि से बचें. जरूरतमंद लोगों की मदद करें. मांगलिक कार्यक्रमों की रूपरेखा बनेगी. राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे. पैसों की लेन देन संभव. खान-पान पर ध्यान दें.

कुंभ विद्यार्थी परिणामों को लेकर चिंतित रहेंगे. मेहमानों का आगमन हो सकता है. जमीन जायदाद के मसले निपटेंगे. समय धन देगा पर धन कमाने की चाह में कोई गलत फैसले न लें. माता लक्ष्मी को जल और गुलाब फूल अर्पण करें.

मीन धार्मिक कार्यों में लोगों से प्रोत्साहन मिलेगा. किसी मित्र या परिवार के लोगों से मुलाकात होगी, जिससे मन खुश होगा. आपके प्रयास से पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा. बुरी संगत छोड़ दें.

एक पेड़ मां के नाम अभियान : सीसीएल में अर्पिता महिला मंडल ने किया पौधरोपण

रांची। सीसीएल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अर्पिता महिला मंडल ने सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस परिसर में पर्यावरण को समर्पित पौधरोपण किया. कार्यक्रम का उद्देश्य मातृत्व का सम्मान करना और माताओं के नाम पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना था. सीसीएल की प्रथम महिला और अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्षा प्रीति सिंह ने इस अभियान का नेतृत्व किया. अर्पिता महिला मंडल की सदस्यों ने कार्यालय परिसर में सक्रिय रूप से पौधरोपण किया. इस अवसर पर रीता मिश्रा, शशि दुहन, किरण झा, इंदु मिश्रा, रूपा रानी, अर्पिता महिला मंडल के सभी सदस्य उपस्थित थे.

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने की बासुकीनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना

देवघर । राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के नई दिल्ली से देवघर पहुंचने पर बाबा बैद्यनाथ एयरपोर्ट पर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने स्वागत किया. गंगवार ने रविवार को दुमका स्थित बासुकीनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की, साथ ही समस्त राज्यवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की.

राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा की पहल पर एकजुट हुए आदिवासी समाज के लोग

जनजाति को हिंदू कहने पर भड़का आदिवासी समाज, पैदल मार्च किया, पुतला फूंका

संवाददाता।रांची

जनजाति को हिंदू कहने पर आदिवासी समाज में आक्रोश है. सोमवार को जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम के सामने राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के बुलावे पर आदिवासी समाज के सैंकड़ो लोग एकजुट हुए. यहां से पैदल मार्च शुरू हुआ, जो अलबर्ट एक्का चौक पहुंचा. चौक पर पर वनवासी कल्याण आश्रम के संचार प्रमुख प्रमोद पेटकर का पुतला फूंका गया. मार्च की अगुवाई सरना प्रार्थना सभा रांची महानगर की अध्यक्ष चंपा कुजूर ने किया. मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि आदिवासी न कभी हिंदू थे, न हैं और न आगे रेंहेग. प्रमोद पेटकर आदिवासी विरोधी हैं, इसीलिए उन्होंने आदिवासी समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी की. उन्होंने कहा है कि देश का जनजाति सांज हिंदू है. झारखंड, ओडिशा और बंगाल के आदिवासियों को सरना धर्म कोड की आवश्यकता नहीं है. उनके इस बयान से आदिवासी समाज आक्रोशित है.

अधिवक्ता दिनेश मुंडा ने कहा कि आदिवासी हिंदू नहीं हैं, क्योंकि आदिवासी समाज का पर्व-त्योहार,धर्म -संस्कृति, रीति रिवाज ,जन्म -मृत्यु संस्कार कस्टमरी लॉ से चलता है.आदिवासी समाज प्रकृति पूजक है, न कि मूर्तिपूजक.आदिवासी समाज सभी धर्मों को मान- सम्मान देता है. सचिव अर्जुन गाड़ी ने कहा कि आदिवासी समाज को हिंदू कहनेवालों को चिह्नित किया जाएगा. समाज की अवहेलना करने, मजाक उड़ानेवाले को अब किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा. यही कारण है कि आज भाजपा को लोकसभा की पांच आदिवासी सीटें गंवानी पड़ी. यदि भाजपा नेताओं ने फिर से वैसी ही गलती की, तो आनेवाले विधानसभा चुनाव में उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ेगा. मौके पर ज्ञान मुंडा, दुर्गा उरांव, फूलो कच्छप, पवन टोप्पो, सचिव अर्जुन गाड़ी, महासचिव मंगा उरांव, करमा गाड़ी, संगीता मुंडा, कोषाध्यक्ष सुधीर उरांव मौजूद थे.

झारखंड में लव जिहाद और लैंड जिहाद की सरकार : अनुराग ठाकुर

कहा- घुसपैठियों के कारण बदल रही संथाल की डेमोग्राफी

- उटारी रोड में पूर्व केंद्रीय मंत्री का राज्य सरकार पर निशाना

संवादाता।पलामू

पूर्व केंद्रीय मंत्री सह भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार लव जिहाद और लैंड जिहाद की सरकार है. इस सरकार ने राज्य की की जनता को ठगने का काम किया है. ठाकुर सोमवार को उंटारी रोड में भाजपा की परिवर्तन संकल्प रैली सह जनसभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर को गांधी जयंती के दिन भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा समाप्त होगी. इस अवसर पर झारखंड की गद्दी से भ्रष्ट सरकार को हटा कर स्वच्छता अभियान चलाने का संकल्प लेंगे.

संथालपरगना में अदिवासियों की आबादी 14% घटी : उन्होंने कहा कि संथालपरगना क्षेत्र में रोहिंग्या मुसलमान बस रहे हैं. इस क्षेत्र से आदिवासी भागने को मजबूर हो रहे हैं. यही कारण है कि आज उनकी अबादी 42% से घट कर होकर 28% की संख्या हो गई है. विदेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या के करण संथाल क्षेत्र की डेमोग्राफी बदल रही है और राज्य की हेमंत सरकार जन कल्याण नहीं, बल्कि जिहादी कल्याण कर रहे हैं. अनुराग ठाकुर ने कहा कि हेमंत सोरेन ने वादा किया था कि 1932 के खतियान पर झारखंडियों को नौकरी देंगे, लेकिन नौकरी नहीं दी. हर महीने बेटियों के खाते में 2000 रुपये देने की बात कही थी. अब चुनाव को देखते हुए 1000 रुपये दे रहे हैं.

पलामू के उटारी रोड में जनसभा को संबोधित करते सांसद अनुराग ठाकुर.

ट्रांसफर-पोस्टिंग और टेंडर घोटाले का चल रहा खेल

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जल, जंगल, जमीन को लूटने का काम कर रही है. इस सरकार में ट्रांसफर-पोस्टिंग और टेंडर घोटाले का खेल चल रहा है. इस सरकार में अधिकारी के घर से 18 करोड़ और उनके नेता के घर से 300 करोड़ रुपये मिलते हैं. उन्होंने कहा कि इस सरकार में पेपर लीक और अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए इंटरनेट बंद कर दिया जा रहा है. नीट का पेपर लीक का मास्टरमाइंड झारखंड से ही पकड़ाता है. उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में भर्ती के नाम पर 14 नौजवानों को मार डाला गया. एक सवाल के जवाब में तिरुपति मामले की भी निष्पक्ष जांच की मांग की.

16वीं झारखंड राज्य पुलिस खेल कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

प्रतियोगिता में 1500 खिलाड़ी लेंगे भाग

संवाददाता ।रांची

डोरंडा स्थित जैप-एक में सोमवार को 16वीं झारखंड राज्य पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ. खेल मंत्री मिथिलेश ठाकुर और डीजीपी अनुराग गुप्ता ने दो दिवसीय (24 और 25 सितंबर) प्रतियोगिता का उद्घाटन किया. इस मौके पर जैप एडीजी प्रिया दुबे, जैप आईजी राजकुमार लकड़ा, जैप डीआईजी मयूर पटेल कन्हैयालाल, जैप कमांडेंट राकेश रंजन समेत कई पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे. इस खेलकूद प्रतियोगिता में करीब 1500 पुलिस खिलाड़ी भाग ले रहे हैं. बेहतर खेलने वाले खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली टीम के लिए किया जायेगा. खेलकूद प्रतियोगिता में फुटबॉल, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, पेंचाक सिलाट, योग, वॉलीबॉल, हॉकी, कुश्ती, कबड्डी, क्रास कंट्री, मैराथन, हैंडबॉल, तीरंदाजी, खो-खो, एथलेटिक्स, जिमनास्टिक, बॉक्सिंग, जूडो, वुशु, ताइक्वांडो, वेटलिफ्टिंग, कराटे, बॉडीबिल्डिंग और पावरलिफ्टिंग शामिल हैं.

जैप 2 के खेल ग्राउंड में लगाया जाएगा टर्फ : मंत्री

मौके पर खेल मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा की जैप 2 के खेल ग्राउंड में टर्फ लगाया जाएगा. वहीं उन्होंने वहां स्विमिंग पूल निर्माण की भी बात कही. उन्होंने खिलाड़ियों को कैश अवार्ड और झारखंड खेल नीति के तहत सीधी नियुक्ति देने की बात कही. इस दौरान प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी.

सीएनटी एक्ट उल्लंघन मामले में कार्रवाई की लगाई गुहार

- रिटायर्ड डीएसपी ने पूर्व विधायक योगेंद्र साव पर आदिवासी जमीन लूटने का लगाया आरोप

हजारीबाग। रिटायर्ड डीएसपी अमल अजित कुमार सोरेन ने पूर्व विधायक पर आदिवासी की जमीन हड़पने का आरोप लगाया है. इस संबंध में उन्होंने मुख्य न्यायाधीश, मुख्य सचिव, डीसी और एसपी को भेजे आवेदन में कहा है कि उनके पिता स्व. गोपाल गमेलिवल सोरेन, हजारीबाग के निवासी थे, जिसका कुल रकबा 54 डिसमिल है. सन 29 सितंबर 1938 में क्राइस्ट कालयानी तिर्की से खरीदा गया, जिसका आम मुकतरनामा सत्यवती तिर्की ने उन्हें दिया है. क्राइस्ट तिर्की की खाता तीन प्लॉट नम्बर 906 की भूमि पर टीएस 73/2016 वर्तमान में न्यायालय में लंबित है. दुर्भाग्यवश वर्तमान में उनके उपरोक्त भूमि पर योगेन्द्र साव की कुदृष्टि है. वे मेरे आदिवासी भूमि को हड़पने का प्रयास करते रहते हैं.

रांची सहित राज्य के आठ जेलों का होगा जीर्णोद्धार, गृह विभाग ने राशि आवंटित की

संवाददाता।रांची

झारखंड के आठ जेलों में जीर्णोद्धार का काम होगा. इसको लेकर झारखंड गृह विभाग ने 3.24 करोड़ की राशि आवंटित की है. गृह विभाग ने अपने जारी आदेश में कहा है कि इस राशि की निकासी और खर्च करने की जिम्मेदारी जेल अधीक्षक की होगी. जिला अधीक्षक संबंधित जिला कोषागार से राशि निकासी कर झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के खाते में ट्रांसफर करायेंगे.

किस जेल में कितनी लागत से मरम्मत

- बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार रांची में बाउंड्री वॉल की मरम्मत- 84 लाख
- खूंटी जेल में टॉयलेट मरम्मत का कार्य- 22 लाख
- घाटशिला जेल में अस्पताल की मरम्मत- 22 लाख
- जामताड़ा जेल में अस्पताल भवन की मरम्मत- 62 लाख
- सरायकेला जेल में अस्पताल का जीर्णोद्वार : 23 लाख
- खूंटी जेल में अस्पताल की मरम्मत- 11 लाख
- बोकारो के चास जेल की मरम्मत- 48.45 लाख
- कोडरमा जेल में अस्पताल का जीर्णोद्वार- 30.43 लाख
- पलामू जेल में अस्पताल की मरम्मत- 21.84 लाख

कोल वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

चतरा । तेज रफ्तार कोल वाहन ने बाइक सवार युवक को चपेट में ले लिया. दुर्घटना में युवक की मौत हो गई. जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के पदमपुर पंचायत अंतर्गत बुकरु निवासी गौतम सिंह के पुत्र रामप्रवेश सिंह टंडवा से सोमवार दोपहर वापस गांव लौट रहे थे. इसी दौरान आम्रपाली के बिंगलात स्थित गेट के समीप कोल वाहन ने युवक को चपेट में ले लिया. घटना के बाद कोल वाहन युवक को बाइक सहित घसीटते हुए सौ मीटर से अधिक दूरी तक अपने साथ ले गया. मानवता का परिचय देते हुए टंडवा प्रमुख रीना देवी ने अपने वाहन से घायल को अस्पताल पहुंचाया. मृतक टीवीएस क्रेडिट नामक कंपनी में लोन रिकवरी एजेंट का काम करता था. घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने आम्रपाली एक नंबर गेट को जाम कर दिया, जिससे आम्रपाली से कोयला ढुलाई ठप हो गई.

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा का अल्टीमेटम

मांगों को लेकर 30 को घेरेंगे सीएम आवास

संवाददाता।रांची

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की समीक्षा बैठक डोरंडा स्थित कार्यालय में हुई, जिसमें मांगों पर विचार-विमर्श किया गया. निर्णय लिया गया कि 25 सितंबर तक झारखंड आंदोलनकारियों के जेल जाने की बाध्यता समाप्त करने, राजकीय मान- सम्मान ,अलग झारखंडी पहचान, बेटा बेटियों के सौ प्रतिशत रोजी रोजगार नियोजन की गारंटी देने और एक-एक आंदोलनकारी को सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रु. देने की दिशा में पहल नहीं हुई, तो 30 सितंबर को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने का निर्णय लिया गया है. प्रत्येक आंदोलनकारी परंपरागत अस्त्र शस्त्र के साथ जुटेंगे. बैठक की अध्यक्षता करते हुए विदेशी महतो ने कहा कि अस्मिता की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई स्वयं लड़ेंगे और अपने संघर्ष के बल पर ही अपने अधिकारों को लेकर रहेंगे.

मोर्चा के संस्थापक पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष करते हुए अपनी पहचान व मान-सम्मान के सवाल पर शहादत देने के लिए तैयार हैं. 30 सितंबर को झारखंड आंदोलनकारी अपना अधिकार मिलने के बाद ही विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए जायेंगे. केंद्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी अपने शेष समय को विशेष बनाते हुए अपने मान सम्मान, अलग पहचान, रोजी- रोजगार नियोजन के अधिकार की रक्षा के लिए 30 सितंबर को सड़कों पर उतरेंगे. दक्षिण छोटानागपुर प्रमंडल की अध्यक्ष रोजलीन तिर्की, पलामू प्रमंडलीय अध्यक्ष बालकिशुन उरांव ने भी अपने विचार रखे. बैठक में जिदन कोल, श्याम बिहारी प्रजापति, बुधन कोल, कार्तिक महथा आदि ने हिस्सा लिया.

टंडवा में भूमि सत्यापन मामले में बीस सूत्री अध्यक्ष को नोटिस

ग्रामीणों ने फर्जीवाड़ा का लगाया आरोप

विनित आभा उपाध्याय ।रांची

भूमि घोटाले से जुड़े मामले में झारखंड में ईडी और एसीबी लगातार कार्रवाई कर रही है. इसके बावजूद चतरा जिले के टंडवा में काजगात का फर्जीवाड़ा कर भूमि घोटाला रुकने का नाम नहीं ले रहा है. ताजा मामला चतरा जिला के टंडवा कोयलांचल के सरकारी गैरमजरूआ व आदिवासी भूमि को जालसाजी और फर्जीवाड़ा कर सत्यापन किये जाने के मामले पर पीड़िता ने बड़ा खुलासा किया है. चतरा जिला प्रशासन ने टंडवा के बीस सूत्री अध्यक्ष सुखदेव यादव उर्फ सुभाष यादव सहित उनके पूरे परिवार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है.

नोटिस में कहा गया है कि टंडवा अंचल के मौजा के राहम चातर में खाता नंबर 389 प्लॉट संख्या 2599 जिसका कुल रकबा 4.40 एकड़, भूमि पर कायम अवैध जमाबंदी रद्द करने के लिए गांव के ही सीटन यादव व उगन यादव ने अपील दायर की है. नोटिस मिलने के बाद भी सुभाष यादव अपने पद का दुरुपयोग कर नोटिस का जवाब नहीं दे रहे हैं. चतरा जिले में मगध आम्रपाली प्रोजेक्ट में सरकारी और गैरमजरूआ भूमि का फर्जीवाड़ा करके फर्जी हुकुमनामा तैयार कर नौकरी लेने के मामले में भी एसबी की जांच जारी है.

पेज एक का शेष...

कल्पना ने गढ़वा से भरी हुंकार...

कश्मीर में वोट के लिए भाजपा मां सम्मान योजना लाती है और यहां पर पीआईएल : दीपिका : मंत्री दीपिका सिंह पांडेय ने कहा कि मंईयां सम्मान यात्रा झारखंड की राजनीति में लिखी जानी है. यह झारखंड के महिलाओं के सम्मान, अधिकार और बराबरी का अधिकार दिलाने में एक अहम प्रयास है.महिलाएं अपने घरों में अपने दायित्व को देखती हैं. महिलाएं अब राजनीति में भी सामने आ रही हैं. राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी बहनों-भाइयों के लिए सबकुछ किया. लेकिन भाजपा नेताओं के पेट में दर्द हो रहा है. मगर कश्मीर में वोट मांगने जाते हैं, तो वहां पर मां सम्मान योजना की घोषणा करते हैं. यह दोहरी नीति महिलाएं अब नहीं बर्दाश्त नहीं करेंगी. कोई भी योजना हमारी सरकार लाती है, तो उसके खिलाफ पीआईएल होता है और उसके बाद बोरे भर-भर के नोट देने का काम ये भाजपा वाले करते हैं.

हमारी जनता उन्हें पैदल करके भेज देगी : मिथिलेश ठाकुर : मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि जितनी भी महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत पलामू की पावन धरती से हुई. पलामू प्रमंडल के साथ हमेशा सौतेला व्यावहार हुआ. बिहार के समय से यह चलता रहा. आज मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि गढ़वा जिला अब किसी से पीछे नहीं है और इसका पूरा श्रेय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जाता है. मंईयां सम्मान योजना यात्रा शुभारंभ भी गढ़वा हो रहा है. हमारे मुख्यमंत्री ने जेल जाना पंसद किया, मगर मान-सम्मान से समझौता नहीं किया. चंपाई सोरेन को बागडोर सौंप कर जेल चले गए. उन्हें हम सब ने मिलकर उन्हें मुख्यमंत्री बनाया. हमारे हेमंत सोरेन जेल से बाहर आए और इसके बाद खरीद-फरोख्त करके उन्हें अपने दल में ले गए. आज जो परिवर्तन यात्रा वाले लोग घूम रहे हैं, हमारे लोगों ने उन्हें पैदल करने का काम किया.

बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री...

क्या है पूरा मामला और किस तरह से सुप्रीम कोर्ट में यह मामला पहुंचा यह आदेश एनजीओ जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन अलायंस द्वारा हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ दायर अपील में पारित किया गया था, जिसमें कहा गया था कि निजी तौर पर चिल्ड्रन पोर्नोग्राफी देखना अपराध नहीं है. हाईकोर्ट के उस फैसले में न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश ने कहा था कि किसी के व्यक्तिगत इलेक्ट्रोनिक डिवाइस पर चिल्ड्रन पोर्नोग्राफी को डाउनलोड करना या फिर उसे सिर्फ देखना पॉक्सो एक्ट और आईटी एक्ट के तहत अपराध नहीं है. हाईकोर्ट ने एस हरीश नामक व्यक्ति के खिलाफ शुरू हुई कार्यवाही को रद्द करते वक्त यह टिप्पणियां की थीं. हरीश के खिलाफ अपने मोबाइल पर दो चाइल्ड पोर्नोग्राफी वीडियो डाउनलोड करने और देखने के लिए पॉक्सो अधिनियम और आईटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था. मार्च में इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट की टिप्पणी घृणास्पद थी.

देश में करें सेक्स एजुकेशन की शुरुआत : सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने फैसले में एक अहम टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार सेदेश भर में सेक्स एजुकेशन प्रोग्राम लागू करने का भी आह्वान किया है. कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार स्वास्थ्य और यौन शिक्षा के लिए एक व्यापक कार्यक्रम या तंत्र तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन करने पर विचार करे. पीठ ने कहा कि भारत में यौन शिक्षा के बारे में गलत धारणाएं व्यापक तौर पर अपनी पैठ बनाए हुए हैं. यहां लोग सामाजिक कलंक की वजह से यौन स्वास्थ्य के बारे में खुल कर बात करने से कतराते हैं, जिसके परिणामस्वरूप किशोरों के बीच यौन स्वास्थ्य को लेकर कई तरह की गलतफहमियां पैदा होती हैं और वे कई बार गलत रास्ते पर चले जाते हैं. पीठ ने टिप्पणी की कि रूढ़िवादी समाज में माता-पिता और शिक्षकों समेत अधिकांश लोग सेक्स पर चर्चा करना गलत, अनैतिक या शर्मनाक महसूस करते हैं.

शुभारंभ सरकार की ओर से मंईयां सम्मान यात्रा का श्रीगणेश सोमवार को किया गया

कृषि मंत्री व कल्पना ने की श्री बंशीधर मंदिर में पूजा

संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

झारखंड सरकार की ओर से मंईयां सम्मान यात्रा का श्रीगणेश सोमवार को यहां श्री बंशीधर नगर से किया गया. यात्रा का शुभारंभ करने श्री बंशीधर नगर पहुंचे सूबे के महिला बालविकास मंत्री बेबी देवी, पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर, कृषि मंत्री दीपिका सिंह पांडेय एवं गांडेय विधायक व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने सबसे पहले श्री बंशीधर मंदिर में पूजा अर्चना कर राज्य में अमन चैन खुशहाली के साथ-साथ झारखंड में फिर से हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने के लिये श्री बंशीधर जी से कामना की. मंदिर में आचार्य सत्यनारायण मिश्र के वैदिक मंत्रोचार के बीच सभी ने श्री बंशीधर जी की विधिवत पूजा अर्चना के साथ-साथ श्री राधा बंशीधर जी युगल सरकार की आरती उतारी. पूजा अर्चना करने के बाद श्री बंशीधर सूर्य मंदिर ट्रस्ट की ओर से ट्रस्ट के संरक्षक पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव, दीपक प्रताप देव एवं ट्रस्ट के सलाहकार धीरेंद्र कुमार चौबे ने मंत्रीद्वय एवं विधायक कल्पना सोरेन को चुनरी ओढाकर एवं श्री बंशीधर जी की तस्वीर भेंट कर मंदिर में गर्मजोशी के साथ स्वागत किया. मौके पर जिप अध्यक्ष शांति देवी, झामुमो नेता ताहिर अंसारी, महिला जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, सोगरा बीबी, किरण देवी, मंदिर के पदाधिकारी सुरेश विश्वकर्मा आदि मौजूद थे.

पूजा-अर्चना करतीं विधायक कल्पना सोरेन व अन्य

कार्यकर्ताओं ने किया परिवर्तन यात्रा स्वागत

कोडरमा । जिले के जयनगर प्रखंड के थाना मोड पर भाजपा नेता सुरेन्द्र भाई मोदी, भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश यादव ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ परिवर्तन यात्रा का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया. भाजपा समर्थकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा जिंदाबाद के नारे लगाए. तत्पश्चात पिपचो चौक, तेतरौन मोड के रास्ते परसाबाद, बेडोकला, पलमा होते हुए कपका मैदान पहुंचा, जहां एमपी के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी आदि के कार्यक्रम में शामिल हुए. मौके पर जिप सदस्य कुमकुम देवी, राजेन्द्र सिंह, सुरेंद्र प्रसाद मोदी, सदानंद सिंह, संतोष साव, बीरेंद्र कुमार, संजय साव, सुनील सिंह, उमेश मोदी, राजू राणा आदि मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

मोदी टेक सीईओ की बैठक में शामिल हुए

न्यूयॉर्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूयॉर्क में प्रमुख अमेरिकी टेक कंपनियों के सीईओ के साथ बैठक में भारत और अमेरिका के बीच कटिंग-एज टेक्नोलॉजी जैसे कि एआई, क्वांटम कम्प्यूटिंग और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने के लिए पीएम मोदी ने इस राउंडटेबल बैठक में हिस्सा लिया. पीएम गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और एडोबी के सीईओ शांतनु नारायण से भी मिले. बैठक में आईबीएम के सीईओ अरविंद कृष्णा, एएमडी की सीईओ लिसा सु, मॉडर्ना के सीईओ नूबर अफयान भी मौजूद रहे.

एक्टर चिरंजीवी को किया गया सम्मानित

नयी दिल्ली। फिल्म स्टार चिरंजीवी कोनिडेला को भारतीय फिल्म जगत में उनके बेहतरीन काम के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से सम्मान दिया गया. ये सम्मान रविवार को हैदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिया गया. फिल्म स्टार आमिर ख़ान ने ये सर्टिफिकेट चिरंजीवी को दिया. 156 फिल्मों में 537 गानों पर 24000 डांस मूव्स के लिए मेगास्टार चिरंजीवी का नाम गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ. चिरंजीवी ने कहा कि मैं ये पल कभी भूल नहीं पाऊंगा. डांस के लिए सम्मानित होना बहुत शानदार है.

स्वतंत्र अभिव्यक्ति लोकतंत्र की पहचान

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित ने हाल ही में ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल की ओर से आयोजित सोली जे. सोराबजी मेमोरियल लेक्चर में कहा कि स्वतंत्र अभिव्यक्ति का अधिकार लोकतंत्र की पहचान है और जाने-माने न्यायविद और भारत के पूर्व अटॉर्नी जनरल सोली जे. सोराबजी इस अधिकार के पक्के समर्थक और समर्थक थे. असहमति के अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा पर उनका लेखन ग्रीस में लोकतंत्र की नींव पर ही आधारित था.

राजनयिकों के काफिले पर आतंकी हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत से राजधानी इस्लामाबाद जा रहे विदेशी राजनयिकों के काफिले को निशाना बनाकर आतंकियों ने हमला किया है. आतंकियों द्वारा किए गए विस्फोट में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए. पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रविवार को खैबर पख्तूनख्वा के स्वात जिले में एक एडवांस स्काउट पुलिस वाहन पर एक आईईडी विस्फोट हुआ, जिसके कारण पुलिस के कई जवान हताहत हुए हैं.

गहरी खाई में गिरी बस, चार की मौत

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के सेमाडोह के पास एक बस खाई में गिर गई, जिससे चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 से ज्यादा घायल हो गए. इनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है. सभी को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बस अमरावती से खंडवा जा रही थी. इसी दौरान बस एक घुमावदार सड़क पर नियंत्रण खोने के बाद 60 से 70 फीट गहरी खाई में गिर गई. सूचना पर पहुंची टीम ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया. बस में करीब 50 से 55 यात्री सवार थे.

ट्रंप बोले, हारे तो फिर चुनाव नहीं लड़ेंगे

नयी दिल्ली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ट्रंप ने कहा कि अगर वो नवंबर में हार जाते हैं, तो वो 2028 का राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ेंगे. 78 साल के ट्रंप लगातार तीन अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों से रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार हैं. एक इंटरव्यू में जब ट्रंप से पूछा गया कि अगर वो कमला हैरिस से हार जाते हैं तो क्या दोबारा चुनाव लड़ेंगे. तो इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि नहीं, मुझे नहीं लगता.

संघ से सवाल पर नकवी का पलटवार

नयी दिल्ली। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को काम में जोरी और विरोध में हीरो बताया. दिल्ली के पूर्व सीएम ने रविवार को जंतर-मंतर पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से पांच सवाल पूछे थे. इसे लेकर नकवी ने कहा कि जो लोग अब तक काम में जीरो रहे हैं, वे अब धरने में हीरो बनने में लगे हैं. जो कुछ भी करने में विफल रहे हैं, वे अब विरोध प्रदर्शनों का खेल खेलने लगे हैं, विरोध प्रदर्शनों के खेल में अपनी विफलताओं का हिसाब कौन दे?

यौन उत्पीड़न के अभियुक्त की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में पुलिस का कहना है कि बदलापुर के एक स्कूल में दो बच्चियों से यौन शोषण मामले के अभियुक्त अक्षय शिंदे की मौत हो गई है. पुलिस का कहना है कि आरोपी अक्षय शिंदे को पुलिस तलोजा अस्पताल से ले जा रही थी, तभी उसने बंदूक़ छीन कर अपनी जान लेने की कोशिश की. इसके बाद हुई गोलीबारी में अक्षय शिंदे की मौत हो गई है. गोलीबारी के बाद अक्षय शिंदे को कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल ले जाया गया.

सांसद वीणा देवी के बेटे की हादसे में मौत

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर से एलजेपी (आर) सांसद वीणा देवी के बेटे छोटू सिंह की सड़क हादसे में मौत हो गई है. वीणा देवी वैशाली से सांसद हैं. ये हादसा मुजफ्फरपुर जैतपुर के पौखरेरा में हुआ है. घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है. जानकारी के मुताबिक मुजफ्फरपुर के जैतपुर थाना क्षेत्र के दिनेश्वर पेट्रोल पंप के पास सड़क हादसे में वैशाली सांसद वीणा देवी और एमएलसी दिनेश सिंह के बेटे छोटू सिंह की मौत हो गई है.

आतिशी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री का पदभार संभाला, कहा-इस कुर्सी को अरविंद केजरीवाल की वापसी का इंतजार रहेगा

भरत जी ने खड़ाऊं रख सिंहासन संभाला था, उसी तरह मैं भी संभालूंगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली की नयी मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि जिस तरह भरत जी ने खड़ाऊं रखकर सिंहासन संभाला, उसी तरह मैं सीएम की कुर्सी संभालूंगी. आतिशी ने सोमवार को सीएम के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया. उन्होंने साफ कर दिया कि भले ही वह अभी सीएम हैं, लेकिन सर्वोच्च स्थान पर अरविंद केजरीवाल ही हैं. आतिशी के बगल में एक खाली कुर्सी भी थी. उन्होंने कहा कि यह कुर्सी केजरीवाल की वापसी तक इसी कमरे में रहेगी. इस कुर्सी को केजरीवाल का इंतजार रहेगा. इस बयान पर बीजेपी नेताओं ने तंज़ कसते हुए इसे संविधान का अनादर बताया है.

भाजपा ने केजरीवाल की छवि खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी : आतिशी ने अपने मन को राम के भाई भरत की व्यथा से जोड़ते हुए कहा कि भाजपा ने अरविंद केजरीवाल पर कीचड़ उछालने में कोई कसर नहीं छोड़ी. आतिशी ने कहा कि मैंने दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है. आज मेरी पीड़ा वैसी ही है जैसी भरत की थी जब भगवान राम 14 वर्ष के लिए वनवास गये थे और भरत को कार्यभार संभालना पड़ा था. जैसे भरत ने 14 वर्ष तक भगवान राम की पादुकाएं संभाल कर रखीं और कार्यभार संभाला, वैसे ही अगले चार महीने मैं भी उसी तरह दिल्ली सरकार चलाऊंगी.

मुझे उम्मीद है कि दिल्ली की जनता फिर से केजरीवाल को मुख्यमंत्री चुनेगी : आतिशी ने कहा कि पिछले दो साल से भाजपा ने अरविंद केजरीवाल की छवि खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. उन पर झूठे मुकदमे लगाये गये, उन्हें गिरफ्तार किया गया और छह महीने के लिए जेल में डाल दिया गया. अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि जब तक दिल्ली की जनता उनकी ईमानदारी पर भरोसा नहीं जताती, तब तक वे सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे. इसलिए उन्होंने इस्तीफा दे दिया. मुझे उम्मीद है कि दिल्ली की जनता उन्हें फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री चुनेगी. तब तक कुर्सी इसी पद पर रहेगी और अरविंद केजरीवाल का इंतजार करेगी.

आईडीएफ की एयर स्ट्राइक के बाद हिज्बुल्लाह ने भी किए जवाबी हमले

हिज्बुल्लाह के 300 ठिकानों पर बमबारी, 182 लोगों की हुई मौत

एजेंसियां। बेरुत/तेहरान

गाजा में फिलीस्तीन के साथ जारी जंग के बीच इजरायल ने मिडिल ईस्ट देश लेबनान में हिज्बुल्लाह संगठन के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की है. इजरायल की मिलिट्री ने सोमवार को एक बयान जारी कर एयर स्ट्राइक की जानकारी दी. इजरायल के डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने बताया कि सोमवार सुबह 6:30 (स्थानीय समयानुसार भोर 3:30 बजे) से सुबह 7:30 बजे के बीच हिज्बुल्लाह के 300 ठिकानों पर मिसाइल और रॉकेट से करीब 150 हमले किए गए. इजरायल के एयर स्ट्राइक में अब तक 182 लोगों की मौत हो चुकी है. कम से कम 700 लोग जख्मी बताए जा रहे हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक, हमले से पहले इजरायल की ओर से लेबनान के लोगों के फोन पर रिकॉर्डेड मैसेज में अलर्ट भी भेजा गया था. रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल की एयर स्ट्राइक के बाद लेबनान ने सोमवार को सभी स्कूल और कॉलेजों को 2 दिन के लिए बंद कर दिया है मार्केट को भी बंद रखने का आदेश है. एहतिहातन लोगों को जहां तक संभव हो सके, अपने घरों में रहने की हिदायद दी गई है. इस बीच लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दक्षिणी लेबनान के सभी हॉस्पिटल को आदेश दिया है कि ऐसी सर्जरी को रद्द कर दिया जाए, जिन्हें तुरंत करना बहुत जरूरी न हो. ताकि इजरायली हमले में घायल लोगों को तुरंत इलाज मिले.

हिज्बुल्लाह ने की जवाबी कार्रवाई : एयर स्ट्राइक के बाद हिज्बुल्लाह ने भी इजरायल पर हमले किए हैं. हिज्बुल्लाह के मुताबिक, उनके लड़ाकों ने इजरायल के आर्म्स फैक्ट्री पर बमबारी की है. इजरायल की सेना आईडीएफ ने बताया कि एयर स्ट्राइक के बाद लेबनान की तरफ से 35 रॉकेट दागी गई हैं. हालांकि, इस हमले में इजरायल को कितना नुकसान हुआ है... इसके बारे में जानकारी नहीं मिली है.

गाजा युद्ध में इजरायल के खिलाफ है हिज्बुल्लाह : दरअसल, इजरायल की मिलिट्री ने लेबनान के लोगों को अलर्ट भेजा था कि हिज्बुल्लाह के ठिकानों के आसपास के इलाकों से दूर हट जाएं और किसी महफूज जगह चले जाएं. क्योंकि, इजरायल जल्द बड़े स्तर पर आर्मी ऑपरेशन को अंजाम देने वाला है. गाजा में करीब एक साल से जारी जंग के बीच इजरायली मिलिट्री की तरफ से लेबनान के लोगों के लिए ये पहली ऑफिशियल वॉर्निंग थी. ये घटनाक्रम इजरायल-लेबनान सीमा पर चल रहे संघर्ष के नवीनतम विस्तार को दर्शाते हैं.

ईरान की सेना संचार उपकरणों का इस्तेमाल नहीं करेगी

लेबनान में इजरायल के एयर स्ट्राइक के बीच ईरान ने अपनी सेना रिवोल्यशूनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के सदस्यों को किसी भी तरह के कम्युनिकेशन डिवाइस का इस्तेमाल न करने को कहा है. न्यूज एजेंसी 'रॉयटर्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, आईआरजीसी अपने सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जांच भी कर रही है, ताकि किसी हमले से बचा जा सके.

शिया धर्मगुरु ने की इजरायल की बर्बरता को रोकने की अपील

लेबनान में इजराइल के हमलों के बीच इराक में शिया इस्लाम के सर्वोच्च गुरु ग्रैंड अयातुल्ला अली सिस्तानी ने इजरायली 'आक्रामकता' और 'बर्बरता' खत्म करने की अपील की. सिस्तानी ने कहा कि इजरायली सेना ने हिज्बुल्लाह आंदोलन को निशाना बनाया है. इस बर्बर आक्रामकता को खत्म करने और लेबनानी लोगों की रक्षा के लिए हमें हर संभव कोशिश करनी होगी.

लेबनान के नागरिकों को फोन पर भेजी थी वॉर्निंग

लेबनान के ऑफिशियल मीडिया के मुताबिक, एयर स्ट्राइक से पहले इजरायल ने लेबनान के लोगों के मोबाइल नंबर पर अलर्ट भेजा था. लोगों को जगह खाली करने को कहा गया था. इसके कुछ देर बाद ही हवाई हमले किए गए. इजरायल की तरह से मैसेज दिया गया कि हम लेबनान के नागरिकों को सलाह देते हैं कि वे अपनी हिफाजत के लिए खतरे वाले इलाके से तुरंत दूर चले जाएं. इजरायली सेना हिज्बुल्लाह के खिलाफ घातक हमले करने जा रही है. लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी ने कहा कि बेरुत और अन्य इलाकों में लोगों को लैंडलाइन टेलीफोन पर वॉर्निंग कॉल आई थी. ये एक रिकॉर्डेड मैसेज था, जो इजरायल की तरफ से भेजा गया था. दुश्मन देश ने एक तरह से साइकोलॉजिकल वॉर शुरू कर दी है. बेरुत के रहने वाले नागरिक खालिद ने बताया कि मुझे मोबाइल पर टेक्स्ट मैसेज आया था.

अब वह मोदी नहीं बचा, जिसकी 56 इंच की छाती थी: राहुल गांधी

- जेएंडके की चुनावी रैली में कहा – हमने मोहब्बत से नफरत को हराया

एजेंसियां। पुंछ

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ में बड़ी चुनावी रैली की. इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी पर उन्होंने सीधा हमला बोला और कहा कि अब वह बदल चुके हैं. राहुल गांधी ने कहा कि आज वह नरेंद्र मोदी नहीं रह गए हैं, जो पहले हुआ करते थे. हमने उनको मनोवैज्ञानिक तौर पर खत्म कर दिया है. अब वह मोदी नहीं बचा है, जिसे आप लोग पहले देखा करते थे. उन्होंने कहा, जो पहले नरेंद्र मोदी थे, 56 इंच की छाती वाले. आपको उनका चेहरा दूर से दिखता है, मैं तो संसद में सामने रहता हूं. साफ दिखता है कि पहले जो नरेंद्र मोदी थे, आज वह नहीं बचा है. आज विपक्ष जो करवाना चाहता है, हम वह करवा लेते हैं. वे कोई कानून लाते हैं, तो हम उनके सामने खड़े हो जाते हैं और फिर वे नया कानून लाते हैं. राहुल ने कहा कि इलेक्शन के दौरान नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं तो बायोलॉजिकल नहीं हूं. मेरी सीधा कनेक्शन ऊपर है. मैं तो सीधे भगवान से बात करता हूं. लेकिन अब इंडिया गठबंधन ने नरेंद्र मोदी को मनोवैज्ञानिक रूप से तोड़ दिया है. लोकसभा में नेता विपक्ष ने कहा, हमने यह काम नफरत से नहीं बल्कि मोहब्बत से किया है. हमने मोहब्बत के जरिए नफरत को हराया है.

हम दिलाएंगे आपको स्टेटहुड : उन्होंने कहा कि ऐसा बहुत बार हुआ है कि यूनियन टेरिटरी को राज्य बनाया गया. कई बार राज्यों का बंटवारा हुआ और एक से दो राज्य बने. मगर ऐसा पहली बार हुआ कि एक राज्य को यूनियन टेरिटरी बनाया गया. आप का जो हक है, वह आप से छीना गया है. भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है. एक स्टेट से कहा गया कि आप अब राज्य नहीं रहेंगे, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश होंगे. राहुल गांधी ने कहा, अगर ये (मोदी सरकार) आपको स्टेटहुड वापस नहीं देंगे तो ये मेरी गारंटी है, हम आपको स्टेटहुड वापस ला कर देंगे. हिन्दुस्तान के इतिहास में किसी राज्य को यूटी में नहीं बदला गया था. पहली बार स्टेट को यूटी में बदलकर आपका हक छीना गया है.

सिर्फ नफरत फैलाते हैं मोदी व भाजपा के लोग

राहुल ने कहा, जहां भी प्रधानमंत्री और भाजपा के लोग जाते हैं, वे सिर्फ नफरत फैलाते हैं. नफरत का जवाब नफरत से नहीं, मोहब्बत से दिया जाता है. नफरत को मोहब्बत ही काट सकती है. ये आपका इतिहास है और आपका कल्चर है. राहुल ने कहा, जहां भी भाजपा के लोगों ने नफरत का बाजार खोला था, उसके अंदर जाकर हमने मोहब्बत की दुकान खोली है. राहुल ने कहा, ये (पीएम मोदी) मन की बात करते हैं, लेकिन काम की बातें करनी इन्हें नहीं आती हैं. ये मन की बात करते रहते हैं, लेकिन उनके मन की बात सुनने वाला कोई नहीं है.

तमिलनाडु के राज्यपाल बोले-भारत में धर्मनिरपेक्षता की कोई आवश्यकता नहीं

- कांग्रेस नेता मणिकम ने बयान को बताया संविधान के साथ गांधी, अंबेडकर, नेहरू व पटेल के भारत के विचार के भी खिलाफ

एजेंसी। चेन्नई

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने रविवार को कथित तौर पर कहा था कि भारत में धर्मनिरपेक्षता की कोई आवश्यकता नहीं है. उनके इस बयान पर सोमवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विरुधुनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद मणिकम टैगोर ने आलोचना की है.

कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि धर्मनिरपेक्षता पर तमिलनाडु के राज्यपाल का बयान अस्वीकार्य है. यह भारत के संविधान और महात्मा गांधी, बाबासाहेब अंबेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभ भाई पटेल के भारत के विचार के भी खिलाफ है. उन्होंने कहा कि विदेशों में धर्मनिरपेक्षता का विचार भले ही अलग हो, लेकिन भारत में हम सभी अन्य धर्मों का सम्मान करते हैं, हम सभी अन्य परंपराओं का सम्मान करते हैं. हम सभी अन्य प्रथाओं का सम्मान करते हैं और यही भारत में धर्मनिरपेक्षता का विचार है. भाजपा और अन्य संबद्ध संगठन भारत में धर्मनिरपेक्षता के इस विचार के खिलाफ हैं.

क्या कहा था राज्यपाल रवि ने

रवि ने रविवार को कन्याकुमारी में एक समारोह में कहा था कि इस देश के लोगों के साथ बहुत धोखाधड़ी हुई है और उनमें से एक यह है कि उन्होंने धर्मनिरपेक्षता की गलत व्याख्या करने की कोशिश की है. राज्यपाल ने कहा था, "धर्मनिरपेक्षता का क्या मतलब है? धर्मनिरपेक्षता एक यूरोपीय अवधारणा (कॉन्सेप्ट) है. यह भारतीय अवधारणा नहीं है. यूरोप में, धर्मनिरपेक्षता इसलिए आई क्योंकि चर्च और राजा के बीच लड़ाई हुई थी... भारत 'धर्म' से दूर कैसे हो सकता है? धर्मनिरपेक्षता एक यूरोपीय अवधारणा है और इसे वहीं रहने दें. भारत में, धर्मनिरपेक्षता की आवश्यकता नहीं है.

पीएम मोदी ने गाजा संकट पर जताई गहरी चिंता

- राष्ट्रपति अब्बास से मुलाकात में इजरायल-फिलिस्तीन के मुद्दे पर भारत की समय-परीक्षित सैद्धांतिक स्थिति को दोहराया

एजेंसी। न्यूयॉर्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूयॉर्क में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास के साथ द्विपक्षीय मुलाकात की. पीएम ने अब्बास के साथ बैठक के दौरान गाजा में उभर रहे मानवीय संकट और क्षेत्र में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है. पीएम मोदी ने फिलिस्तीन के लोगों को निरंतर मानवीय सहायता समेत भारत के अटूट समर्थन की भी पुष्टि की. उन्होंने इजरायल-फिलिस्तीन के मुद्दे पर भारत की समय-परीक्षित सैद्धांतिक स्थिति को दोहराया. उन्होंने युद्ध विराम, बंधकों की रिहाई, बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया.

प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया कि केवल दो-राष्ट्र समाधान ही इस क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता प्रदान करेगा. उन्होंने याद दिलाया कि भारत फिलिस्तीन को मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था. उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की सदस्यता के लिए भारत के निरंतर समर्थन की बात कही. दोनों नेताओं ने भारत-फिलिस्तीन द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन को भारत का समर्थन तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षमता निर्माण प्रयासों के क्षेत्र में फिलिस्तीन को जारी सहायता और समर्थन शामिल था. दोनों नेताओं ने भारत-फिलिस्तीन द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की.

पीएम मोदी की कुवैत के क्राउन प्रिंस के साथ अहम मुद्दों पर हुई बात

प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूयॉर्क में भारतीय लोगों को संबोधित करने के बाद कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा खालिद अल-हमद अल-सबाह से मुलाकात की. दोनों नेताओं ने भारत-कुवैत द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और ऐतिहासिक संबंधों तथा लोगों के बीच मजबूत संपर्क को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की. नेताओं ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि भारत-कुवैत ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा जरूरतों के संबंध में एक-दूसरे को सहयोग दे रहे हैं. विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों के पारस्परिक लाभ के लिए द्विपक्षीय संबंधों को गहरा और विविधतापूर्ण बनाने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की.

पुनर्जागरण के नए युग की शुरुआत

श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने ली शपथ, कहा

भारत निश्चित रूप से हमारा अहम पड़ोसी होने के साथ एक महाशक्ति

एजेंसी। कोलंबो

अनुरा कुमारा दिसानायके ने सोमवार की सुबह श्रीलंका के नौंवे राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली. दिसानायके पर अब देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने और भ्रष्टाचार खत्म करने की बड़ी जिम्मेदारी है. देश के प्रधान न्यायाधीश जयंत जयसूर्या ने राष्ट्रपति सचिवालय में दिसानायके (55) को शपथ दिलाई.

पद की शपथ लेने के बाद दिसानायके ने कहा कि वे देश के भीतर पुनर्जागरण के नए युग की शुरुआत करने की हर संभव कोशिश करेंगे. श्रीलंका में राष्ट्रपति पद के लिए शनिवार को वोट डाले गए थे. रविवार को श्रीलंका में आए चुनाव परिणाम में जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) पार्टी के नेता और नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन के कैंडिडेट दिसानायके को विजेता घोषित किया गया. दिसानायके ने अपने करीबी प्रतिद्वंद्वी समागी जन बालवेगया (एसजेबी) के साजिथ प्रेमदासा को पराजित किया. यह देश में आर्थिक संकट के कारण 2022 में हुए व्यापक जन आंदोलन के बाद पहला चुनाव है. दिसानायके ने चुनाव जीतने के बाद पहली बार देश को संबोधित करते हुए जनादेश का सम्मान करने और शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण के लिए पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे का आभार जताया. दिसानायके और उनकी पार्टी का झुकाव चीन की तरफ माना जाता है, फिलहाल शुरुआती बयान भारत के पक्ष में देखने को मिले हैं. दिसानायके की पार्टी की तरफ से कहा गया है कि उनका देश किसी भी तरह के भूराजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में नहीं उलझेगा, इसके साथ ही वह अपने देश को दूसरे किसी देश के खिलाफ इस्तेमाल नहीं होने देंगे. दिसानायके के प्रवक्ता बिमल रत्नायके ने एक बयान में कहा कि श्रीलंकाई क्षेत्र का इस्तेमाल किसी अन्य देश के खिलाफ नहीं किया जाएगा. एनपीपी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य प्रोफेसर अनिल जयंती ने कहा कि भारत निश्चित रूप से हमारा अहम पड़ोसी और महाशक्ति है. भारत का अपना एक महत्व है. हिंद महासागर में श्रीलंका की रणनीतिक स्थिति ने उसकी भूराजनीतिक प्रासंगिकता को बढ़ाया है.

श्रीलंका के विपक्ष ने क्या कहा

दिसानायके के शपथ ग्रहण से कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने ने देश में सत्ता हस्तांतरण के तहत अपने पद से इस्तीफा दे दिया. गुणवर्धने (75) जुलाई 2022 से इस श्रीलंका के प्रधानमंत्री पद पर काबिज थे. गुणवर्धने ने दिसानायके को संबोधित कर लिखे पत्र में कहा कि वह नया राष्ट्रपति निर्वाचित होने के कारण पद से इस्तीफा दे रहे हैं और वह नए मंत्रिमंडल के गठन के अनुकूल माहौल बनाएंगे. चुनाव के दौरान दिसानायके के भ्रष्टाचार विरोधी संदेश और राजनीतिक संस्कृति बदलने के वादे ने युवा मतदाताओं को आकर्षित किया, जो आर्थिक संकट के बाद से राजनीतिक व्यवस्था बदलने की मांग करते रहे हैं.

ऑस्ट्रेलिया सरकार गाजा के लिए देगी अतिरिक्त मानवीय सहायता

- सरकार ने की 6.8 मिलियन यूएस डॉलर और देने की घोषणा

एजेंसी। कैनबरा

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने गाजा के लिए अतिरिक्त मानवीय सहायता की घोषणा की है. विदेश मंत्री पेनी वोंग और इंटरनेशनल डेवलपमेंट एंड पैसिफिक मंत्री पैट कॉनरॉय ने सोमवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया गाजा में चल रहे मानवीय संकट के जवाब में अतिरिक्त 10 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (6.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर) प्रदान करेगा.

मंत्रियों ने एक संयुक्त वक्तव्य में कहा कि यह धनराशि यूनिसेफ और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) को दी जाएगी. इसमें महिलाओं और लड़कियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए न्यूट्रिशन सपोर्ट और हाइजीन एंड डिग्निटी किट सहित जीवन रक्षक मदद प्रदान की जाएगी. वोंग ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की मदद पोषण और स्वच्छता एवं स्वास्थ्य उत्पादों की आपूर्ति के जरिए गंभीर मानवीय स्थिति से निपटने में मदद करेगी. विदेश मंत्री ने कहा कि नागरिकों तक जल्द, सुरक्षित और बिना रुकावट मानवीय राहत पहुंचनी चाहिए. सहायता कर्मियों को सुरक्षा मिलनी चाहिए ताकि वे अपना काम जारी रख सके. वोंग ने आगे कहा कि हम युद्ध विराम, नागरिकों की सुरक्षा और बंधकों की रिहाई के लिए दबाव बनाना जारी रखेंगे.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)